Ranchi ● Tuesday, 11 November 2025 ● Year : 03 ● Issue : 293 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published From Ranchi

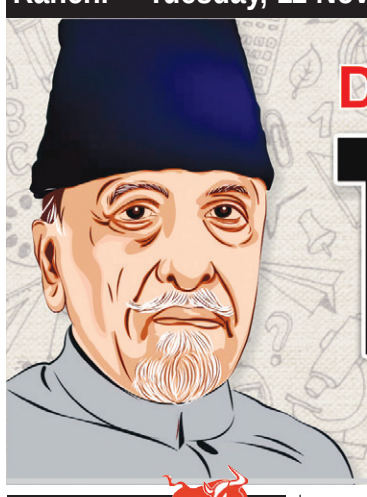

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस आज

SHARE
सेंसेक्स	:	83,506.66
निफ्टी	:	25,575.30

SARAFA
सोना	:	11,445
चांदी	:	167.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

कल होगी कैबिनेट की बैठक, होंगे अहम फैसले

SRINAGAR : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक 12 नवंबर को होगी। यह बैठक प्रोजेक्ट भवन में अपराह्न तीन बजे से होगी। यह जानकारी सोमवार को कैबिनेट सचिवालय और निगरानी विभाग द्वारा दी गई। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। इसके लिए कई प्रस्ताव पहले से ही तैयार हैं। इससे पहले 3 नवंबर को स्टेट कैबिनेट की बैठक हुई थी। इस दौरान 16 प्रस्तावों को पारित किया गया था।

एसआईआर : सुप्रीम कोर्ट पहुंची बंगाल कांग्रेस

KOLKATA : बिहार के बाद 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू वोटर लिस्ट का रिवीजन (एसआईआर) को लेकर पश्चिम बंगाल में सियासत गरमा गई है। अब कांग्रेस की बंगाल यूनिट ने सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर के खिलाफ याचिका लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में यह मामला उठाया गया जो बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट 11 नवंबर को तमिलनाडु सरकार की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा। इधर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दावा किया है कि 27 अक्टूबर को एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक 15 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। टीएमसी ने कहा कि एसआईआर के डर से कुछ ने आत्महत्या की, तो कुछ की मौत हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक से हुई। हालांकि भाजपा ने इसे राजनीतिक प्रचार करार देते हुए आरोपों से इनकार किया है। कहा- टीएमसी जनता को गुमराह कर रही है। पश्चिम बंगाल में विरोध के बावजूद 80,000 से ज्यादा बूथ लेवल अधिकारी एसआईआर के फॉर्म बांट रहे हैं। 9 नवंबर रात 8 बजे तक 5 5.15 करोड़ से ज्यादा एसआईआर फॉर्म बांट दिए हैं। 4 नवंबर से शुरू हुआ काम 4 दिसंबर तक चलेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को भेजा नोटिस

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता जया ठाकुर की ओर से दाखिल याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का कानून तत्काल लागू करने की मांग की गई है। जस्टिस बीवी नागरत्न और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने सरकार से ताजा परिसीमन अभ्यास का इंतजार किए बिना महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए जवाब मांगा। सुनवाई के दौरान बेंच ने टिप्पणी की, 'संविधान की प्रस्तावना कहती है कि सभी नागरिकों को राजनीतिक और सामाजिक समानता का अधिकार है। इस देश में सबसे बड़ी अल्पसंख्यक कौन है? वह महिला है... लगभग 48 प्रतिशत। यह महिलाओं की राजनीतिक समानता का मामला है।'

बिहार विधानसभा चुनाव : सुबह 7 बजे से डाले जाएंगे वोट, ईवीएम लेकर बूथों तक पहुंचे मतदानकर्मी

सेकेंड फेज की 122 सीटों पर वोटिंग आज

1302 उम्मीदवारों की किस्मत का होगा फैसला, इसमें नीतीश कैबिनेट के आधा दर्जन मंत्री शामिल

14 नवंबर को आएगा रिजल्ट, पहले फेज में 6 नवंबर को 65 प्रतिशत मताधिकार का हुआ था प्रयोग

PATNA @ PTI : बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की 122 सीटों पर मंगलवार को मतदान होगा। सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू हो जाएगी। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सोमवार शाम तक चुनाव कर्मी ईवीएम लेकर बूथों पर पहुंच गए हैं। 122 सीटों पर 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं। विधानसभा चुनाव का रिजल्ट 14 नवंबर को आएगा। गौरतलब है कि पहले फेज में 6 नवंबर को रिकॉर्ड 65% वोटिंग हुई थी। दूसरे चरण में नीतीश कैबिनेट के 6 मंत्रियों के भाग्य का भी फैसला होगा। निर्वाचन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मतदान केंद्रों पर तीन लेयर में सुरक्षा की व्यवस्था रहेगी। किसी तरह की गड़बड़ी होने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। इसकी मॉनिटरिंग वेबकॉस्टिंग के माध्यम से होगी। इसके लिए निर्वाचन विभाग में कंट्रोल रूम बनाया गया है। बता दें कि पहले चरण में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की लगभग 500 कंपनियां बिहार में चुनाव-पूर्व ड्यूटी पर तैनात थीं और बाद में सीएपीएफ की 500 और कंपनियां राज्य में पहुंचीं। दूसरे राज्यों से आई रिजर्व बटालियनों के लगभग 2000 जवान, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के 30 हजार जवान, 20 हजार से ज्यादा होमगार्ड, लगभग 19 हजार नए भर्ती हुए कॉन्स्टेबल और लगभग 1.5 लाख चौकीदार (ग्रामीण पुलिस) भी दोनों चरणों के लिए चुनाव ड्यूटी पर तैनात की गई है।

- मतदाताओं में एक करोड़ 95 लाख 44 हजार 41 पुरुष और एक करोड़ 74 लाख 68 हजार 572 महिलाएं शामिल
- अधिकारियों के अनुसार, मतदान केंद्रों पर तीन लेयर में होगी सुरक्षा की व्यवस्था
- किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर तत्काल की जाएगी कार्रवाई
- वेबकॉस्टिंग के माध्यम से पूरी चुनाव प्रक्रिया की होगी मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम तैयार

45399 बूथों पर मतदान
3.7 करोड़ मतदाता करेंगे
500 सीएपीएफ की कंपनियां पहुंची बिहार
500 कंपनियां चुनाव पूर्व ड्यूटी पर थीं तैनात

कई दिग्गजों के भाग्य का होगा फैसला

इस चरण में कई दिग्गज नेताओं के भाग्य का फैसला होना है। इनमें नीतीश कुमार के सबसे वरिष्ठ मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव (सुपौल), नीतीश कुमार के नजदीकी मंत्री लेसी सिंह (धमदाहा), पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी (बेतिया), मंत्री शीला मंडल (फुलपरास) के अलावा एकमात्र मुस्लिम मंत्री जमा खान (चैनपुर) शामिल हैं।

झामुमो प्रत्याशी सोमेश VS भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में आज 256352 मतदाता डालेंगे वोट

GHATSHILA : पूर्व शिक्षा मंत्री सह विधायक रामदास सोरेन के निधन के बाद विधानसभा सीट रिक्त होने के कारण मंगलवार को मतदान होने जा रहा है। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर विभिन्न मतदान केंद्रों पर दोपहर 12 बजे के बाद से मतदान कर्मी पहुंचने लगे थे। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक 300 बूथों पर होगा। इस बार घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 2,56,352 है, जिसमें 1,25,114 पुरुष व 1,31,235 महिलाएं शामिल हैं। सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 5.30 बजे राजनीतिक दलों के एजेंटों की उपस्थिति में मॉक पोल कराया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज से मतदान कर्मियों व एसएसपी पीयूष पांडेय ने पुलिस कर्मियों को आवश्यक निर्देश देते हुए रवाना किया। इस बार चुनाव में विधि-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए 300 पोलिंग स्टेशनों पर 10 कंपनी अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

24 नवंबर तक संभावित तारीख बताए निर्वाचन आयोग : हाईकोर्ट

अदालत में आयोग बोला- अभी नहीं मिली आरक्षण की अंतिम अनुशंसा

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट में लंबित नगर निकाय चुनाव से संबंधित अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने गंभीर नाराजगी जताते हुए राज्य निर्वाचन आयोग को निकाय चुनाव के लिए 24 नवंबर तक संभावित तारीख बताने का निर्देश दिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 24 नवंबर को होगी। सुनवाई के दौरान राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन की ओर से कोर्ट को बताया कि सरकार ने नगर निकाय चुनाव के लिए कराए गए ट्रिपल टेस्ट की रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि सीटों के आरक्षण, जनसंख्या सूची सहित कुछ बिंदुओं पर आयोग ने अतिरिक्त जानकारी मांगी है, जिसे जल्द ही उपलब्ध करा दिया जाएगा। जानकारी उपलब्ध होते ही चुनाव अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। महाधिवक्ता ने कहा कि सरकार पूरी तैयारी के साथ प्रक्रिया को अंतिम रूप देने में जुटी है। सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से कोर्ट को बताया गया कि राज्य सरकार ने अभी तक सीटों के आरक्षण से संबंधित अंतिम अनुशंसा आयोग को नहीं भेजी है। आयोग ने कहा कि अनुशंसा मिलने के बाद ही चुनाव की तैयारी शुरू की जा सकेगी, जिसमें लगभग तीन माह लगेंगे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार और आयोग दोनों चुनाव प्रक्रिया में देरी नहीं करें।

नगर निकाय चुनाव को लेकर अदालत की नाराजगी

- सरकार से अनुशंसा मिलने के बाद ही शुरू की जा सकेगी चुनाव की तैयारी
- कोर्ट ने किया स्पष्ट, सरकार और आयोग दोनों चुनाव प्रक्रिया में नहीं करें देरी

तीन सप्ताह का दिया गया था समय

बता दें कि पिछली सुनवाई में महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया था कि ट्रिपल टेस्ट भी कराया जा चुका है, इसकी रिपोर्ट कैबिनेट को भेजी जाएगी। अनुमोदन मिलने के बाद राज्य सरकार नगर निगम और नगर निकायों के चुनाव करने की अनुशंसा राज्य निर्वाचन आयोग को भेजेगा। अदालत ने राज्य सरकार को नगर निगम और नगर निकायों के चुनाव कराने के संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग को अनुशंसा भेजने के लिए 3 सप्ताह का समय दिया था। पिछली सुनवाई में महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया था कि ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उसकी रिपोर्ट कैबिनेट को भेजी जाएगी। कैबिनेट की मंजूरी के बाद सरकार नगर निकाय चुनाव कराने की अनुशंसा राज्य निर्वाचन आयोग को भेजेगी।

चार वर्षों से लंबित हैं चुनाव

बता दें कि प्रार्थी रोशनी खलखो और रीना कुमारी ने यह अवमानना याचिका दायर की है। उन्होंने अदालत के पूर्व आदेश के बावजूद चुनाव नहीं कराने पर नाराजगी जताई है। राज्य में जून 2020 से 12 शहरी निकायों में चुनाव नहीं हुए हैं। कई नगर निगम बिना जनप्रतिनिधियों के संचालित हो रहे हैं। साथ ही 27 अप्रैल 2023 के बाद से राज्य में कोई भी शहरी निकाय चुनाव नहीं हुआ। अदालत ने याचिका संख्या 1923/2023 और 2290/2023 में चार जनवरी 2024 को आदेश पारित कर तीन सप्ताह में चुनाव कराने को कहा था।

शाम 6.52 बजे फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 की पार्किंग में घटना

दिल्ली में लाल किले के पास कार में धमाका, 9 की मौत, 20 घायल

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली में लाल किले के पास चलती कार में जोरदार धमाका हुआ। ब्लास्ट में 09 लोगों की मौत हो गई। जबकि 20 लोग घायल हो गए। धमाके की वजह साफ नहीं है। दिल्ली समेत मुंबई, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने बताया कि सोमवार शाम 6.52 बजे फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास चलती कार में धमाका हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास खड़ी 3 और गाड़ियां जल गईं। घटना के बाद पुलिस ने इलाके को घेर लिया है। घटना के थोड़े देर के बाद फॉरेंसिक की टीम भी पहुंची। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। वहीं एनआईए और एनएसजी को भी घटनास्थल भेजा गया। इधर, पीएम मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह से बात की और जानकारी ली। गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने बात की। फिलहाल पूरी स्थिति की पुलिस सहित अन्य एजेंसियां जांच कर रही हैं। घटना के बाद रांची में भी अलर्ट जारी किया गया है।

आग इतनी तेजी से फैली- आसपास खड़ी 3 और गाड़ियां जल गईं

यूपी के सभी जिलों में हाई अलर्ट, लखनऊ में गश्त बढ़ी

दिल्ली में रेड फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास हुए धमाके के बाद उत्तर प्रदेश को अलर्ट पर रखा गया है। एएनआई से बातचीत में उत्तर प्रदेश के एडीजी (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि डीजीपी ने राज्य के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील धार्मिक स्थलों, संवेदनशील जिलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों की पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है।

आतंकवादी मॉड्यूल का खुलासा, 2900 किलो विस्फोटक बरामद, दो डॉक्टर सहित 8 अरेस्ट

SRINAGAR @ PTI : सोमवार को देश के विभिन्न हिस्सों से तीन चिकित्सकों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार कर 2900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री जब्त की गई। पुलिस का दावा है कि इन गिरफ्तारियों और जब्ती से जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फैले जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवातुल हिंद के आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में कश्मीर के डॉ. मुजम्मिल गनी और लखनऊ के डॉ. शाहीन शामिल हैं, जिन्हें हिरासत में पूछताछ के लिए श्रीनगर लाया गया। अधिकारियों ने कहा कि उनकी कार से एक एके-47 राइफल मिली थी। अधिकारियों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस बलों के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों का संयुक्त अभियान एक बड़ी सफलता है। उन्होंने यह नहीं बताया कि गिरफ्तारियां कब हुईं। पुलिस ने इस अभियान के जरिये जैश-ए-मोहम्मद और भारत में आईएसआईएस से जुड़े अंसार गजवातुल-हिंद के विनाशकारी मंसूबों को नाकाम करने का दावा किया है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक बयान में बताया कि 2900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री में अमोनियम नाइट्रेट, पोटैशियम नाइट्रेट और सल्फर शामिल हैं, जिसमें फरीदाबाद में गनी के किराए के मकान से बरामद 360 किलोग्राम ज्वलनशील सामग्री शामिल है।

अच्छी पहल केंद्र सरकार ने आर्थिक मदद के लिए उठाया बड़ा कदम

अब जल्द बहुरेंगे भारतीय मछुआरों के दिन, बढ़ेगी आमदनी

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : सामान्य रूप से मछुआरों का जीवन और पेशा कठिन होता है। नदियों की अपेक्षा गहलरे समुद्र में मछली पकड़ने वालों को और कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मेहनत के मुताबिक उन्हें आमदनी भी नहीं होती है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए हाल ही में केंद्र सरकार ने उनके कल्याण और आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस कदम से मछुआरों के दिन धीरे-धीरे बहुरने लगेंगे। उनकी आमदनी बढ़ेगी और परेशानी दूर होगी। समुद्री संसाधनों के बेहतर उपयोग और मछुआरों की सहायता के लिए यह एक अच्छी पहल है। इस संदर्भ में कारगर और खास रणनीति अपनी गई है। गौरतलब है कि भारत मछली उत्पादन और जलकृषि में दुनिया में दूसरे स्थान पर है और हर साल लगभग 60 हजार करोड़ रुपये का समुद्री उत्पाद निर्यात करता है। केंद्र सरकार ने देश के स्पेशल इकोनॉमिक जोन यानी विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के तहत गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए नए नियमों को अधिसूचित किया है। इन नियमों का मकसद मछुआरों, सहकारी समितियों और छोटे स्तर के मछुआरों को बढ़ावा देना है।

समुद्री संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के लिए तैयार की गई खास रणनीति

एसईजेड के तहत गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए नए नियम अधिसूचित

- क्यूआर कोड वाला आधार अथवा फिशर आईडी कार्ड देने का हुआ निर्णय
- विदेशी जहाजों को भारतीय जल-सीमा में मछली पकड़ने से रोकना भी है मकसद
- समुद्री मछुआरों को मेहनत के मुताबिक नहीं मिल पाती आमदनी होती है परेशानी

सहकारी समितियों और मछली पालक उत्पादक संगठनों को दी जाएगी प्राथमिकता

देश के छोटे मछुआरों के हितों की होगी रक्षा

नए बदलावों का मकसद विदेशी जहाजों को भारतीय जल-सीमा में मछली पकड़ने से रोकना भी है। नए नियमों के अनुसार, अब कोई भी विदेशी मछली पकड़ने वाला जहाज भारतीय समुद्री सीमा में मछली नहीं पकड़ सकेगा। इससे देश के छोटे मछुआरों के हितों की रक्षा होगी। नए नियमों के तहत मछुआरों को क्यूआर कोड वाला आधार अथवा फिशर आईडी कार्ड देने का प्रावधान किया गया है।

संभव होगा मछलियों का आदान-प्रदान

नए नियमों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए अब मछुआरा सहकारी समितियों और मछली पालक उत्पादक संगठनों को प्राथमिकता दी जाएगी। ये संगठन आधुनिक तकनीक से लैस नावों का इस्तेमाल कर सकेंगे। इस नए सिस्टम में मदर-चाइल्ड वेसल की भी अवधारणा लाई गई है। इसकी सहायता से समुद्र में ही मछलियों का आदान-प्रदान संभव होगा। यह व्यवस्था अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप जैसे द्वीपों के लिए अधिक लाभदायक साबित होगी। नए नियमों में पर्यावरण की सुरक्षा पर भी फोकस किया गया है। नए नियमों में एलईडी लाइट से मछली पकड़ना, पेयर ट्रॉलिंग और बुल ट्रॉलिंग जैसी हानिकारक प्रथाओं पर रोक लगा दी गई है। मछलियों को पड़ने के लिए कानूनी रूप से उनकी न्यूनतम लंबाई तय की जाएगी और राज्यों के साथ मिलकर मत्स्य प्रबंधन योजनाएं बनाई जाएंगी।

शराब व खासमहल जमीन घोटाले के बाद फिर बढ़ी परेशानी

वन भूमि घोटाले में भी आईएएस विनय चौबे की भूमिका संदिग्ध, एसीबी ने बनाया आरोपी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के सीनियर आईएएस अधिकारी विनय चौबे की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शराब घोटाला और हजारीबाग के खासमहल जमीन घोटाले में फंसे विनय चौबे अब वन भूमि घोटाले में भी आरोपी बनाए गए हैं। एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) ने इस मामले में उनके खिलाफ कांड संख्या 11/2025 दर्ज की है और कोर्ट से रिमांड की अनुमति मांगी है। इस पर मंगलवार को सुनवाई होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, एसीबी ने इस मामले की प्रारंभिक जांच में पाया कि हजारीबाग में विनय चौबे के उपायुक्त रहने के दौरान वन भूमि का अवैध रूप से निजी व्यक्तियों के नाम म्यूटेशन करके कब्जा दिलाया गया। जांच में कई अहम दस्तावेज और गवाहों के बयान मिले, जिनसे उनकी भूमिका संदिग्ध पाई गई।

निजी व्यक्तियों के नाम म्यूटेशन करके दिलाया गया कब्जा

करीब 5000 एकड़ का है यह घोटाला

जांच के दौरान यह पाया गया कि विवादित वन भूमि का म्यूटेशन विनय सिंह और स्निग्धा सिंह के नाम पर किया गया था और विनय चौबे की सीधी भूमिका उस भूमि के आवंटन और म्यूटेशन में सामने आयी थी। बता दें कि एसीबी ने करीब 5000 एकड़ वन भूमि घोटाले का अनुमान लगाया है।

73 लोगों को बनाया गया है नामजद आरोपी

इस मामले में अब तक विनय चौबे के करीबी विनय सिंह, उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह, हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद, तत्कालीन सीओ शैलेश कुमार, ब्रोकर विजय सिंह सहित कुल 73 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। एसीबी ने इस कांड में विनय सिंह को सितंबर में गिरफ्तार किया था, जबकि शैलेश कुमार और विजय सिंह को पिछले महीने हिरासत में लिया गया। एजेंसी अब भी स्निग्धा सिंह की तलाश में है।

नवविवाहिता की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने किया थाना का घेराव

परिजनों का आरोप- ससुराल वाले दहेज के लिए करते थे प्रताड़ित, जबरन पिलाया जहर

AGENCY KODERMA : कोडरमा थाना के लोहासिकर गांव में तीन दिन पहले नवविवाहिता की हुई मौत के मामले में परिजनों ने सोमवार को कोडरमा थाना का घेराव किया।

जहर खाने के बाद रांची में इलाज के दौरान हुई मौत के बाबत परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के पीहर वाले जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिला और ग्रामीणों ने मामले में आरोपितों को शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर घेराव किया। मृतका की मां अम्बिका देवी ने बरियातू पुलिस के समक्ष दिए बयान में कहा था कि पुत्री प्रीति कुमारी (21) की शादी 7 मई 2025 को लोहासिकर के सचिंद्र कुमार के साथ हुई थी।

कोडरमा थाना का घेराव करते ग्रामीण

अपने सामर्थ्य के अनुसार 7 लाख 50 हजार रुपया नगद और लगभग 5 लाख रुपए का सामान दिया। उन्होंने बताया कि शादी के कुछ दिन बाद से ही उनकी लड़की के ससुराल वाले अतिरिक्त दहेज के रूप में 2 लाख रुपए की मांग करने लगे। पैसा नहीं देने पर उनकी लडकी के साथ मारपीट भी करने लगे।

गत 7 नवंबर 2025 की सुबह 10 बजे मेरी लड़की के ससुराल से खुद सचिन्द्र कुमार यादव ने फोन किया कि आपकी लड़की सदर अस्पताल में भर्ती है। जब हमलोग सदर अस्पताल गये तो वहां कोई नहीं मिला। फोन करने के बाद पता चला कि वे न्यू कामेश्वरी में भर्ती है, वहां जाने के बाद पता चला की लड़की बहुत ही गंभीर स्थिति में है उसके दाहिने हाथ के कोहनी में दाग और उसके कपड़े पीछे की तरफ से फटे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उसे जबरन जहर पिलाया गया था। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी को रांची के आलम हास्पिटल में भर्ती कराया गया, पर 8 नवंबर को दोपहर उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने घटना को लेकर दामाद सचिन्द्र कुमार यादव, ससुर मोहन यादव, सास मुनिया देवी, उनके बड़ा दामाद के खिलाफ जबरन जहर पिलाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। इस दौरान विवाहिता के माता-पिता सहित अन्य परिजन ससुराल वालों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

नशे की हालत में कुएं में कूद गया युवक, मौत

KHUNTI : शहर के तोरपा रोड स्थित खूंटी टोली निवासी राजकुमार सिंह का पुत्र अजय कुमार सिंह उर्फ टिंकू सिंह (29) ने रविवार शाम नशे की हालत में अपने ही घर के कुएं में छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। वहीं अचानक बेटे को कुएं में छलांग लगाता देख उसकी बूढ़ी मां तेतरी देवी सन्न रह गई और जोर-जोर से चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुन आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और कुएं में कूदे युवक को कुएं से निकालने के प्रयास में जुट गए, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी इसमें उन्हें सफलता नहीं मिली। कुछ घंटे के बाद कुएं में जब झागड़ डाला गया तो झागड़ से फंसकर युवक का शव कुएं से बाहर निकला। इस बीच सूचना पाकर खूंटी थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया के बाद शव को थाने ले गई। वहीं सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे स्वजनों को सौंप दिया गया।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह

पुलिस ने बिहार जा रहा शराब लदा ट्रक पकड़ा, एक धराया

KODERMA : कोडरमा के सदर थाना अंतर्गत मेघातरी चेक पोस्ट पर सोमवार की सुबह कोडरमा पुलिस ने शराब से भरे एक ट्रक को जब्त किया। कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कर्रवाई हुई है। गुप्त सूचना मिली थी कि कोडरमा की ओर से शराब से भरा ट्रक (बीआर 56 जी 4297) बिहार जा रहा है जिसे बिहार के चुनाव में खपाने की तैयारी है। इसके बाद एसपी ने टीम गठित कर मेघातरी चेक पोस्ट पर चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान उक्त वाहन को देखा गया, ट्रक की जांच हुई तो ट्रक में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब पाया गया। उक्त वाहन को जब्त करते हुए चालक को हिरासत में लेकर कोडरमा थाना लाया गया। उल्लेखनीय है कि यह कार्रवाई बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए हुई है। मंगलवार को कोडरमा से सटे बिहार के इलाके मे वोट डाले जायेंगे। ऐसे में कोडरमा पुलिस भारी मात्रा में शराब जब्त करना बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। इस मामले में एसपी अनुदीप सिंह ने सोमवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि ट्रक से कुल 279 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। शराब का अनुमानित मूल्य करीब 16 लाख 50 हजार रुपए है।

BRIEF NEWS

रोजगार शिविर में 24 अभ्यर्थियों का चयन

LATEHAR : जिला नियोजन कार्यालय ने सोमवार को एकदिवसीय भर्ती कैंप लगाया, जिसमें विभिन्न कंपनियों ने 24 अभ्यर्थियों का चयन किया। जिला खेल स्टेडियम परिसर में आयोजित शिविर में लगभग 145 युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया। जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि इसमें इंडिगो सिक्यूरिटी फोर्स, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, गोयम ग्रुप प्रा. लि. व एयरटेल पेमेंट बैंक द्वारा सिक्यूरिटी गार्ड, क्लीनर, कुक, ड्राइवर, क्रेडिट ऑफिसर, कस्टमर सर्विस ऑफिसर, अप्रेंटिस ट्रेनिंग आदि के पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया चली। 27 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट कर अगले राउंड में आने के लिए कहा गया है।

करंट की चपेट में आकर युवक की मौत

LOHARDAGA : जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र के अकाशी पंचायत अंतर्गत ग्राम बंडा निवासी साफो मिरदहा के पुत्र बाकिब मिरदहा उर्फ पंटा मिरदहा (24) सोमवार सुबह नहर की ओर गया हुआ था। इसी दौरान सिंचाई के लिए लगाई गई बिजली के तार (करंट) के चपेट में आने से वह बुरी तरह से झूलस गया। ग्रामीणों ने उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ पड़ी। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

महिला ने पति पर छोड़ दिया कुत्ता, युवक लहूलुहान

HAZARIBAG : हजारीबाग शहर में पति-पत्नी के विवाद ने ऐसा मोड़ ले लिया कि महिला ने अपने पति पर ही कुत्ता छोड़ दिया। कुत्ते ने भी महिला के इशारे पर उसके पति रोहित पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे युवक रोहित कुमार जैन लहूलुहान हो गया। रोहित की चीख सुनकर एकत्र हुए पड़ोसियों ने किसी तरह कुत्ते से उसकी जान छुड़ाई। इसके बाद घायल पति को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस से मामले की शिकायत कर दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। यह घटना शहर के मटवारी स्थित कृष्णापुरी कॉलोनी की है। घायल युवक रोहित कुमार जैन बड़ा बाजार के पास रहते हैं। रोहित ने लोहसिंघना थाना में अपनी पत्नी रूपा अग्रवाल और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। रोहित के अनुसार, जनवरी 2024 में उनकी शादी हुई थी। शुरूआती कुछ महीनों तक संबंध सामान्य रहे, लेकिन बाद में तनाव बढ़ता गया और संबंध बिगड़ने लगे। रोहित का आरोप है कि कुछ महीनों से ससुराल पक्ष के लोग उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान कर रहे थे। रविवार को विवाद चरम पर पहुंच गया। रोहित का कहना है कि बहस के बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने उन पर पालतू कुत्ते को छोड़ दिया। अचानक हुए हमले में रोहित के शरीर पर कई जगह गहरे घाव हो गए।

हाथियों के झुंड ने ग्रामीण को कुचलकर मार डाला

मृतक के आश्रितों को सहायता राशि देते रेंजर

CHATRA : टंडवा वन क्षेत्र के बड़गांव पंचायत स्थित महुआ पतरा गांव मे जंगली हाथियों ने रविवार की देर रात जमकर उत्पात मचाया। करीब 16 की संख्या में हाथियों के झुंड ने गांव के नकुल उरांव के घर पर धावा बोल दिया। हाथियों को घर पर हमला करता देख घर में सो रहे परिवार के लोग जान बचाने के लिए बाहर निकले। इसी दौरान हाथियों ने नकुल उरांव को अपने चपेट मे ले लिया और उसे कुचकर मार डाला। घटना के बाद परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं गांव के लोगों में दहशत है। ग्रामीणों ने कहा कि हाथियों का झुंड को भगाने में वन विभाग विफल है।

घटना की जानकारी के बाद सोमवार को पहुंचे रेंजर मुक्ति प्रकाश पन्ना सहित अन्य ने आपदा राहत कोष से मृतक के आश्रितों को आर्थिक सहायता के रूप में 50 हजार रुपए दिया।

धनबाद में कुएं से बरामद हुआ महिला का शव, हत्या का आरोप

DHANBAD : धनबाद में गोविंदपुर थाना क्षेत्र के जियलगड़ा पंचायत के कलाडीह बस्ती में एक महिला का शव कुएं से बरामद किया गया। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूरे मामले की जांच जारी है। गोविंदपुर थाना पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान शिखू देवी (पति- सोनू गोप) के रूप में की गई है। वह जियलगड़ा की रहने वाली थी और उसके पिता का नाम मधुसूदन गोप बताया जा रहा है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। सहायक उपनिरीक्षक गिरधारी कुमार साहू ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पति-पत्नी के विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। निरीक्षण में यह पाया गया कि महिला ने फांसी लगाई थी, क्योंकि कुएं में आधी रस्सी लटकी हुई मिली और आधी रस्सी महिला के गले में बंधी थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज (एसएनएमएमसीएच) धनबाद भेज दिया है, जहां से उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

अपहरण व दुष्कर्म के दोषी को मिला आजीवन कारावास

DUMKA : प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एसएन मिश्रा की अदालत ने चार साल पहले जामा की किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अमलाचातर के दिलीप राय को दोषी करार देते हुए सोमवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने अभियुक्त पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामले में सरकार की ओर से लोक अभियोजक चंपा कुमारी ने बहस की। अदालत ने आठ गवाह के बयान और साक्ष्य के आधार पर यह सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार जामा के एक गांव की किशोरी 31 मई 2021 को घर में बताकर शौच करने के लिए गई थी। जंगल से दिलीप राय ने डरा धमका कर उसका अपहरण कर लिया और खेत से दूर वीरान एक गडढे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। काफी देर तक किशोरी वापस घर नहीं आई तो घरवालों ने उसकी खोजबीन की। इसी क्रम में घरवालों ने आरोपित को किशोरी के साथ गलत काम करते हुए पकड़ लिया। गिरफ्त में आने के बाद भी आरोपित भाग निकलने में सफल रहा। किशोरी के पिता ने जामा थाना में उसके खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने साक्ष्य के आधार पर दिलीप को अपहरण और दुष्कर्म करने के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

दो सड़क हादसों में एक शिक्षक सहित दो की मौत

GIRIDIH : जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसे में सोमवार को एक शिक्षक सहित दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना पचम्बा थाना इलाके के रानीखावा में हुई जहां एक अज्ञात गाड़ी ने जमुआ थाना क्षेत्र के मरखोमुंडी निवासी दिनेश यादव (38) के बाइक को टक्कर मारा और फरार हो गया। इसमें दिनेश यादव की मौत मौके पर ही हो हो गई। मृतक दिनेश यादव रानीखावा से अपने गांव जा रहा था। दूसरी घटना जिले के सरिया थाना इलाके के परासिया गांव में हुई। जहां सरिया डीएवी स्कूल के शिक्षक गणेश सिन्हा की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार गणेश सिन्हा (32) सरिया के बागोडीह परसिया गांव के रहने वाले थे और सोमवार को ड्यूटी में स्कूल जा रहे थे। इसी दौरान उनके बाइक को ट्रैक्टर ने टक्कर मारा दी, जिसमें वे गंभीर रुप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गणेश सिन्हा को गंभीर रूप से जख़्मी हो गए। लेकिन सरिया स्वास्थ्य केंद्र ले जाने में क्रम में रास्ते में उनकी मौत हो गई। सरिया थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए ट्रामा सेंटर भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ जुट गई और परिजन भी गए।

हजारीबाग में आभूषण चोरी के दो मामलों में छह हुए गिरफ्तार

PHOTON NEWS HAZARIBAG : हजारीबाग जिले में आभूषण चोरी से जुड़े दो अलग-अलग मामले में छह अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं। इसमें एक घटना लोहसिंघना थाना क्षेत्र की है, जबकि दूसरी घटना बड़ाबाजार ओपी क्षेत्र की है।

पुलिस ने लोहसिंघाना थाना क्षेत्र में हुई चोरी के मामले में रविवार रात को चार अपराधियों को गिरफ्तार किया। अपराधियों के पास से लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में मो अबुजवा उर्फ समीर, निक्की शर्मा उर्फ तरुण शर्मा, विकास कुमार सोनी और विशु कुमार सोनी को गिरफ्तार किया गया। इन्होंने 28 अक्टूबर को लोहसिंघना थाना क्षेत्र के जादो बाबू चौक निवासी किरण बाला के घर से ताला तोड़कर करीब 40 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर चोरी किए थे। नौ नवंबर की रात को पुलिस ने गांधी स्मारक के पास से तीन संदिग्धों को पकड़ा, जो चोरी की योजना बना रहे थे। पूछताछ में इनकी निशानदेही पर चौथा अपराधी भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक स्कूटी, लगभग 120 ग्राम सोने के जेवरात, करीब 500 ग्राम चांदी के आभूषण और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

दूसरी ओर, बड़ाबाजार ओपी क्षेत्र में हुई चोरी में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी किए गए सोने के आभूषण, नकद राशि और मोबाइल बरामद किया गया है। सोमवार को प्रेसवार्ता में बताया गया कि 5 नवंबर को चतरा बस स्टैंड के पास रहने वाले पुरुषोत्तम यादव के घर से करीब 40 हजार रुपये मूल्य के आभूषण चोरी हुए थे।

ब्रेकअप के बाद प्रेमी ने मांग में भर दिया सिंदूर तालाब में कूद गई युवती

HAZARIBAG : हजारीबाग स्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय कैंपस से सनसनीखेज खबर आई है। यह मामला युवा दिलों के प्यार से जुड़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रांची के एक युवक और यूनिवर्सिटी की एक छात्रा के बीच चार सालों से प्रेम संबंध चल रहा था। इसके बाद चार माह पहले दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद वह शनिवार को यूनिवर्सिटी के कैंपस में आ गया। वहां जैसे ही उसकी प्रेमिका दिखी, उसने छात्रा को रोका और अचानक उसकी मांग में सिंदूर भर दिया। इस हरकत से युवती हतप्रभ हो गई और गुस्से में आकर पास के तालाब में कूद गई। यह देखकर युवक भी उसके पीछे भागा और उसने भी तालाब में छलांग लगा दिया। यह नजारा देख कर वहां अफरातफरी मच गई। सभी शोर मचाने लगे, पूरे कैंपस के छात्र, शिक्षक और कर्मचारी जुट गए। आनन-फानन में दोनों को तालाब से निकाल लिया गया। इस घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन भी सक्रिय हो गया। सूचना मिलते ही धाने से पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस युवक को हिरासत में लेकर थाना ले गई। हालांकि, छात्रा ने कोई अब तक कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

450 लीटर महुआ शराब जब्त 12000 किलो जावा किया नष्ट

छापामारी में जब्त किया गया जावा महुआ

HAZARIBAG : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के आदेश पर सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देशन में सोमवार को अवैध शराब निर्माण व तस्करी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। इसमें चोरदाहा चेकपोस्ट में पदस्थापित उत्पाद कर्मियों ने बिहार राज्य से सटे सीमावर्ती क्षेत्र भगहर पंचायत अंतर्गत ग्राम भगहर झरना ठाकुरटोला में छापेमारी की। इस दौरान अवैध रूप से संचालित महुआ शराब की भट्टियां ध्वस्त की गईं। वहीं, लगभग 12000 किलोग्राम जावा महुआ तथा शराब निर्माण की अन्य सामग्री नष्ट की गईं। इसके अतिरिक्त, लगभग 450 लीटर तैयार महुआ चुलाई शराब को जब्त किया गया। संलिप्त अभियुक्तों की पहचान की जा रही है। इस कार्रवाई में अवर निरीक्षक उत्पाद सुमितेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सैयद बशीरुद्दीन, एंटोनी बागे, उत्पाद आरक्षी अनूप कुमार सिंह तथा सशस्त्र गृहरक्षा वाहिनी के जवान शामिल थे।

नो-एंट्री आंदोलन के पीड़ित परिवारों से मिले मधु कोड़ा

पीड़ित परिवार से हालचाल लेते पूर्व सीएम मधु कोड़ा ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा व पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने सोमवार को चाईबासा सदर प्रखंड के बादुडी गांव पहुंचे और उन पीड़ित परिवारों का हालचाल लिया, जो 27 अक्टूबर को नो-एंट्री के मुद्दे पर आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज में घायल हुए थे। कुछ के परिजन अब भी जेल में बंद हैं। कोड़ा ने कहा कि दिन में नो एंट्री की मांग सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन जनता का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन प्रशासन द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ना निंदनीय और अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का यह कदम गरीब एवं आदिवासी परिवारों के साथ अन्याय है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सभी निर्दोष गिरफ्तार आंदोलनकारियों को तत्काल रिहा किया जाए तथा घायल परिवारों को उचित मुआवजा एवं न्याय दिया जाए। कोड़ा ने आश्वासन दिया कि भाजपा इन पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। इस दौरान गुलशन सुंडी, जयकिशन बिरुली, टाइगर हेंब्रम, स्माइल सिंह दास आदि भाजपा के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

दुर्दशा जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय में नहीं हैं आठ सब्जेक्ट के शिक्षक, कैसे संवरेगा 4894 छात्रों का भविष्य

7 शिक्षकों के भरोसे चल रहा चक्रधरपुर का एकमात्र डिग्री कॉलेज

RAJESHWAR PANDEY, CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर अनुमंडल स्थित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज में शिक्षकों की घोर कमी है। मात्र 7 शिक्षकों के भरोसे 4894 विद्यार्थी अपना भविष्य संवार रहे हैं। कॉलेज में फिजिक्स, मैथमेटिक्स, इंग्लिश, उर्दू, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिकल साइंस, हो और कुड़माली सब्जेक्ट में शिक्षक ही नहीं हैं। इन आठ सब्जेक्ट में शिक्षक नहीं रहने के कारण अध्यनरत छात्रों को पढ़ाई में काफी परेशानी हो रही है। सरकारी डिग्री कॉलेज होने के कारण सुदूरवर्ती क्षेत्र और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी यहां यूजी और पीजी पढ़ाई करते हैं। लेकिन, कॉलेज में शिक्षकों की कमी का असर छात्रों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। यूजी (स्नातक) सत्र 2021-22 में 5343, सत्र 2020-21 में 4822, सत्र 2019-20 में 5556, सत्र 2019-19 में 3981 विद्यार्थी पास करके निकल चुके हैं। चालू सत्र 2022-23 में 4894 विद्यार्थी अध्यनरत हैं। पीजी (स्नाकोत्तर) सत्र 2024-26 के हिंदी विषय में 108, इतिहास में 105, इकोनॉमिक्स में 42, पॉलिटिकल साइंस में 59, एकाउंट्स में 56 कुल 370 विद्यार्थी अध्यनरत हैं।

जेएलएन कॉलेज का जर्जर भवन ● फोटोन न्यूज

वर्षों से उपेक्षा का शिकार है कॉलेज

कॉलेज की बुनियादी सुविधाएं वर्षों से उपेक्षा का शिकार हैं। स्थानीय बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व छात्र लगातार सवाल उठा रहे हैं कि आखिर क्यों इतने महत्वपूर्ण संस्थान की अनदेखी की जा रही है। जनप्रतिनिधियों से लेकर शिक्षा विभाग तक, किसी ने भी कॉलेज के ढांचे को सुधारने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए। लोगों का कहना है कि कॉलेज की मरम्मत और आधुनिकीकरण की योजना बननी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सके।

पांच सालों से कॉलेज का मुख्यद्वार बंद

जवाहरलाल नेहरु कॉलेज की स्थापना वर्ष 1967 में हुई थी, आज अपनी पहचान और अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। पांच दशक से अधिक पुराना यह कॉलेज हजारों छात्रोंको उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने वाला प्रमुख संस्थान रहा है, लेकिन विडंबना यह है कि जिस कॉलेज ने इलाके को अनेक विद्वान, शिक्षक, अधिकारी और समाजसेवी दिए, उसी कॉलेज का मुख्यद्वार, जो कभी चक्रधरपुर शहर की शान हुआ करता था, बंद पड़ा है। सुरक्षा कारणों से बंद मुख्यद्वार की जल्द मरम्मत करने या नया द्वार बनाने की बात हो रही है। छात्र-छात्राओं को मजबूरन कॉलेज में आने-जाने के लिए पीछे के रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता है. यह रास्ता न तो सुरक्षित है और ना ही सुविधाजनक। कॉलेज परिसर में प्रवेश के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। बुनियादी ढांचे की कमी पढ़ाई के माहौल को प्रभावित कर रही है।

शिक्षकों के लिए बार-बार लिखे जा रहे पत्र : प्राचार्य

जवाहरलाल नेहरु कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. श्रीनिवास कुमार ने कहा कि कॉलेज के मुख्य गेट निर्माण और शिक्षकों की व्यवस्था को लेकर कई बार विश्वविद्यालय को पत्र लिख चुके हैं। अब तक संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। बैठक में भी बातें रख चुके हैं। लगातार प्रयास है कि कॉलेज का मुख्य गेट बने। कहा कि मात्र 7 शिक्षकों में कॉलेज को संचालित करने में काफी कठिनाई हो रही है। कॉलेज में फिजिक्स, मैथमेटिक्स, इंग्लिश, उर्दू, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिकल साइंस, हो और कुड़माली विषय में शिक्षक नहीं है. इससे पहले भी स्टाफ कमी को लेकर कई बार विश्वविद्यालय को पत्र लिखा गया है।

कॉलेज में ये शिक्षक कार्यरत

जवाहरलाल नेहरू कॉलेज में सात रेगुलर शिक्षक और सात नन टीचिंग स्टाफ कार्यरत हैं। इसके अलावा दो वोकेशनल शिक्षक, तीन गेस्ट फैकल्टी शिक्षक, 12 आउटसोर्सिंग स्टाफ है। इनमें डॉ. श्रीनिवास कुमार प्रिंसिपल सह हिंदी के शिक्षक हैं। जबकि, डॉ. हरहर प्रधान व प्रो. संजय कुमार बारिक- ओड़िया, प्रो. आदित्य कुमार- दर्शनशास्त्र, प्रो. मो. नजरुल इस्लाम- केमिस्ट्री, प्रो. शाश्वती कुमारी- कॉमर्स और प्रो. मरियनला हांसदा- इतिहास की शिक्षक हैं। वोकेशनल टीचर में सुजीत कुमार मिश्रा और एसपी रावत हैं। गेस्ट फैकल्टी शिक्षक में रेणुका मुर्मू, राजेश कुमार यादव और मालती हैं।

BRIEF NEWS

दिल्ली में प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले राज्यपाल

RANCHI : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने झारखंड के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने उनसे अपने बेटे के विवाह और आशीर्वाद समारोह में शामिल होने का भी अनुरोध किया। प्रधानमंत्री के बाद उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की और उनसे अपने बेटे की शादी और आशीर्वाद समारोह में शामिल होने का आग्रह किया।

रमा खलखो बनीं झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की नई अध्यक्ष

RANCHI : झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की नई अध्यक्ष के रूप में रमा खलखो

की नियुक्ति की गई है। इससे झारखंड कांग्रेस परिवार में हर्ष और उत्साह का माहौल है। उनकी नियुक्ति को एक सशक्त, जुझारू और जमीनी नेतृत्व के रूप में देखा जा रहा है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा के प्रति आभार व्यक्त किया है। पार्टी ने कहा कि उन्होंने राज्य की महिला शक्ति को मजबूत करने के लिए रमा खलखो जैसी कर्मठ नेत्री को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

जीडी गोयनका स्कूल में तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न

RANCHI : जीडी गोयनका स्कूल में खेल भावना और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु तीन दिवसीय सेकंड ओपन इंटर-स्कूल बैडमिंटन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ चेयरमैन मदन सिंह, वाइस चेयरमैन अमन सिंह और प्रिंसिपल डॉ. सुनील कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। रांची के 18 स्कूलों के 153 छात्रों ने भाग लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि अजय नाथ सहदेव ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। डीपीएस स्कूल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि डॉन बॉस्को के जिमी गेराल्ड इक्का को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। स्कूल प्रशासन ने सफल आयोजन के लिए टीम को सराहा।

एसटी स्टूडेंट्स को झारखंड सरकार कराएगी फ्री आवासीय कोचिंग

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार ने राज्य के मेधावी अनुसूचित जनजाति वर्ग के स्टूडेंट्स को इंजीनियरिंग और मेडिकल क्षेत्र में बेहतर अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से झारखंड अनुसूचित जनजाति शिक्षण उत्थान कार्यक्रम की शुरूआत की है। यह कार्यक्रम अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत जेईई और नीट की तैयारी के लिए पूर्णतः निःशुल्क आवासीय कोचिंग दी जाएगी। कोचिंग में चयनित स्टूडेंट्स को विश्वस्तरीय शिक्षण, रहने-खाने की सुविधा, ई-कॉन्टेंट सहित टैबलेट, पुस्तकालय और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

- जेईई और नीट की तैयारी का मिल रहा मौका
- रांची में 300 विद्यार्थियों का चयन कर दी जाएगी सुविधा

योजना की खासियत

- कोचिंग सुविधा पूरी तरह निःशुल्क मिलेगी।
- कुल 300 स्टूडेंट्स का चयन।
- आवासीय कोचिंग हिंदपीढ़ी, रांची स्थित मल्टीपर्पस हॉल-कम-ट्रेनिंग सेंटर में दी जाएगी।
- कार्यक्रम का संचालन मोशन एजुकेशन, कोटा के सहयोग से किया जाएगा।
- टैबलेट, पुस्तकालय और डिजिटल अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
- युवक और युवतियों के लिए अलग छात्रावास।
- अध्ययन सामग्री एवं टैबलेट, पुस्तकालय और डिजिटल अध्ययन संसाधन।

ये है पात्रता

- विद्यार्थी झारखंड राज्य के अनुसूचित जनजाति वर्ग से होना चाहिए।
- आवेदक झारखंड का स्थायी निवासी हो।
- स्टूडेंट के माता-पिता नियमित सरकारी सेवा में न हों।
- जो विद्यार्थी पहले से अन्य सरकारी योजनाओं में कोचिंग प्राप्त कर रहे हैं, वे पात्र नहीं।

जरूरी हैं ये दस्तावेज

जाति प्रमाणपत्र, अंकतालिका आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो।

ऑफलाइन आवेदन

फॉर्म वेबसाइट से डाउनलोड करें या आईटीडीए / जिला कल्याण कार्यालय से प्राप्त करें। दस्तावेज संलग्न कर संबंधित कार्यालय में जमा करें।

आवेदन प्रक्रिया

ऑनलाइन आवेदनः www.jharkhandshikshanut-than.com पर जाकर आवेदन करें और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

इस प्रकार होगा चयन

दस्तावेज सत्यापन और मेरिट/स्क्रीनिंग टेस्ट के आधार पर चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को पोर्टल और विभागीय सूचना माध्यम से रिपोर्टिंग की जानकारी दी जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 19 नवंबर 2025 शाम 5 बजे तक है।

न्यूरो वार्ड में जमीन पर ही हो रहा मरीजों का इलाज

हाईकोर्ट की फटकार के बाद भी नहीं सुधरी रिम्स की व्यवस्था

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स की बदहाल व्यवस्था एक बार फिर चर्चा में है। हाईकोर्ट की फटकार और सुधार के निदेर्शों के बावजूद रिम्स प्रशासन की लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। मरीजों की दुर्दशा और हॉस्पिटल की अव्यवस्था से एक बार फिर सवाल उठ रहे है कि आखिर रिम्स की व्यवस्था कब सुधरेगी। चूंकि अब भी रिम्स में मरीजों को जमीन पर लिटाकर इलाज किया जा रहा है। न्यूरो वार्ड में तो पर्याप्त बेड ही उपलब्ध नहीं है। ऐसे में वहां पर जमीन और गैलरी में मरीजों को इलाज जारी है। प्रबंधन ने पहले हुई गर्वनिंग बॉडी (जीबी(की बैठकों में ये आश्वस्त किया था कि अब न्यूरो में मरीजों का जमीन पर इलाज नहीं किया जएगा। उन्हें दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया जाएगा। इसके बावजूद प्रबंधन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। प्रबंधन ने बताया था कि मरीजों को ज्यादातर दवाएं हॉस्पिटल से उपलब्ध कराई जा रही है। लेकिन, मरीजों के परिजनों को बाहर से दवाएं और जरूरी मेडिकल इक्विपमेंट्स खरीदकर लानी पड़ रही है। इमरजेंसी में भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। जहां पर गंभीर मरीजों के परिजन दवाएं खरीदकर ला रहे है। इससे उनकी जेब पर भी असर पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति रिम्स के ट्रॉमा सेंटर सह सेंट्रल इमरजेंसी की है। जहां कई मॉनिटर अब भी बंद पड़े हैं। इनकी मरम्मत या बदलने की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो सकी है। जिससे कि गंभीर मरीजों की प्रापर तरीके से निगरानी नहीं हो पा रही है।

- बाहर से खरीदकर परिजन ला रहे दवाएं
- बंद पड़े हैं ट्रॉमा सेंटर में आईसीयू के मॉनिटर
- कल होगी ऑब्जर्वर की निगरानी में जीबी की बैठक

मोक्ष वाहन हो गए हैं ब्रेक डाउन

हॉस्पिटल में आधा दर्जन मोक्ष वाहन हैं। जिसमें से 5 मोक्ष वाहन ब्रेक डाउन है। ऐसे में अगर किसी मरीज की इलाज के दौरान रिम्स में मौत हो जा रही है तो उसे मोक्ष वाहन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ऐसे में हालात ये है कि प्राइवेट एंबुलेंस वाले इसका फायदा उठा रहे है। परिजनों से शव ले जाने के नाम पर मुंहमांगा पैसा वसूल रहे है। चूंकि परिजनों के पास इसके अलावा कोई आप्शन ही नहीं है।

बेहतर करने का था निर्देश

झारखंड हाईकोर्ट ने रिम्स की खस्ता हालत को लेकर पहले भी कड़ी नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने पिछले लगातार सुनवाई की। इसके बाद रिम्स प्रशासन को सुधारात्मक कदम उठाने और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए थे। लेकिन हाई कोर्ट की फटकार के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है।

ऑब्जर्वर की निगरानी में ही फिर मीटिंग

हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर की निगरानी में रिम्स गवर्निंग बॉडी की दो बैठकें हो चुकी है। इसके बाद 12 नवंबर को भी रिम्स की गवर्निंग बॉडी की बैठक आब्जर्वर की निगरानी में होने वाली है। इस बैठक में हॉस्पिटल की मौजूदा स्थिति, उपकरणों की खराबी, मरीजों की परेशानी और दवा की आपूर्ति जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बता दें कि हाई कोर्ट ने रिम्स को लेकर दायर पीआईएल की सुनवाई करते हुए जीबी की बैठक आब्जर्वर की निगरानी में कराने का आदेश दिया था।

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने एसआईआर को लेकर की समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

बैठक करते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार व अन्य

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सोमवार को सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों का जायजा लिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई इस बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। समीक्षा बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य के सभी अधिकारियों को आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण को सुविधाजनक बनाने के लिए वर्तमान मतदाता सूची का 2003 की मतदाता सूची के साथ अधिकतम मिलान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों के लिए भारत निर्वाचन आयोग से निर्देश प्राप्त हो गए हैं। मतदाता जितना अधिक 2003 की मतदाता सूची से पैरेंटल मैपिंग कराएंगे, उनके लिए फार्म भरना उतना ही आसान होगा।

के. रवि कुमार ने कहा है कि चुनाव संबंधी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई बीएलओ चुनाव कार्य में आनाकानी करता है, तो उसकी रिपोर्ट विभाग को भेजें तथा निलंबन की प्रक्रिया शुरू कर नया बीएलओ नियुक्त करें। उन्होंने कहा है कि सभी स्तर के अधिकारियों के लिए चुनाव के लिए उन्हें सौंपे गए कार्य को करना अनिवार्य है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने समीक्षा के क्रम में सभी जिलों के मतदाता सूची की मैपिंग की बिंदुवार समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में जमीनी स्तर पर आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को फील्ड विजिट कर मतदाता सूची की मैपिंग की समस्याओं का निरीक्षण करते हुए उसके समाधान एवं कार्य में तीव्रता लाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर की ओर से मतदान केंद्रों के युक्तिकरण के लिए पीपीटी के माध्यम से सभी पदाधिकारियों को जानकारी उपलब्ध कराई गई। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, नोडल पदाधिकारी देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैल की सींग की मार झेलने को तैयार रहे हेमंत सरकार : आदित्य साहू

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री की नजरों में जो बैल है, वह लाखों जनता द्वारा चुना हुआ जन प्रतिनिधि है। आदिवासी समाज का अगुआ है। भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने सोमवार को मुख्यमंत्री के बैल वाले बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बैल गांव,गरीब,किसान की पहचान है। करोड़ों लोगों के पेट भरने में सहयोगी है। लेकिन, बहुत ऐसे लोग होते हैं, जो बैल से काम लेने के बाद उसके महत्व को भूल जाते हैं। मालिक होने का अहंकार सिर चढ़कर बोलने लगता है। अब बैल की सिंह की मार झेलने के लिए हेमंत सरकार तैयार रहे। आदित्य साहू ने कहा कि गांव, गरीब, किसान जनता के लिए बैल ही उपयोगी है, इसलिए आज जनता उसी बैल के साथ खड़ी है। लेकिन आज बैल गुस्से में है, आक्रोशित है और जनता उसी के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी जिसको बैल बोलकर अपमानित करते हैं, वह राज्य का पूर्व मुख्यमंत्री है। आदिवासी समाज का अगुआ है,लाखों जनता का लंबे समय से जन प्रतिनिधि है। उन्होंने कहा कि बैल के अपमान का बदला जनता लेने को तैयार है। जनता लूट और झूठ से ऊब चुकी है। आम आदमी परेशान है।

संवैधानिक व्यवस्था को वोट चोरी के जरिए हाईजैक कर रही भाजपा : के. राजू

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा देश की संवैधानिक व्यवस्था को वोट चोरी के जरिए हाईजैक कर रही है। कांग्रेस पार्टी ने देश के समक्ष वोट चोरी को उजागर किया है। पार्टी के नेता राहुल गांधी ने पूरे सबूत के साथ जाली मतदाता, जोड़े गए जाली मतदाता, हटाए गए आम मतदाता, फर्जी पते सहित सभी की सूची को जनता के बीच रखा है।

यह बातें प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के राजू ने कांग्रेस भवन में सोमवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि हरियाणा में दो करोड़ मतदाताओं में से लगभग 25 लाख फर्जी मतदाता पाए गए हैं। लोकतंत्र में मतदान का अधिकार संवैधानिक अधिकार है जो लोकतंत्र की मजबूती के लिए जनता को दिया गया है। झारखंड में मतदाताओं के बीच इस मुद्दे पर जागरूकता फैलाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमें लगभग 16 लाख आम जनता के हस्ताक्षर संग्रहित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य चुनाव सुधार के लिए भारत निर्वाचन आयोग से पांच मांगों पर कार्रवाई करने को लेकर है। इसमें प्रमुख रूप से स्पष्ट मतदाता सूची फोटो सहित देना ताकि इससे मतदाता, उसके आवास, मतदाता का संपूर्ण विवरण पता चल सके और वोटर लिस्ट को स्कैन किया जा सके। चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया को बंद कर दिया, जिसका मुख्य उद्देश्य भाजपा को मौका देना था। ताकि केंद्रित तरीके से फर्जी मतदाताओं को जोड़ने और कांग्रेस समर्थित मतदाताओं को हटाने एवं एक ही व्यक्ति का अनेक जगहों पर नाम जोड़ना था।

घाटशिला उपचुनाव की सीसीटीवी और वेबकास्टिंग से होगी निगरानी : के. रवि कुमार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को होने वाले उपचुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सोमवार को सभी मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना कर दी गई। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के, रवि कुमार ने सोमवार को इसकी जानकारी दी, जो जिला मुख्यालय में घाटशिला विधानसभा उपचुनाव की मॉनिटरिंग के लिए स्थापित किए गए वेबकास्टिंग सेंटर का निरीक्षण कर रहे थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि घाटशिला उपचुनाव के लिए मतदान मंगलवार, 11 नवंबर को होगा, जिसके लिए आयोग ने चुनाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सभी मतदान कर्मी सोमवार शाम तक अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंच जाएंगे और वहां से रिपोर्ट करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं की गई हैं। सभी मतदान केंद्रों के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसकी निगरानी भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय और आरओ कार्यालय द्वारा वेबकास्टिंग के माध्यम से की जा रही है।

एक्शन झिरी डंप यार्ड पहुंचे अपर प्रशासक, 3.25 लाख मीट्रिक टन कचरे को किया गया डिस्पोज

गीले कचरे की क्वांटिटी बढ़ाने का दिया गया निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत रिंग रोड स्थित झिरी में दो महत्वपूर्ण परियोजनाएं चल रही है। जिसमें 33 एकड़ क्षेत्र में 18 लाख मीट्रिक टन लीगेसी वेस्ट के निष्पादन का कार्य चल रहा है। वहीं दूसरी ओर गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा 150 मीट्रिक टन क्षमता वाले दो सीबीजी प्लांट लगाए जा रहे है। जिसमें एक प्लांट से कचरे से कंप्रेस्ड बायो गैस का उत्पादन भी किया जा रहा है। सोमवार को अपर प्रशासक संजय कुमार ने नगर निगम की टीम के साथ झिरी का निरीक्षण किया। इस दौरान मेसर्स गुरु रामदास कंस्ट्रक्शन के प्रतिनिधियों ने बताया कि अब तक लगभग 3.25 लाख मीट्रिक टन कचरे का निष्पादन किया जा चुका है। इस प्रक्रिया से आरडीएफ, बायो-सॉइल तथा इनर्ट सामग्री तैयार की जा रही है। अपर प्रशासक ने एजेंसी को कार्य में तेजी लाने, निष्क्रिय मशीनों को पुनः चालू करने तथा निर्धारित समयावधि में लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही मेसर्स जोंटा एजेंसी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि खाली किए गए स्थलों पर पुनः कचरा डंप न किया जाए। इंजीनियरिंग शाखा को यह भी निर्देशित किया गया कि कचरे के सुगम परिवहन हेतु पाथवे निर्माण का प्रस्ताव तैयार करें जिससे कि जोंटा के कॉम्पैक्टर वाहनों द्वारा कचरे को सहजता से डंप साइट तक पहुंचाया जा सके। गेल इंडिया द्वारा स्थापित सीबीजी प्लांट का निरीक्षण करते हुए अपर प्रशासक ने नगर निगम स्तर पर एक तकनीकी टीम गठित करने का निर्देश दिया, जो वेस्ट की गुणवत्ता और मात्रा की जांच करेगी। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में निगम द्वारा प्रतिदिन लगभग 55 मीट्रिक टन गीला कचरा गेल को उपलब्ध कराया जा रहा है। अपर प्रशासक ने गीले कचरे की आपूर्ति बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

वेस्ट के जल्द डिस्पोजल पर भी दिया जोर

रन फॉर झारखंड की तैयारी का लिया जायजा

झारखण्ड राज्य के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर 11 से 16 नवम्बर तक शहर भर में विविध सांस्कृतिक और जनसहभागिता आधारित गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में 11 नवम्बर को आयोजित होने वाले रन फॉर झारखंड कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए रांची नगर निगम द्वारा निर्धारित मार्ग और संपर्क पथों की विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। अपर प्रशासक ने मेन रोड और संबंधित मार्गों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों और सुपरवाइजर को सर्वोच्च स्तर की स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ पेयजल और चलंत शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था करने का निर्देश दिया। अपर प्रशासक ने यह भी निर्देश दिया कि पूरे मार्ग पर जल छिड़काव के साथ-साथ मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन से सफाई की जाए।

बेड़ो, लापुंग और इटकी प्रखंड के दिव्यांग प्रतिनिधियों ने की बैठक

RANCHI : सोमवार को प्रखंड कार्यालय परिसर किसान भवन मे बेड़ो, लापुंग और इटकी प्रखंड के सभी दिव्यांग संघों की संयुक्त बैठक हुई। अध्यक्षता जरिया पंचायत के मुखिया कुंवारी खलखो ने की। आगामी दिव्यांगता दिवस 5 दिसंबर को धूमधाम से मनाने का सर्वसम्मत निर्णय लिया गया। बैठक में संगठन के कई पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। अध्यक्ष लालू उरांव, सचिव अशोक महतो, कोषाध्यक्ष सुनीता कुजूर, संयोजक ललिता मिंज सहित नंदलाल शेखर सिंह, सँवना उरांव, राधेश्याम महतो, संजय राम, लालधारी महली, विश्वनाथ उरांव, चेतलाल सिंह, रामलगन महतो, देवदास गिरी, शंभू महतो, बसंत स्वासी और अन्य सदस्य शामिल हुए।

बेड़ो थाना क्षेत्र में मिली लावारिस मोटरसाइकिल, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS RANCHI : थाना क्षेत्र के नरकोपी रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पर इडरी गांव के दरहा मरचा के पास सड़क किनारे खड़ी एक लावारिस मोटरसाइकिल को पुलिस ने बरामद किया है। बरामद बाइक टीवीएस अपाचे (नंबर जेएच-09 बीए-0310) बताई जा रही है। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने जब सड़क किनारे बाइक खड़ी देखी तो शक होने पर उन्होंने तुरंत बेड़ो थाना को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही एएसआई सेम टोप्पनो सशस्त्र बल के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन बाइक मालिक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद पुलिस ने बाइक को जब्त कर थाने लाया। थाना प्रभारी सुजीत कुमार उरांव ने

बताया कि ऑनलाइन जांच में मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन बोकारो जिले के चंदनक्यारी निवासी सजल कुमार के नाम पर पाया गया है। संबंधित पते पर संपर्क करने का प्रयास जारी है।

बीजेपी के लिए घाटशिला बना 'लिटमस टेस्ट', उपचुनावों में नहीं रहा है बेहतर रिकॉर्ड

गढ़ बचाएंगे हेमंत या चम्पाई को मिलेगी संजीवनी ?

घाटशिला उपचुनाव के लिए 11 सितंबर को 300 बूथों पर दो लाख 56 हजार से अधिक मतदाता प्रत्याशियों का भाग्य तय करेंगे। घाटशिला में वैसे तो कुल 13

आनंद कुमार

प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन के बीच है। वैसे जयराम महतो की पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के रामदास मुर्मू तीसरा कोण जरूर बना रहे हैं, और वे चुनाव भले न जीत पायें, लेकिन ग्राउंड रिपोर्ट्स के अनुसार, चौंका जरूर सकते हैं। जयराम महतो ने आखिरी समय में घाटशिला में खूब समय दिया है और वे समीकरणों को प्रभावित कर सकते हैं। अब इससे किस दल को फायदा होगा और किसे नुकसान, यह तो चुनाव परिणाम ही बतायेगा।

घाटशिला में रामदास सोरेन के निधन के कारण उपचुनाव हो रहा है। रामदास सोरेन ने पिछले साल नवंबर में हुए झारखंड विधानसभा के चुनाव में इस सीट पर 22 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की थी। उन्हें 97 हजार से अधिक वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर बाबूलाल सोरेन थे, जिन्हें 75 हजार से ज्यादा वोट हासिल हुए थे। तीसरे नंबर पर रहे जेएलकेएम के उम्मीदवार रामदास मुर्मू ने करीब आठ हजार वोट हासिल किये थे। चुनाव के बाद हेमंत सोरेन की अगुवाई वाला गठबंधन दो-तिहाई से भी ज्यादा बहुमत के साथ सत्ता में आया। हेमंत सोरेन ने लगातार दूसरी बार चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाया और रामदास सोरेन भी हेमंत सोरेन की सरकार में मंत्री बने। लेकिन इसी वर्ष दो अगस्त को वे जमशेदपुर के घोड़ाबांधा स्थित अपने घर के बाथरूम में गिर गये। उन्हें ब्रेन हेमरेज हुआ। दिल्ली में इलाज के दौरान उन्होंने 15 अगस्त को दम तोड़ दिया। और इस कारण एक साल के भीतर घाटशिला सीट पर उपचुनाव हो रहा है। रामदास सोरेन के स्थान पर जेएमएम ने उनके बेटे सोमेश चंद्र सोरेन को प्रत्याशी बनाया है, जबकि भाजपा की ओर से बाबूलाल सोरेन और जेएलकेएम की ओर से रामदास मुर्मू ही फिर एक बार चुनाव मैदान में हैं।

जहां तक झारखंड मुक्ति मोर्चा का सवाल है, उसने इस सीट को जीतने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। उम्मीदवार की घोषणा में भले ही देर हुई, लेकिन उसके बाद पूरी पार्टी और पूरी सरकार घाटशिला में जम गयी। एकदम सुनियोजित और सुव्यवस्थित तरीके से मंत्रियों, विधायकों, सांसदों, पूर्व मंत्रियों और पार्टी के वरीय पदाधिकारियों, सबको उनके काम बांट दिये गये और सबने पूरी शिद्दत और मेहनत से अपने काम को अंजाम दिया। झामुमो इस चुनाव को लेकर कितना गंभीर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं की और चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तक हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने अलग-अलग रोड शो करके चुनावी माहौल को अपने पक्ष में करने का प्रयास किया। हेमंत सोरेन

घाटशिला उपचुनाव

सोमेश चंद्र सोरेन

बाबूलाल सोरेन

के बयानों ने भी चर्चा बटोरी, जहां एक तरफ उन्होंने सोमेश सोरेन को मंत्री नहीं बनाने की वजह बतायी, तो भाजपा उम्मीदवार को 'बैल' की संज्ञा देकर काफी सुर्खियां भी बटोरीं। मुख्यमंत्री ने भाजपा को व्यापारी पार्टी बताने के उनके बयान पर भी काफी सियासी शोरगुल मचा।

जहां तक भाजपा की बात है, भाजपा ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की थी। लेकिन ज्यादातर स्टार प्रचारक सिर्फ खानापूरी करने आये। जहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने सभाओं की झड़ी लगा दी वहीं, भाजपा के स्टार प्रचारक सिर्फ एक बार चेहरा दिखाकर चले गये। यहां तक कि दो-दो पूर्व मुख्यमंत्रियों रघुवर दास और अर्जुन मुंडा ने जमशेदपुर का निवासी होने के बावजूद महज एक-एक कार्यक्रम करके औपचारिकता ही निभाई। भाजपा की तरफ से चुनाव की पूरी कमान अकेले पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने संभाल रखी थी। उपचुनाव की घोषणा के पहले से ही उन्होंने अपने बेटे बाबूलाल सोरेन के साथ घाटशिला में चुनावी तैयारी शुरू कर दी थी।

माना जा रहा है कि यह चुनाव चम्पाई सोरेन की साख और उनके बेटे के राजनीतिक भविष्य का फैसला करनेवाला साबित हो सकता है। चम्पाई झारखंड की 28 एसटी रिजर्व सीटों पर भाजपा के अकेले विधायक हैं। घाटशिला से यदि वे अपने बेटे बाबूलाल सोरेन को जिता लेते हैं तो पार्टी में उनका कद बढ़ेगा। लेकिन हार हुई, तो उनकी हैसियत घटेगी और उनके बेटे का राजनीतिक करियर दांव पर लग जायेगा। यही कारण है कि चम्पाई सोरेन ने हर वो दांव इस उपचुनाव में आजमाया है, जो उन्हें फायदा दे सके। चाहे वह चाईबासा में आदिवासियों पर लाठीचार्ज हो अथवा बांग्लादेशी घुसपैठ और डेमोग्राफी बदलने का मुद्दा। कुम्हारों को अनुसूचित जाति का दर्जा दिलाने का वादा हो या हेमंत सोरेन के बैल वाले बयान पर मीडिया के सामने आंसू बहाना। चम्पाई ने हर वो दांव खेला है, जो जनता की सहानुभूति को उनके बेटे के पक्ष में मोड़ सके। लेकिन सवाल ये है कि भाजपाई उनका कितना साथ देते हैं।

इस चुनाव में पूरा जेएमएम एक यूनिट की तरह लड़ा है। क्योंकि, वहां एक व्यक्ति ही सर्वेसर्वा है और उसका आदेश पत्थर की लकीर है। उसमें किंतु-परंतु की गुंजाइश नहीं, लेकिन भाजपा में नेतृत्व के कई स्तर हैं और सभी में तालमेल बिठा पाना ही अपने-आप में एक बड़ी समस्या है। चम्पाई सोरेन ने मेहनत बहुत की है। दिन-रात एक करके गांव-गांव घूमे हैं। पिछले चुनाव में उनके बेटे बाबूलाल सोरेन को 75 हजार से ज्यादा वोट आये थे, जो घाटशिला के चुनावी इतिहास में किसी भी भाजपा प्रत्याशी को मिले सर्वाधिक वोट थे। फिर भी उनकी हार का अंतर 22 हजार से अधिक था। क्या भाजपा इस अंतर को पाट कर जीत दर्ज पायेगी, ये एक बड़ा सवाल है।

जहां तक उपचुनावों का प्रश्न है, भाजपा का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। अलग झारखंड राज्य के 25 वर्षों के इतिहास घाटशिला से पहले 23 उपचुनाव हो चुके हैं और भाजपा को सिर्फ तीन बार जीत हाथ लगी है। साल 2019 में हेमंत सोरेन के सत्ता में आने के बाद सात सीटों - दुमका, बेरमो, मधुपुर, मांडर, रामगढ़, डुमरी और गांडेय में हुए उपचुनावों में भाजपा को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली है। घाटशिला का उपचुनाव जहां जेएमएम के लिए अपनी सीट वापस लेने का मौका है वहीं भाजपा के लिए उपचुनावों में अपने लचर प्रदर्शन को बेहतर करने का अवसर है।

घाटशिला उपचुनाव का परिणाम चाहे जिसके भी पक्ष में जाये, उससे सत्ता संतुलन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हेमंत सोरेन की सरकार तब भी बहुमत के साथ चलती रहेगी। लेकिन, हेमंत सोरेन के लिए यह उपचुनाव अपने राजनीतिक आधार को और मजबूत करने का मौका है, वहीं चम्पाई सोरेन के लिए यह अपने बेटे की साख और खुद की स्थिति दोनों को साबित करने की जंग है। नतीजा जो भी निकले, लेकिन घाटशिला की ये लड़ाई यह जरूर तय करेगी कि झारखंड की राजनीति में आगे की राह किस ओर मुड़ने वाली है – जनता के जनादेश से हेमंत का गढ़ और मजबूत होगा या भाजपा और चम्पाई को राजनीतिक संजीवनी मिलेगी।

समाचार सार

अरुण मूंधड़ा बने झारखंड अंडर-19 टीम के मैनेजर

CHAIBASA : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोशिएशन ने चाईबासा के अरुण मूंधड़ा को बीसीसीआई की कूचबिहार ट्रॉफी के लिए झारखंड अंडर-19

टीम का मैनेजर नियुक्त किया है। अरुण मूंधड़ा पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के साथ-साथ झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के भी आजीवन सदस्य हैं। पूर्व क्रिकेटर रहे अरुण मूंधड़ा लंबे समय तक पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव रहे हैं। यह दूसरा अवसर है जब उन्हें झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने जिम्मेदारी सौंपी है। अरुण मूंधड़ा 13 नवंबर को रांची से हवाई मार्ग द्वारा राजकोट के लिए रवाना होंगे, जहां झारखंड का पहला मैच 16 नवंबर से सौराष्ट्र में होना है। लगभग एक माह तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में पश्चिमी सिंहभूम के दो खिलाड़ी साकेत कुमार सिंह व गौरव सिंह भी शामिल हैं।

बिरसा मुंडा स्मारक का हुआ जीर्णोद्धार

CHAIBASA : चाईबासा के सुफलसाई चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा

स्मारक का जीर्णोद्धार कर लिया गया है। वर्षों पूर्व अधिष्ठापित प्रतिमा आंशिक रूप से खंडित हो गई थी। उपायुक्त के आग्रह पर रुंगटा माइंस लिमिटेड ने इसका सौंदर्यीकरण कराया। प्रतिमा का निर्माण चक्रधरपुर के शिल्पकार सुधीर पाल ने किया है।

बाल मेला के लिए हुआ भूमिपूजन

JAMSHEDPUR : साकची स्थित बोधि मंदिर मैदान में 14 से 20 नवंबर

तक होने वाले बाल मेला का भूमिपूजन सोमवार को हुआ। स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट व नेचर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले आयोजन का भूमिपूजन ट्रस्ट के ट्रस्टी आशुतोष राय ने किया। पं. विनोद पांडेय ने पूजा-अर्चना कराई, जिसमें जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय भी शामिल थे। इसके साथ ही वहां पंडाल एवं अन्य निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है।

स्वदेशी जागरण मंच ने शुरू किया हस्ताक्षर अभियान

JAMSHEDPUR : स्वदेशी जागरण मंच, जमशेदपुर महानगर ने मंच के

संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती पर स्वदेशी संकल्प दिवस मनाते हुए हस्ताक्षर अभियान शुरू किया। साकची गोलचक्कर पर इसकी शुरूआत जिला संयोजक राजपति देवी के नेतृत्व में हुई, जिसमें लोगों से हस्ताक्षर कराकर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मंच के राष्ट्रीय परिषद सदस्य मनोज कुमार सिंह, प्रांत के विचार विभाग प्रमुख डॉ. जटाशंकर पांडेय व डॉ. अनिल राय ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

ठेका कंपनी के ऑफिस पर बदमाशों का धावा, फायरिंग कर 10 लाख लूटे

हथियार के बल पर स्टाफ को कब्जे में लिया, मजदूरों के पेमेंट के लिए रखी थी रकम

PHOTON NEWS JSR : बिरसानगर के जोन नंबर-11 में केनरा बैंक के पास टाटा मोटर्स के एक ठेकेदार के ऑफिस से 10 लाख रुपये की लूट हो गई। बताया जाता है कि सोमवार को दोपहर करीब 2 बजे हथियारों से लैस तीन बदमाश ऑफिस में घुसे और लूट की घटना को अंजाम देने के बाद दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग करते हुए बाइक पर सवार होकर निकल गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। डीएसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस आने जाने वालों पर नजर रख रही है और बदमाशों का पता लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, जिस पीकेएस इंटरप्राइजेज के ऑफिस में लूट हुई है, वह टाटा मोटर्स में लेबर सप्लाई करती है। शनिवार और रविवार को वह लेबर पेमेंट करते हैं। सोमवार को लेबर पेमेंट की तैयारी चल रही थी, तभी बाइक सवार तीन बदमाश वहां पहुंचे और एक महिला कर्मी पर पिस्टल तान दी। महिला कर्मी के पास लेबर को देने के लिए जो रुपये थे, वह ले लिए। तब बदमाश अंदर दफ्तर में बैठे हुए वेंडर एपी सिंह के पास गए और वहां से सारे रुपये लूट लिए। महिला कर्मी ने पुलिस को बताया कि सारे रुपये लिफाफे में रखे हुए थे। यह लेबर के लिफाफे थे। सभी लिफाफों पर लेबर का नाम लिखा हुआ था। 129 से अधिक मजदूरों का पेमेंट किया जाना था। अपराधियों ने ऑफिस में घुसते समय भी हवाई फायरिंग की और स्टाफ को बंदूक दिखाकर धमकाया था। दफ्तर के सीसीटीवी कैमरे कई दिनों से खराब हैं। इस वजह से पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। कार्यालय के स्टाफ ने बताया कि बदमाश चेहरा नहीं ढंके थे। वे खुलेआम धमकी देकर लूटपाट कर रहे थे। स्टाफ का कहना है कि जो बदमाश लूटपाट करने आए थे उन्हें उन लोगों ने कार्यालय के आसपास कभी नहीं देखा है।

सीसीटीवी फुटेज से की जा रही पहचान

घटना का सीसीटीवी फुटेज

घटना के बाद आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरों में आरोपी बाइक सवार दिखाई दिए हैं। फुटेज के आधार पर पुलिस उनकी पहचान करने की कोशिश कर रही है। सूचना मिलते ही बिरसानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल पर जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि अपराधियों की तलाश में टीमों को सक्रिय कर दिया गया है और जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद है।

अवैध पिस्टल के साथ बाइक सवार धराया, भेजा गया जेल

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के मुख्यालय चाईबासा में पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि सरायकेला की ओर से एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर चाईबासा की ओर आ रहा है। सूचना की सत्यापन के लिए मुफस्सिल थाना से छापामारी दल का गठन किया गया और टोन्टो पुलिया के पास जांच शुरू की गई। इसी दौरान बाइक सवार एक व्यक्ति को अवैध देसी लोडेड पिस्टल के साथ पकड़ा गया। वैध कागजात नहीं होने पर पिस्टल को जब्त कर लिया गया। वहीं, रमेश दास (44) नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पकड़ा गया व्यक्ति मुफस्सिल थाना के ग्राम गुटूसाई तुरी टोला का रहने वाला है। पुलिस ने आमजनों से अपील की है कि किसी भी अपराध के संबंध में जानकारी होने पर नजदीकी पुलिस स्टेशन या डायल 112 के माध्यम से सूचना दे सकते हैं। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

मानगो में तंगी से परेशान कार चालक ने की खुदकुशी

JAMSHEDPUR : मानगो थाना क्षेत्र के ओल्ड सुभाष कॉलोनी में रविवार को देर रात एक कार चालक ने अपने ही कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतक 42 वर्षीय अभिजीत घोष है। वह पेशे से कार ड्राइवर था। परिवार के लोगों ने बताया कि अभिजीत लंबे समय से आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव में था। उसके कार लोन की लगभग 18 हजार रुपये की किस्त बाकी थी। इस वजह से वह लगातार परेशान रहता था। मृतक के ससुर असित भट्टाचार्य ने बताया कि अभिजीत को नशे की लत थी। इस वजह से भी वह अक्सर तनाव में रहता था। रविवार को वह लोकल ऑर्डर पर कार लेकर निकला था। देर शाम घर लौटने के बाद कमरे का दरवाजा बंद कर फंदे पर लटक गया। परिजनों ने जब दरवाजा तोड़ा, तो अभिजीत फंदे से लटक रहा था। तुरंत उसे एमजीएम अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

पोस्टमॉर्टम हाउस में मृतक के परिजन

प्राकृतिक आहार शिविर के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने साझा किए अनुभव

JAMSHEDPUR : ब्रह्माकुमारीज के सोनारी में मेरीन ड्राइव स्थित यूनिवर्सल पीस पैलेस में चल रहा पांच दिवसीय प्राकृतिक आहार प्रणाली शिविर सोमवार को संपन्न हो गया। ब्रह्माकुमारीज की कोल्हान निदेशक अंजू दीदी ने बताया कि अंतिम दिन 90 प्रतिशत प्रतिभागियों ने, जो पहले दिन बहुत संशय और भय में थे कि बिना पका खाना, सूरज की ऊर्जा से बना भोजन और एनीमा जैसी प्राकृतिक प्रक्रिया से क्या परिणाम आएंगे, उसे अपने जीवन का सच्चा वरदान बताया। ऑस्ट्रेलिया से आई शिखा अरोड़ा ने बताया कि पहले दिन उन्हें बहुत भय, सिरदर्द और बेचैनी थी और वापस जाने की सोच रही थीं, पर आज पांचवें दिन मैं पूरी तरह हल्की और निश्चिंत महसूस कर रही हूं। इसी प्रकार उदयपुर से आईं 70 वर्षीय प्रेमलता राजपाल, जो पहले दिन चल भी नहीं पा रही थीं और सीढ़ियां चढ़ने में कठिनाई थी, आज वे सहजता से चल रही थीं।

सोनारी एयरपोर्ट के विस्तार में चली जाएगी सड़क, विरोध में उतरे लोग

PHOTON NEWS JSR : टाटा स्टील, सोनारी स्थित एयरपोर्ट का विस्तार करने जा रही है। इसके लिए एयरपोर्ट के उत्तर और दक्षिण की छोर की सड़कें इसमें समा जाएंगी। उत्तर दिशा में मौजूद मैदान भी एयरपोर्ट में चला जाएगा। टाटा स्टील की एयरपोर्ट विस्तारीकरण योजना का व्यापक विरोध हो रहा है।

इसे लेकर सोमवार को विधायक सरयू राय भी बस्तीवासियों के प्रदर्शन में पहुंचे। सरयू राय का कहना है कि अगर टाटा स्टील अपनी इस योजना को धरातल पर उतार देगा तो आम लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। सोनारी के लोग सर्किट हाउस एरिया से कट जाएंगे, इसीलिए लोगों में आक्रोश है। सरयू राय ने बताया कि वह जल्द ही टाटा स्टील यूआईएसएल के अधिकारियों से मिलेंगे और उनकी योजना के बारे में समझेंगे। इसके बाद ही इस मसले पर आगे कदम उठाया जाएगा। गौरतलब है कि राज्यसभा के पूर्व सदस्य प्रदीप बलमुचू भी इस मामले में विरोध जता चुके हैं।

समर्थकों के साथ प्रदर्शन स्थल पर जाते विधायक सरयू राय ● फोटोन न्यूज

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव | जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम वाले वाहनों से निकले मतदानकर्मी, कंट्रोल रूम से हुई रीयल टाइम निगरानी

सभी तीन सौ केंद्रों पर पहुंची पोलिंग पार्टियां, सुरक्षाबल भी चौकस

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने घाटशिला विधानसभा उपचुनाव 2025 के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली है। सोमवार को जमशेदपुर स्थित को-ऑपरेटिव कॉलेज में बनाए गए डिस्पैच सेंटर से मतदान दलों को जरूरी मतदान सामग्री और दस्तावेजों के साथ उनके मतदान केंद्रों के लिए भेजा गया। 300 पोलिंग पार्टियां रवाना हुई हैं। सभी पोलिंग पार्टियां घाटशिला पहुंच गई हैं।

मतदान दलों की गतिविधियों की निगरानी के लिए प्रशासन ने सभी वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम लगाया है। इससे जिला नियंत्रण कक्ष में रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी और मतदान दलों की आवाजाही पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। जीपीएस सिस्टम के जरिए जिला प्रशासन जमशेदपुर स्थित कंट्रोल रूम से मतदान कर्मियों के दलों पर निगरानी रखेगा, ताकि वे निर्धारित स्थल पर ही ठहरें। कहीं इधर-उधर न चले जाएं। डिस्पैच स्थल पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी, वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय और पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ऋषभ गर्ग ने व्यवस्था का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मतदान कर्मियों से बात करते हुए कहा कि चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश का पूरी सख्ती से पालन किया जाए और मतदान शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जाए। डिस्पैच स्थल पर सामान्य प्रेक्षक राखी विश्वास भी मौजूद थीं। उन्होंने माइक्रो-ऑब्जर्वर, सेक्टर पदाधिकारी और पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को किसी तरह की परेशानी न हो। दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा, मतदान केंद्रों की सुगम पहुंच और मतदान प्रक्रिया की सतत निगरानी पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि सेक्टर पदाधिकारी लगातार फील्ड में सक्रिय रहेंगे और किसी भी शिकायत या गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत जिले के कंट्रोल रूम को सूचना देंगे। साथ ही मतदान सामग्री की समय पर वापसी के लिए भी उचित व्यवस्था की गई है। वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय ने कहा कि संवेदनशील और अति-संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। साथ ही जिला और अनुमंडल स्तरीय क्विक रिस्पॉन्स टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी असामाजिक तत्व को माहौल बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी और प्रशासन भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करेगा। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि हर मतदाता बिना किसी दबाव या डर के अपना मतदान कर सके और लोकतांत्रिक प्रक्रिया गरिमा के साथ पूरी हो।

आज शाम 5 बजे तक बंद रहेंगी शराब की दुकानें

घाटशिला (अ.ज.जा) उपचुनाव का मतदान 11 नवंबर को निर्धारित है। इसके मद्देनजर मंगलवार को पूरे घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में ड्राई डे रहेगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी द्वारा जारी आदेश के तह मंगलवार को भी शाम 5 बजे तक पूरे क्षेत्र में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा।

पोलिंग स्टेशन की तरफ जाते मतदानकर्मी ● फोटोन न्यूज

यहां बनाए गए हैं पिंक बूथ

- बूथ संख्या 32 - अपग्रेडेड हाईस्कूल बनकांटी, ईस्ट पार्ट
- बूथ संख्या 33 - अपग्रेडेड हाईस्कूल बनकांटी, वेस्ट पार्ट
- बूथ संख्या 59 - प्राइमरी स्कूल प्रखंड मुख्यालय घाटशिला रूम नंबर 1
- बूथ संख्या 60 - प्राइमरी स्कूल प्रखंड मुख्यालय घाटशिला रूम नंबर 2
- बूथ संख्या 62 -सचिवालय धर्मबहाल पंचायत।

इन बूथों पर सिर्फ महिला मतदान कर्मी के अलावा महिला सुरक्षा करीना को ही तैनात किया गया है। साथ ही विधानसभा क्षेत्र में 36 पर्दानशीं बूथ बनाए गए हैं। इसमें घाटशिला प्रखंड में 19, धालभूमगढ़ प्रखंड में 6, गुड़ाबांधा में 1 एवं मुसाबनी में 10 बूथ है।

13 में नौ प्रत्याशी पहली बार जनता के बीच

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव इस बार पूरी तरह नए समीकरण गढ़ रहा है। चुनावी मैदान में कुल 13 प्रत्याशी हैं, जिनमें से नौ पहली बार जनता के बीच हैं। करीब 70 फीसदी नए चेहरों की मौजूदगी से मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। पहली बार चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों में ज्यादातर सामाजिक कार्यों से जुड़े हुए हैं।

बाबूलाल सोरेन (भाजपा)
सोमेश चंद्र सोरेन (झामुमो)
रामदास मुर्मू (जेएलकेएम)
पार्वती हांसदा (पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया-डेमोक्रेटिक)
पंचानन सोरेन (भारत आदिवासी पार्टी)
परमेश्वर टुडू
श्रीलाल किस्कू
मानस राम हांसदा
नारायण सिंह
विकास हेम्ब्रम
बसंत कुमार टोपनो
मनोज कुमार सिंह
रामकृष्ण कांती महली

जुगसलाई में चलती कार में लगी आग मची अफरा-तफरी

JAMSHEDPUR : जुगसलाई के टाटा पिगमेंट्स कंपनी गेट (रंग गेट) के पास सोमवार शाम अचानक एक चलती कार में आग लग गई। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग कार की आग बुझाने दौड़े। ड्राइवर कार से जल्दी से बाहर निकला। कार का नंबर खल05 ऊख 0907 बताया जा रहा है, जो किशोर प्रेस से संबंधित बताई जा रही है। लगभग शाम 5.15 बजे कार में धुआं निकलने के बाद अचानक पूरी कार आग की लपटों में घिर गई। इलाके के लोगों ने फौरन फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग लगने के सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद आसपास के इलाकों से लोग बड़ी संख्या में वहां जमा हो गए।

BRIEF NEWS

जिला प्रशासन ने भ्रामक पोस्ट का किया खंडन

SARAN : सारण छपरा बाजार समिति स्थित सारण वज्रगृह में लगे सीसीटीवी कैमरे के कुछ देर के लिए बंद होने की वायरल खबर पर सारण जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए सोशल मीडिया पर प्रचारित वीडियों और पोस्ट का खंडन किया है. जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी सारण ने इस पूरे मामले पर विस्तृत रिपोर्ट जारी किया है। दरअसल, 9 नवंबर को परसा विधानसभा से महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी डॉ. करिश्मा राय के फेसबुक सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो साझा किया गया था जिसमें यह दावा किया गया कि सारण जिले के स्ट्रांग रूम में लगे सीसीटीवी कैमरे कुछ देर के लिए बंद कर दिए गए थे जिससे सुरक्षा को लेकर संदेह उत्पन्न हुआ।

अनाथ आश्रम से दो बच्चे लापता, दर्ज किया गया मामला

ROHTAS : गोहाना रोड स्थित अनाथ आश्रम से दो बच्चे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और इस बारे में पता किया। पुलिस के अनुसार आश्रम के वार्ड अजीत ने बताया कि देर रात विनय निवासी खरावड़ और पप्पू संदिगध परिस्थितियों में लापता हो गए। दोनो बच्चों की कई जगह तलाश की गई, लेकिन उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस ने इस संबंध में वार्डन की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही पुलिस आसपास लगे सीसीटी फूटेज भी खंगालने में जुटी है। पुलिस का कहना है कि बच्चों की तलाश के लिए संबंधित स्थानों पर दबिश दी जा रही है, जिन्हे जल्द सहकुशल तलाश कर लिया जाएगा। पुलिस ने बच्चों की तलाश के लिए कई स्थानों पर सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली है और इस बारे में अन्य बच्चों से भी पूछताछ की हैं।

अलग-अलग हादसों में एक महिला व युवक की मौत

ROHTAS : जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में एक महिला सहित दो की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया। पुलिस के अनुसार गांव खरावड स्थित एक फैक्ट्री में काम करने वाला कमल शाम को डयूटी समाप्त होने के बाद शादी समारोह में गांव गांधरा गया था और जब वह वापिस घर आ रहा था तभी आईएमटी चौक के पास अधेंरा ज्यादा होने के कारण सडक किनारे खड़ी ट्राली से मोटरसाइकिल टकरा गई, जिससे कमल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद काफी संख्या में राहगीर मौके पर एकत्रित हो गए और घायल को उपचार के लिए पीजीआई में भर्ती कराया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर परिजन पीजीआई पहुंचे और शव की शिनाख्त की। पुलिस ने इस संबंध में परिजनों के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर लगाए आरोप, कहा-

चुनावी प्रक्रिया में दखल देने वालों को चुकानी पड़ेगी भारी कीमत

AGENCY PATNA : बिहार में महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को चुनाव आयोग और केन्द्र सरकार पर आरोप लगाते हुए चिंता भी जताई है। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि दूसरे चरण की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बिहार में बड़ी संख्या में केंद्रीय या अन्य अर्धसैनिक बलों की कंपनियां तैनात की जा रही हैं और उनमें से अधिकांश भाजपा शासित राज्यों से आ रही हैं। राजधानी पटना में एक पत्रकार वार्ता के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के दूसरे चरण के मतदान से पहले सुरक्षा-निगरानी व्यवस्था में बड़े असंतुलन और संभावित दखल के संकेत मिल रहे हैं। अगर सत्ता पक्ष ने चुनावी प्रक्रिया में दखल देने की कोशिश की, तो उसकी बड़ी कीमत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुकानी पड़ेगी।

तेजस्वी ने चुनाव आयोग पर भी यह आरोप लगाया कि पहले चरण के मतदान के चार दिन बाद भी लिंग-अनुपात वाले वोटर आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उल्लंघन है। उन्होंने आयोग से पारदर्शिता और तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की और चेतावनी दी कि अगर चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई, तो विपक्ष इसे मानने को तैयार नहीं रहेगा। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि दूसरे चरण की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बिहार में बड़ी संख्या में केंद्रीय या अन्य अर्धसैनिक बलों की कंपनियां तैनात की जा रही हैं और उनमें से अधिकांश भाजपा शासित राज्यों से आ रही हैं।

विपक्ष ने चुनाव प्रचार के दौरान एसआईआर और 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के बारे में फैलाई अफवाह : विजय चौधरी

PATNA : बिहार सरकार के जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने सोमवार को विपक्ष पर मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' को लेकर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। राजधानी पटना स्थित जनता दल यूनाइटेड (जदयू) कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के पूरे प्रचार अभियान के दौरान दो मुख्य बातें उभर कर सामने आई। पहली बात तो यह कि विपक्ष का पूरा प्रचार झूठ और छल पर आधारित था। रमुख्यमंत्री महिला रोजगार योजनार को लेकर अफवाहें फैलाई गई कि सरकार महिलाओं के दिए गए दस हजार रुपये बाद में वापस ले लेगी। इसी प्रकार विपक्ष ने बिना किसी ठोस सबूत या उदाहरण के एसआईआर और वोट चोरी का मुद्दा उठाने का दुस्साहस दिखाया है। विजय चौधरी ने कहा कि दूसरी ओर

»» चुनाव में केंद्रीय बलों की तैनाती पर सियासी बवाल

»» लिंग-अनुपात मतदाता डाटा नहीं किया गया सार्वजनिक

20 वर्षों के लगातार शासन के बावजूद बिहार के किसी भी कोने से सरकार या मुख्यमंत्री के खिलाफ एक भी आवाज नहीं सुनी गई। यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। नीतीश कुमार देश के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिनकी लोकप्रियता उनके कार्यकाल के साथ-साथ बढ़ी है और आज वे 2010 से भी ज्यादा लोकप्रिय हैं। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि विपक्ष अपने बेसुरा स्वर में चाहे जो भी कहे, जनता ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सुर में सुर मिला दिया है।

पश्चिम चंपारण में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर जिला प्रशासन ने दो पर दर्ज की एफआईआर

AGENCY BETTIAH : पश्चिम चंपारण जिला प्रशासन ने चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के दो अलग-अलग मामलों में कड़ी कार्रवाई करते हुए कांग्रेस और भाजपा, दोनों दलों के प्रत्याशियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पहला मामला चनपटिया विधानसभा क्षेत्र के मनुआपुल थाना क्षेत्र का है, जहां उड़नदस्ता दल प्रभारी एवं अंचलाधिकारी चनपटिया के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी वसी अहमद को बिना अनुमति के निर्धारित मार्ग से बाहर जुलूस निकालते हुए पाया गया। वसी अहमद लगभग 100 वाहनों के काफिले और हजारों समर्थकों के साथ छावनी की ओर से मनुआपुल चौक तक पहुंचे। जांच के दौरान उन्होंने एक अनुज्ञप्ति प्रस्तुत की जो अनुमंडल कार्यालय बेतिया के

ज्ञापांक 439/25 दिनांक 08.11.25 के तहत जारी थी, जिसमें लालसरैया चौक से हरिवाटिका चौक तक रैली की अनुमति दी गई थी। अनुमति की सीमा से आगे बढ़कर जुलूस निकालना आचार संहिता और विधि-व्यवस्था दोनों का उल्लंघन माना गया। इस संबंध में मनुआपुल थाना कांड संख्या 203/25 दिनांक 09.11.25 दर्ज की गई है। वसी अहमद एवं उनके समर्थकों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223/174 तथा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की सुसंगत धारा के तहत मामला दर्ज की गई है। दूसरा मामला बगहा अनुमंडल क्षेत्र का है, जहां अंचल कार्यालय बगहा-01 में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी विक्रान्त कुमार ने भाजपा की रैली के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। अनुमंडल कार्यालय बगहा से निर्गत ज्ञापांक 1175 गो/दिनांक 09.11.25 के अनुसार अमरेश कुमार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक रैली निकालने की अनुमति दी गई थी, किंतु रैली दोपहर 2 बजकर 16 मिनट तक जारी रही। यह स्पष्ट रूप से निर्वाचन आचार संहिता का उल्लंघन है। इस मामले में बगहा थाना कांड संख्या 318/25 दिनांक 09.11.25 दर्ज की गई है तथा एसआई प्रमोद कुमार को जांच का दायित्व सौंपा गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि चुनाव के दौरान आचार संहिता के पालन में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी द्वारा नियमों का उल्लंघन करने पर तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

पीठासीन पदाधिकारियों के साथ ब्रीफिंग बैठक में दिए गए निर्देश

ARARIA : बिहार विधानसभा चुनाव को निर्भीक,निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-जिलाधिकारी अनिल कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार द्वारा जिले के सभी डिस्पैच सेंटरों पर संयुक्त रूप से पीठासीन पदाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन कार्य को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक निर्देश दिये गये।अलग अलग विधानसभा के लिए अलग अलग स्थानों पर बने डिस्पैच सेंटर पर यह ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी पीठासीन और पुलिस पदाधिकारियों को किसी तरह की मतदान कार्य में लापरवाही न बरतने का सख्त निर्देश दिया।

सारण जिले में मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की हुई मौत

AGENCY PATNA : बिहार में सारण जिले के अकिलपुर थाना क्षेत्र के मानस नया पानापुर -42 पट्टी गांव में इंदिरा आवास योजना से बना एक पुराना मकान अचानक भरभरा कर गिर पड़ा। इस मलबे में सोते हुए एक परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 32 वर्षीय बबलू खान, उनकी पत्नी 30 वर्षीय रौशन खातून, 12 साल की बेटी रुकसार, 10 साल का बेटा मोहम्मद चांद और सबसे छोटी दो साल की चांदनी शामिल हैं। रात का खाना खाकर परिवार हर रोज की तरह सोया था। मकान गिरते ही आसपास के लोग दौड़े आए। चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत हाथों से मलबा हटाना शुरू किया। किसी ने पुलिस

को फोन किया। मौके पर पहुंची अकिलपुर पुलिस ने भी बचाव कार्य में जुट गई, लेकिन जब तक शव बाहर निकाले गए, सभी ने दम तोड़ दिया था। एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वरीय पुलिस अधीक्षक-सारण कुमार आशीष ने बताया कि रविवार को रात्रि लगभग 09:30 बजे थाना अकिलपुर अंतर्गत ग्राम मानस में एक अत्यंत दुखद घटना घटित हुई, जिसमें एक ही परिवार के पांच सदस्यों की दर्दनाक मृत्यु हो गई । घटना की सूचना थाना अकीलपुर को रात्रि लगभग 9:45 बजे प्राप्त हुई, जिसके उपरांत पुलिस बल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया।

सारण जिले के सोनपुर मेला में गूंजी एसएसबी बैंड की देशभक्ति धुन

SARAN : सारण विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला जो अपनी पशु बाजार और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है आज शौर्य और देशभक्ति के एक अनूठे संगम का गवाह बना। मेला के मुख्य सांस्कृतिक मंच पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों के बैंड ने एक शानदार और ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुति देकर दर्शकों के दिलों में देशप्रेम की भावना भर दी। सीमाओं की रक्षा करने वाले हमारे सच्चे नायकों को आज एक अलग अंदाज में देखने का अवसर मिला। बैंड कमांडर के एक संकेत के साथ ही बैंड ने ड्रम रोल के साथ एक धीमी गंभीर धुन शुरू की जिसने तुरंत ही एक गहन देशभक्ति का माहौल बना दिया।

भागलपुर जिले के 7 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान की तैयारी पूरी, मैदान में 82 प्रत्याशी

AGENCY BHAGALPUR : जिले के 7 विधानसभा सीट पर दूसरे चरण के तहत 11 नवंबर को मतदान होना है। चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी बूथों पर मतदान कर्मी और सुरक्षा कर्मी पहुंच चुके हैं। उल्लेखनीय है कि सात विधानसभा सीटों पर इस बार 82 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। इस बार का चुनाव भी जाति और विकास के इर्द-गिर्द घूमता दिख रहा है। हालांकि मतदाताओं का रुझान ही तय करेगा कि बाजी कौन मारेगा। इस बार भागलपुर जिले में 82 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। कुल 22,30,208 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिसमें पुरुष मतदाता 11,49,215, महिला मतदाता, 10,80,912,

थर्ड जेंडर मतदाता 81 हैं। भागलपुर विधानसभा में मुख्य मुकाबला कांग्रेस के अजीत शर्मा और भाजपा के रोहित पांडेय के बीच है। दोनों ही प्रत्याशी अपनी जीत के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। 2020 में भी यही मुकाबला हुआ था, जिसमें अजीत शर्मा ने 1130 मतों से जीत दर्ज की थी। इस बार जन सुराज के अभय कांत झा तीसरे कोण के रूप में मैदान में हैं। बसपा की रेखा दास समेत कुल 12 प्रत्याशी मैदान में हैं। पीरपैंती विधानसभा में इस बार भी भाजपा और राजद के बीच सीधी टक्कर है। भाजपा ने मौजूदा विधायक ललन कुमार का टिकट काटकर मुरारी पासवान पर भरोसा जताया है। वहीं राजद ने एक बार फिर रामविलास पासवान को मैदान में उतारा है। 2020 में भाजपा ने राजद को मात दी थी।

बिहार विस चुनाव

भरोसे की राजनीति ने पलटा दशकों पुराना जातीय समीकरण

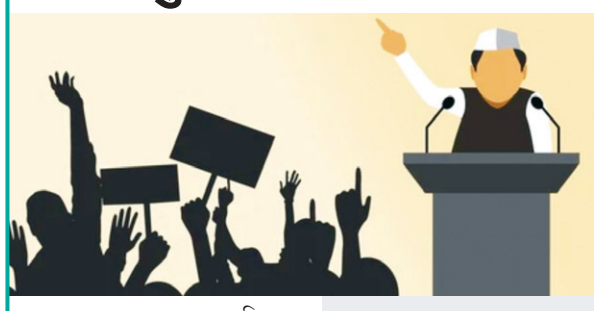

- बदलते बिहार की कहानी, जाति से आगे बढ़ा जनमत, विकास और भरोसे का युग शुरू
- 2025 का रण चेतना का चुनाव, बिहार ने दिखाई राजनीति को नई दिशा और गढ़ी नई परिभाषा

AGENCY PATNA : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का रण इस बार पुरानी परंपराओं से अलग और नए समीकरणों से भरा हुआ है। कभी जातिगत राजनीति की प्रयोगशाला कहे जाने वाले इस राज्य में अब वोटर का मूड बदल रहा है। विकास, महिला भागीदारी, रोजगार और सुशासन जैसे मुद्दे पहली बार जातीय संतुलन से बड़ा कारक बनते दिख रहे हैं। चुनावी रणभूमि में जहां एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) अपने पुराने साथियों के साथ नई ऊर्जा से मैदान में उतरा है। वहीं महागठबंधन में अंदरूनी खींचतान और तीसरे मोर्चे की एंट्री ने पूरा समीकरण उलझा दिया है। बिहार की राजनीति में अब तक गांव की भाषा में जात का गणित ही जीत-हार का पैमाना रहा है। लेकिन इस बार समीकरण बदलते दिख रहे हैं। अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) 36 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) 27 प्रतिशत और दलित लगभग 20 प्रतिशत आबादी के साथ अब भी निर्णायक भूमिका में है, लेकिन युवा और महिला वोटरों का असर तेजी से बढ़ा है। नीतीश कुमार के महिला आरक्षण और छात्रा प्रोत्साहन कार्यक्रमों ने महिला मतदाताओं को एनडीए खेमे की ओर खींचा है।

पिछले चुनावों में वादा किया जाता था, इस बार वितरण दिखाया जा रहा है। राज्य सरकार की ओर से महिला पेंशन, छात्रवृत्ति, वृद्ध पेंशन और कृषि राहत योजनाओं का सीधा लाभ मतदाताओं तक पहुंचा है। राजनीतिक विश्लेषक लव कुमार मिश्र मानते हैं कि अब वोटर जात या नारे से नहीं, बल्कि खाते में आए पैसे और घर तक पहुंचे काम से प्रभावित हो रहा है।

इस बार बिहार की गलियों में माइक कम, मोबाइल ज्यादा गूंज रहा है। चुनावी प्रचार अब हैशटैग और रील के युग में पहुंच चुका है। भाजपा, जेडीयू और राजद तीनों पार्टियों ने सोशल मीडिया टीमों को जिलास्तर पर एक्टिव किया है। पहले जो कार्यकर्ता साइकिल से मोहल्लों में पर्चे बांटते थे, अब वही व्हाट्सऐप ग्रुप और लाइव वीडियो के जरिए मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि इस बार डिजिटल कनेक्ट बूथ जितना ही अहम हो गया है।

मतदान व्यवहार में बड़ा बदलाव

पहले चरण में बिहार ने रिकॉर्ड 65 .08 प्रतिशत मतदान दर्ज किया है। यह राज्य का अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। दिलचस्प बात यह है कि महिलाओं की हिस्सेदारी पुरुषों से ज्यादा रही। गांवों में महिला कतारें लंबी थीं। जबकि शहरी इलाकों में युवा वोटरों का उत्साह दिखा। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से 65 लाख फर्जी या निष्क्रिय नाम हटाए हैं, जिससे कई सीटों पर पुराने सेट समीकरण हिल गए हैं।

अब 'कौन है' नहीं, 'क्या कर रहा' पर वोट का निर्णय

बिहार चुनाव-2025 दरअसल एक संक्रमण का चुनाव है, जहां पुराने जातीय गठजोड़ कमजोर पड़ रहे हैं और नई राजनीतिक पहचान उभर रही है। अब मतदाता 'कौन है' से ज्यादा 'क्या कर रहा है' पर वोट दे रहा है। यह वही बिहार है, जहां जाति का समीकरण दशकों तक राजनीति की रीढ़ था, लेकिन अब वही जनता 'विकास का वोटर' बनती दिख रही है।

विधानसभा चुनाव | मोदी-शाह की जोड़ी ने बनाया राजग का किला, विपक्ष की भी है नजर

सीमांचल बना चुनाव के सियासी रण का नया मोर्चा

AGENCY PATNA : बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में मंगलवार को 20 जिलों की 122 सीटों पर मतदान होना है। मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं, लेकिन उससे पहले एक नजर राज्य के सीमांचल इलाके पर डालना भी अवश्यक है, क्योंकि इस क्षेत्र का असर राज्य की राजधानी पटना से लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सत्ता तक महसूस किया जा रहा है। दरअसल, 24 सीटों वाला यह इलाका सिर्फ बिहार की सरकार नहीं तय करता, बल्कि इस बार राष्ट्रीय राजनीति के भविष्य की दिशा भी तय करने जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए यह प्रवेश द्वार, महागठबंधन के लिए ढाल और असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेताओं के लिए मिशन विस्तार बन चुका है। सीमांचल में चार जिले आते हैं, किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया। यही वो इलाका है, जो पश्चिम बंगाल से सटा है और जहां मुस्लिम आबादी 40 से 67 फीसदी के बीच है। 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां 24 सीटों में से 12 राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग), सात महागठबंधन और पांच एआईएमआईएम के खाते में गई थीं। अब 2025 के इस चुनाव में हर पार्टी इसे अपनी जीत की गारंटी मानकर मैदान में उतर चुकी है। भाजपा के रणनीतिकारों को मालूम है कि सीमांचल में पैठ बनाना मतलब 2029 के लोकसभा चुनाव के समीकरणों को मजबूत करना।

राजग का सीमांचल सर्जिकल प्लान

भाजपा ने बिहार के लगभग 12,000 (बारह हजार) कमजोर बूथों की पहचान की है, जिनमें से सबसे अधिक सीमांचल में हैं। इन बूथों पर मुस्लिम आबादी 60 से 70 प्रतिशत तक है, पर भाजपा का फोकस है, विकास बनाम वोट-बैंक की राजनीति है। पार्टी जानती है कि खुलकर मुस्लिम वोट नहीं मिलेंगे, इसलिए रणनीति है कि गैर-मुस्लिम, पिछड़ा और महिला वोट को एकजुट किया जाए। पूर्णिया, कटिहार और अररिया में भाजपा के रोड शो और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक भाषण इसी क्लस्टर लक्ष्यीकरण (क्लस्टर टारगेटिंग) का हिस्सा हैं।

लालू के बेटे तेज प्रताप अलग लड़ रहे चुनाव

तेजस्वी यादव की सबसे बड़ी चुनौती इस बार विपक्ष नहीं, घर के भीतर से है। लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अब अलग पार्टी बनाकर चुनावी मैदान में हैं। तेज प्रताप ने कहा है कि जो रोजगार देगा, पलायन रोकेगा, वो उसी का समर्थन करेंगे, चाहे वो कोई भी हो। इस बयान ने सियासी गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। क्या यह अप्रत्यक्ष रूप से राजग के पक्ष में माहौल बना रहा है? भाजपा इस पर मौन है, लेकिन पार्टी सूत्रों का दावा है कि चुनाव के बाद समीकरण खुल सकते हैं।

ओवैसी के मॉडल से राजद की बढ़ीं मुश्किलें

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि सीमांचल की आवाज को पटना में सुना जाना चाहिए। ओवैसी की पार्टी से पांच विधायक 2020 में बने थे, अब वे इस इलाके को मुस्लिम सशक्तिकरण की प्रयोगशाला बना रहे हैं, लेकिन उनके मैदान में उतरने से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की मुश्किल बढ़ गई हैं। लालू-तेजस्वी का परंपरागत एमवाई (मुस्लिम-यादव) समीकरण अब दो हिस्सों में बंट रहा है। एआईएमआईएम के उभार से मुस्लिम वोट खिसकते हैं और राजग को अप्रत्यक्ष फायदा मिल जाता है।

नवादा में वृद्ध की हत्या, विरोध में स्थानीय लोगों ने किया सड़क जाम

AGENCY NAVADA : नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के देवनगढ़ पंचायत अंतर्गत रामपुर बलुआ गांव में सोमवार को महादलित परिवार से आने वाले एक वृद्ध की हत्या कर दी गई। नदी के किनारे मृतक का शव पानी में पाया गया। ग्रामीणों के अनुसार रविवार की शाम रामपुर बलुआ गांव निवासी स्वर्गीय छोटन चौधरी के लगभग 60 वर्षीय पुत्र कपिल चौधरी खजूर पेड़ से ताड़ी की चुआई करने निकले। देर शाम तक घर नहीं पहुंचने पर घरवालों द्वारा खोजबीन प्रारंभ किया गया। परन्तु पता नहीं चला सका। शव को गांव स्थित बघेल नदी किनारे पानी में मिला।मृतक का चेहरा क्षत विक्षत था। ऐसा लग रहा था कि धारधार हथियार से मृतक के चेहरा पर गहरा घात किया गया है। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना कौआकोल पुलिस को देते हुए आक्रोशित होकर कौआकोल-रोह मुख्य पथ पर बलुआ मोड़ के पास जाम कर दिया। जिससे घण्टों यातायात सेवा प्रभावित हो गई। सूचना के बाद पकरीबरावां एसडीपीओ राकेश कुमार भाष्कर ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सड़क जाम कर रहे लोगों को समझाने बुझाने में लगे हुए हैं। ग्रामीण प्रशासन से हत्यारे की गिरफ्तारी एवं मुआवजा की मांग कर रहे हैं। वहीं घटनास्थल पर स्क्वॉयड डॉग एवं एफएसएल की टीम पहुंच चुकी है। समाचार लिखे जाने तक सड़क जाम जारी था ।आक्रोशित ग्रामीण सायरिया अपराधियों के गिरफ्तारी की मांग

पुलिस ने एसएसबी के साथ मिलकर किया साढ़े छह किलो गांजा जब्त

ARARIA : जिले की फुलकाहा थाना पुलिस ने एसएसबी के साथ सोमवार को कार्रवाई करते हुए साढ़े छह किलो गांजा बरामद किया। बरामदगी फुलकाहा थाना क्षेत्र के तोप नवाबगंज से हुआ। हालांकि, तस्कर जवानों को देख कर मौके से भागने में सफल रहा। एसएसबी के फुलकाहा बीओपी प्रभारी असिस्टेंट कमांडेंट राणा कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। जवानों ने जांच-पड़ताल कर गांजे की यह खेप जब्त की और उसे सुरक्षित तरीके से कब्जे में ले लिया। बीओपी प्रभारी सहायक कमांडेंट रामकुमार ने बताया कि जब्त किए गए गांजे की कागजी कार्रवाई पूरी कर ली गई है और इसे फुलकाहा थाना पुलिस को सौंप दिया गया।

आईटी हब शहरों पर बढ़ता दबाव

बीते दिनों बेंगलुरु जाना हुआ। एयरपोर्ट से बाहर निकलते वक्त रात हो गई थी और यह वह समय होता है, जब माना जाता है कि शहर में ट्रैफिक के चरम की स्थिति निकल चुकी होती है। इसके बावजूद शहर के एक प्रमुख केंद्र रिचमंड सर्कल तक पहुंचने में डेढ़ घंटे से अधिक का समय लग गया। सफर अपेक्षाकृत लंबा था तो इस दौरान ड्राइवर ने उन समस्याओं की ओर संकेत करना भी शुरू किया कि कैसे शहर से आईटी कंपनियां स्थानांतरित होने लगी हैं और अन्य इलाकों में नए कैंपस बनने शुरू हो गए हैं। अभी बहुत ज्यादा दिन नहीं हुए हैं जब कर्नाटक सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री और कॉरपोरेट जगत की एक दिग्गज के बीच शहर के लचर बुनियादी ढांचे को लेकर कहासुनी हुई थी। बेंगलुरु की कहानी दशार्ती है कि भारत का आईटी हब कहा जाने वाला यह शहर अपनी ही सफलताओं के बोझ तले दबा हुआ है। देश में आईटी उद्योग तेजी से फैल रहा है और कई राज्यों ने उद्यमियों को अपने यहां प्रतिष्ठान स्थापित करने के लिए लाल कालीन बिछाना शुरू कर दिया है। वैसे तो पूर्वी और उत्तर भारत के शहर आइटी प्रतिभाओं की खान हैं, लेकिन इन क्षेत्रों के शहर उद्यमियों की संभावना सूची में नहीं हैं। वहीं, उपलब्ध जानकारियों से यह भी सामने आ रहा है कि जोहो, एसएपी, पेपाल और एनवीडिया आदि के एक तिहाई से अधिक कर्मचारी टीयर-3 कालेजों से आते हैं। उद्यमियों को लुभाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईटी और डाटा केंद्रों सहित नौ औद्योगिक और वाणिज्यिक क्लस्टरों के लिए भूमि आवंटित करने की घोषणा की है, पर यह पर्याप्त नहीं। प्रौद्योगिकी-आधारित औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्र मानव संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करते हैं। इस समय जेन जी बहुत चर्चा में है। वर्ष 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों की यह पीढ़ी भविष्य के लिए प्रतिभा पूल का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनने जा रही है। यह पीढ़ी कामकाज के लिए ऐसा परिवेश चाहती है, जो लचीलेपन, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर जोर देता हो। यह पीढ़ी कामकाजी जीवन और निजी जिंदगी में संतुलन को प्राथमिकता देती है और पिछली पीढ़ियों के पारंपरिक रुख-रवैये को खारिज करती है। इस पीढ़ी को एक जीवंत सामाजिक परिवेश पसंद है। बेंगलुरु और भारत के अन्य महानगर इस प्रकार का परिवेश प्रदान नहीं करते। वहां, प्रवासन अनिवार्य है। वैश्विक आईटी हब कही जाने वाली अमेरिका की सिलिकान वैली को देखें तो यह करीब एक दर्जन छोटे कस्बों-शहरों में फैली हुई है। प्रमुख वैश्विक आइटी दिग्गजों के मुख्यालय इन इलाकों में स्थित हैं। एपल क्यूपर्टिनो में गूगल माउंट व्यू में, मेटा मेनलो पार्क में और सिस्को सैन जोस में। इनमें से कोई भी नगर दस लाख की जनसंख्या से अधिक का नहीं है। वहां किसी भी कामकाजी व्यक्ति के लिए अपने बच्चे को स्कूल से लेना और घर पर ही लंच का लुत्फ उठाना संभव है। आईटी हब का ईकोसिस्टम ऐसे ही नहीं स्थापित होता। उसमें गहरे प्रतिभा पूल, विश्वविद्यालय-उद्योग के बीच मजबूत संबंध, सहायक बुनियादी ढांचा और जीवन, निवास और संपत्ति की सुरक्षा में विश्वास जैसे पहलू शामिल हैं। ऐसे ईकोसिस्टम का निर्माण भौतिक बुनियादी ढांचे से शुरू होता है। इसमें उत्तर प्रदेश की ही मिसाल लें तो राज्य की एक्सप्रेसवे निर्माण में सफलता प्रशंसनीय है। सभी एक्सप्रेस-वे राज्य के महत्वपूर्ण शहरों से होकर गुजरते हैं, जहां कुछ प्रसिद्ध विश्वविद्यालय स्थित हैं। इसलिए उन एक्सप्रेसवे के साथ 150 किमी के दायरे में भौतिक बुनियादी ढांचा विकसित करना समझदारी भरा है। इसमें यह ध्यान रखना होगा कि प्रस्तावित क्लस्टर मुख्य शहर के बहुत करीब नहीं होने चाहिए, ताकि वे एक समूह का हिस्सा न बन जाएं और प्रतिभा की अपेक्षाओं पर खरे न उतर सकें। एक नए क्लस्टर शहर निर्माण की रूपरेखा में औद्योगिक और वाणिज्यिक परिसरों और एक आवासीय टाउनशिप को शामिल करना चाहिए। एक आधुनिक टाउनशिप के निर्माण में धैर्यशील पूंजी, जोखिम उठाने की मानसिकता, शहर योजनाकारों, आधुनिक निविदाओं और सुगम शासन की आवश्यकता होती है। इस पैमाने पर सफलता को शहर के निर्माण की गति और गुणवत्ता से मापा जाना चाहिए। इसमें बिल्ड, ऑपरेट और ट्रांसफर का सिद्धांत सबसे व्यावहारिक विकल्प है। इसके लिए लीज कम से कम 99 वर्षों के लिए होनी चाहिए और इसे आगे 99 वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है, ताकि पूंजी पर रिटर्न आकर्षक हो। निविदा के लिए आमंत्रण वैश्विक होना चाहिए। यह किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय शहरों में भीड़भाड़ बढ़ रही है। शहरी नवीनीकरण और स्मार्ट सिटी कार्यक्रम का प्रभाव बहुत सीमित रहा है और जीवन की सुगमता में बमुश्किल ही कोई सुधार हुआ है। तमाम नए छोटे और मध्यम आकार के शहरों का निर्माण करके ही तेजी से बढ़ती शहरीकरण की चुनौती का सामना किया जा सकता है। वास्तव में नए शहरों का विकास शहरी विकास को प्रबंधित करने, संगठित बुनियादी ढांचा विकसित करने, भीड़ को कम करने, आवाजाही में लगने वाले समय को घटाने और कम लागत पर बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराने की दिशा में एक रणनीतिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। आर्थिक रूप से भी नए शहर आकर्षण से ओतप्रोत होते हैं। वे नौकरी के अवसर सृजित करते हैं, निवेश को आकर्षित करते हैं और पूरक और सहायक व्यवसायों और सेवा उद्यमों का निर्माण करते हैं। यह जीडीपी वृद्धि को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देता है।

अमेरिका में एक भारतीय नारी का साहस

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय अमेरिकी समुदाय उच्च शिक्षा और तकनीकी दक्षता में अग्रणी होने के साथ ही यहां अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए भी रीढ़ की हड्डी साबित हो रहा है। मैनहैटन इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, एक औसत भारतीय प्रवासी और उसका परिवार अगले 30 वर्षों में अमेरिकी संघीय खजाने को लगभग 1.7 मिलियन डॉलर की बचत प्रदान करता है, यह सभी प्रमुख प्रवासी समूहों में सबसे ऊंचा आंकड़ा है। यानी चीन के लोग भले ही अमेरिका में अधिक हों, किंतु अमेरिका के खजाने को सबसे अधिक यदि कोई भरता है तो वे भारतीय हैं। भारतीय अमेरिकी पेशेवर विशेष रूप से आईटी, चिकित्सा, वित्त, इंजीनियरिंग और उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रणी हैं। उदाहरण के लिए, एच-1बी वीजा कार्यक्रम में लगभग 73 प्रतिशत हिस्सेदारी भारतीयों की रही है, जो उच्च कौशल वाले तकनीकी पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करती है। गूगल के सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, एडोबी के शांतनु नारायण और आईबीएम जैसी कंपनियों में शीर्ष नेतृत्व में भारतीय मूल के लोग इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय प्रतिभा ने अमेरिकी कॉर्पोरेट परिदृश्य को बदलकर रख दिया है। इसलिए ही बुद्धि कौशल के मामले में सबसे अधिक भारतीयों की डिमांड वहां रहती है। यह भी एक तथ्य है, भारतीय अमेरिकियों का औसत वार्षिक पारिवारिक आय अमेरिका के औसत से लगभग 80 प्रतिशत अधिक है।

अमेरिका की धरती आज जिस रूप में एक वैश्विक अवसरों की भूमि के रूप में जानी जाती है, उसमें भारतीय मूल के लोगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। चाहे बात विज्ञान, तकनीकी नवाचार, शिक्षा, व्यवसाय या सांस्कृतिक विविधता की हो, भारतीय अमेरिकियों ने हर क्षेत्र में अपनी अद्वितीय छाप छोड़ी है। हाल ही में मिसिसिपी विश्वविद्यालय में एक भारतीय मूल की महिला द्वारा अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से आव्रजन नीतियों पर खुले मंच से सवाल पूछना इसी साहस और सामाजिक जागरूकता का उदाहरण है। इस घटना को सिर्फ एक बहस मत मानिए, यह तो उस प्रवासी समुदाय की आवाज थी, जो अमेरिका की प्रगति में प्रत्यक्ष योगदान देने के बावजूद नीतिगत भेदभाव का सामना करता है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में 54 लाख (5.4 मिलियन) से अधिक भारतीय एवं भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। यह संख्या उन्हें अमेरिका में चीनी-अमेरिकियों के बाद दूसरा सबसे बड़ा एशियाई जातीय समूह बनाती है। यह समुदाय अमेरिका की कुल आबादी का लगभग 1.6% है। भारतीय अमेरिकी समुदाय उच्च शिक्षा और तकनीकी दक्षता में अग्रणी होने के साथ ही यहां अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए भी रीढ़ की हड्डी साबित हो रहा है। मैनहैटन इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, एक औसत भारतीय प्रवासी और उसका परिवार अगले 30 वर्षों में अमेरिकी संघीय खजाने को लगभग 1.7 मिलियन डॉलर की बचत प्रदान करता है, यह सभी प्रमुख प्रवासी समूहों में सबसे ऊंचा आंकड़ा है। यानी चीन के लोग भले ही अमेरिका में अधिक

हों, किंतु अमेरिका के खजाने को सबसे अधिक यदि कोई भरता है तो वे भारतीय हैं। भारतीय अमेरिकी पेशेवर विशेष रूप से आईटी, चिकित्सा, वित्त, इंजीनियरिंग और उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रणी हैं। उदाहरण के लिए, एच-1बी वीजा कार्यक्रम में लगभग 73 प्रतिशत हिस्सेदारी भारतीयों की रही है, जो उच्च कौशल वाले तकनीकी पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करती है। गूगल के सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, एडोबी के शांतनु नारायण और आईबीएम जैसी कंपनियों में शीर्ष नेतृत्व में भारतीय मूल के लोग इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय प्रतिभा ने अमेरिकी कॉर्पोरेट परिदृश्य को बदलकर रख दिया है। इसलिए ही बुद्धि कौशल के मामले में सबसे अधिक भारतीयों की डिमांड वहां रहती है। यह भी एक तथ्य है, भारतीय अमेरिकियों का औसत वार्षिक पारिवारिक आय अमेरिका के औसत से लगभग 80 प्रतिशत अधिक है। वे अमेरिका की जनसंख्या का 1.5 प्रतिशत होते हुए भी संघीय कर राजस्व में 5 से 6 प्रतिशत योगदान देते हैं। उनके व्यवसायों और स्टार्टअप्स से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 11 से 12 मिलियन रोजगार अवसर जुड़े हैं। सिलिकॉन वैली में स्थापित हर चौथे स्टार्टअप की नींव किसी भारतीय या भारतीय मूल के उद्यमी ने रखी है। कहना होगा कि यह भारतवंशियों के नवाचार केंद्रित दृष्टिकोण का परिचायक है। अब बात अमेरिका की आव्रजन नीति की। वस्तुतः ये लंबे समय से राजनीतिक विवादों का विषय रही है। विशेषकर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दौरान कड़े प्रतिबंधों और 'अमेरिका पहले' नीति के कारण कई वैध प्रवासी भी प्रभावित हुए हैं। इन नीति ने भारतीय समुदाय में असुरक्षा की भावना बढ़ाई है, जबकि अधिकतर भारतीय प्रवासी पूरी तरह वैधानिक प्रक्रिया से अमेरिका पहुंचे हैं, फिर भी इमिग्रेशन सख्ती की लहर ने उन्हें भी अपने अस्तित्व के लिए सजग और संगठित होने पर मजबूर किया है। इसी संदर्भ में मिसिसिपी विश्वविद्यालय की वह घटना विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसमें एक भारतीय मूल की महिला ने उपराष्ट्रपति वेंस से सार्वजनिक मंच पर सवाल किया; हम नियमों से आए हैं, मेहनत से जी रहे हैं, तो हमें बाहर क्यों किया जा रहा है यह प्रश्न मात्र भावनात्मक नहीं है, यह अमेरिका के लोकतांत्रिक मूल्य, समानता और न्याय के सिद्धांतों को पुनः परिभाषित करने का आह्वान है। वेंस ने जब उत्तर दिया कि कम प्रवासी आने चाहिए ताकि देश का सामाजिक ढांचा बचा रहे, तो यह तर्क बहुसांस्कृतिक समाज की जटिलताओं को समझने में विफल रहा, क्योंकि अमेरिका का इतिहास बताता है कि विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति रही है और भारतीय प्रवासियों ने इस विविधता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। यदि भारतीय अमेरिका नहीं जाते तो आज अमेरिका जिस विकसित रूप में दिखाई देता है, वह भी नहीं होता। इसी तरह से कार्यक्रम के दौरान महिला द्वारा उपराष्ट्रपति के अंतरधार्मिक विवाह पर सवाल उठाना भी भारतीय प्रवासियों के सांस्कृतिक आत्मबोध को दशार्ता है। भारतीय समुदाय अपनी धार्मिक आस्था, पारिवारिक मूल्य और सांस्कृतिक जड़ों को सहेजते हुए भी अमेरिकी समाज में गहराई से रच-बस गया है। जैसा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस को हम देख सकते हैं, जो पूरी तरह से हिंदू धर्म का पालन करती हैं। इसी तरह से अनेक भारतीय मूल के अमेरिकी हैं,ज्ञजो यहां सांस्कृतिक एकता और वैश्विक सौहार्द का संदेश मजबूत कर रहे हैं। भारतीय अमेरिकियों ने व्यवसाय और तकनीकी जगत के साथ ही राजनीति और सामाजिक नेतृत्व में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस दृष्टिकोण से कई नाम देखे जा सकते हैं। कमला हैरिस, अमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार, अरुणा मिलर, विवेक मूर्ति निक्की हेली बॉबी जिंदल, प्रीति भरगावा, सीमा वर्मा, काश्यप (कश) पटेल, विवेक रामास्वामी, सुहास सुब्रमण्यम, रिचर्ड आर. वर्मा, प्रीति बंसल, अंजलि चतुर्वेदी, माला अडिगा, सेमी वर्मा, नील कशकारी और ऐसे ही अन्य नाम हैं। आज कई भारतीय अमेरिकी अब अमेरिकी कांग्रेस, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों में निर्वाचित होकर नीति निर्माण की मुख्यधारा में हैं। नई पीढ़ी के भारतीय अमेरिकी छात्र विश्वविद्यालयों में शिक्षा, शोध और नवाचार में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। वे सामाजिक न्याय, जलवायु परिवर्तन, मानवाधिकार और तकनीकी नैतिकता जैसे विषयों पर अग्रिम सोच रखते हैं। यह प्रवृत्ति बताती है कि भारतीय समुदाय यहां सिर्फ आर्थिक सफलता तक सीमित नहीं है, अमेरिकी लोकतंत्र की मूल चेतना का भी पूर्ण हिस्सा बन चुका है। अतः वर्तमान संदर्भ में यदि कुछ शब्दों में हम समझें तो भारतीयों का ज्ञान, साहस, बुद्धिमत्ता और श्रम ही अमेरिका की सफलता की कहानी का अभिन्न अध्याय है। यहां रह रहे भारत वासियों ने अपने परिश्रम, शिक्षा और नैतिक आचरण से यह सिद्ध किया है कि किसी भी देश की प्रगति केवल नीतियों पर नहीं, बल्कि लोगों की लगन और समर्पण पर निर्भर करती है।

भ्रामक औषधि प्रचार का बढ़ता जाल

भारतीय समाज में स्वास्थ्य केवल व्यक्ति के अस्तित्व का नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों का भी प्रश्न है। संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित जीवन के अधिकार में स्वास्थ्य का अधिकार निहित है, किंतु जब औषधियों के नाम पर फैलाए जाने वाले झूठे विज्ञापन जनमानस को भ्रमित करते हैं, तब यह अधिकार संकट में पड़ जाता है। 1954 में पारित औषधि तथा चमत्कारिक उपचार (आक्षेपणीय विज्ञापन) अधिनियम अर्थात (डीएमआरए) का उद्देश्य ऐसे विज्ञापनों पर नियंत्रण था, जो गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह, बांझपन अथवा मानसिक रोगों के उपचार का झूठा दावा करते हैं। परंतु, इंटरनेट तथा सोशल मीडिया के आगमन ने इस कानून की शक्ति को लगभग निष्प्रभावी बना दिया है। आज यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और गूगल जैसे मंचों पर आयुर्वेद से कैंसर का इलाज, 30 दिन में डायबिटीज खत्म, अथवा डॉक्टर एक्स की हर्बल दवा से चमत्कारी उपचार जैसे संदेशों की भरमार है। इन विज्ञापनों के पीछे कोई चिकित्सकीय प्रमाण नहीं होता, फिर भी लाखों लोग इन्हें देखकर प्रभावित होते हैं। यह स्थिति केवल कानूनी चुनौती नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक संकट भी है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे अपने एल्गोरिदम के माध्यम से वही सामग्री बढ़ावा देते हैं, जो अधिक क्लिक अथवा लोकप्रियता लाती है। अर्थात जो जितना सनसनीखेज अथवा चमत्कारी दिखता है, वही शीर्ष पर पहुंचता है। परिणामस्वरूप झूठे चिकित्सीय दावे और तीव्रता से फैलते हैं। कंपनियां इस प्रक्रिया से भारी आय अर्जित करती हैं, परंतु जिम्मेदारी से बचने हेतु स्वयं को मात्र मध्यस्थ घोषित करती हैं। मध्यस्थ प्रतिरक्षा की अवधारणा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के अंतर्गत दी गई थी, ताकि सोशल मीडिया अथवा खोज इंजन पर डाली गई सामग्री के लिए उन्हें दायित्व से मुक्त रखा जा सके। परंतु, अब यही प्रावधान उन प्लेटफॉर्मों के लिए सुरक्षा कवच बन गया है, जो सीधे विज्ञापन प्रसारित करते हैं और उससे लाभ कमाते हैं। जब कोई विज्ञापन प्रायोजित अथवा भुगतान किया गया होता है, तब प्लेटफॉर्म को मात्र मध्यस्थ नहीं माना जा सकता। भारत में डीएमआरए की प्रवर्तन प्रणाली अत्यंत कमजोर है। इस अधिनियम के तहत दंड के प्रावधान हैं, परंतु न तो कोई विशेष निगरानी संस्था है और न ही डिजिटल विज्ञापनों की जांच के लिए तकनीकी तंत्र। फलस्वरूप, उल्लंघनकर्ता आसानी से बच निकलते हैं। अनेक बार जब कोई शिकायत दर्ज होती है, तब तक वह विज्ञापन हटाकर नया अभियान आरंभ कर दिया जाता है। इसके विपरीत अमेरिका, यूरोप तथा ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में डिजिटल स्वास्थ्य विज्ञापनों पर कठोर नियंत्रण है। वहां कंपनियों को हर विज्ञापन की सत्यता का प्रमाण देना पड़ता है। उदाहरण के लिए अमेरिकी खाद्य तथा औषधि प्रशासन (एफडीए) बिना अनुमति वाले चिकित्सीय दावों पर त्वरित कार्रवाई करता है। वहीं भारत में वही कंपनियां गौमूत्र से कैंसर ठीक अथवा एक कैप्सूल में सौ रोगों का अंत जैसे विज्ञापन निःसंकोच प्रसारित करती हैं। यह दोहरा नियामक दृष्टिकोण भारतीय उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है। सीमा पार डिजिटल मीडिया ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अधिकतर बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत में कार्य करती हैं, परंतु उनका मुख्यालय विदेश में है। भारत में दिखने वाले विज्ञापनों का संचालन विदेश से होता है। जब कोई नियामक संस्था कार्रवाई करना चाहती है, तब क्षेत्राधिकार की दीवारें आ खड़ी होती हैं। भारत में इन कंपनियों की सहायक इकाइयां कहती हैं कि वे केवल विपणन एजेंट हैं, नीति निर्धारण में उनकी कोई भूमिका नहीं। इससे कानूनी जवाबदेही लगभग असंभव हो जाती है। एल्गोरिदमिक लक्ष्य निर्धारण भी एक बड़ी समस्या है। विज्ञापन अब स्थिर नहीं रहते वे उपयोगकर्ता की रुचि, खोज इतिहास और स्थान के आधार पर बदलते रहते हैं। इससे निगरानी, साक्ष्य एकत्रण तथा दंड प्रक्रिया और कठिन हो जाती है। कोई वीडियो अथवा पोस्ट कुछ ही घंटों में गायब हो सकता है, जिससे अपराध सिद्ध करना कठिन हो जाता है। भारत में कुछ सकारात्मक प्रयास अवश्य हुए हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने 2022 में भ्रामक विज्ञापनों पर दिशा-निर्देश जारी किए हैं तथा प्रसिद्ध व्यक्तियों एवं प्रभावशाली प्रचारकों को भी उत्तरदायी ठहराया है। आयुष मंत्रालय ने भी डीएमआरए के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई की माँग की है। किंतु, यह सभी कदम अभी भी सीमित और प्रतिक्रियात्मक हैं। यदि भारत को जनता के स्वास्थ्य अधिकार की रक्षा करनी है, तो डिजिटल विज्ञापन नियंत्रण को दृढ़ता से लागू करना होगा। इसके लिए कुछ आवश्यक सुधार निम्नलिखित हैं- पहला, डिजिटल प्लेटफॉर्मों को मात्र मध्यस्थ नहीं, बल्कि प्रकाशक के रूप में परिभाषित किया जाए, ताकि वे प्रसारित विज्ञापनों की सामग्री के लिए कानूनी रूप से उत्तरदायी हों। दूसरा, डीएमआरए उल्लंघन को गंभीर अपराध की श्रेणी में लाया जाए और इसके तहत कठोर दंडात्मक प्रावधान लागू किए जाएं। तीसरा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वचालित निगरानी तंत्र विकसित किया जाए, जो प्रतिबंधित दावों वाले शब्दों अथवा चित्रों को स्वतः पहचानकर रोक सके। चौथा, सीमा पार दायित्व सुनिश्चित करने हेतु अंतरराष्ट्रीय सहयोग का ढांचा बनाया जाए, ताकि भारत में प्रसारित विज्ञापनों के लिए विदेशी कंपनियों को भी जिम्मेदार ठहराया जा सके। पांचवां, जन-जागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। जब तक नागरिक स्वयं झूठे विज्ञापनों की पहचान नहीं करेंगे, तब तक कोई कानून प्रभावी नहीं हो सकता। डिजिटल युग में औषधि विज्ञापन केवल व्यापार नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का प्रश्न है। भारत को प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दायित्व आधारित दृष्टिकोण अपनाना होगा। बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लाभ से ऊपर जनता के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना ही संविधान प्रदत्त स्वास्थ्य के अधिकार की सच्ची रक्षा होगी।

Social Media Corner

सच के हक में...

अंदे श्री का निधन हमारे सांस्कृतिक और बौद्धिक परिदृश्य में एक गहरा शून्य छोड़ गया है। उनके विचार तेलंगाना की आत्मा को प्रतिबिम्बित करते थे। एक प्रखर कवि और विचारक, वे जनता की आवाज थे, उनके संघर्षों, आकांक्षाओं और अमर भावना को व्यक्त करते थे। उनके शब्दों में हृदय को झकझोरने, स्वरों को एकजुट करने और समाज की सामूहिक धड़कन को आकार देने की शक्ति थी। जिस तरह से उन्होंने सामाजिक चेतना को काव्यात्मक सौंदर्य के साथ मिश्रित किया, वह अद्भुत था। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ॐ शांति।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

स्वच्छ हवा का अधिकार एक बुनियादी मानवाधिकार है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार हमारे संविधान द्वारा सुनिश्चित किया गया है। शांतिपूर्ण ढंग से स्वच्छ हवा की मांग करने वाले नागरिकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है। वायु प्रदूषण करोड़ों भारतीयों को प्रभावित कर रहा है, हमारे बच्चों और हमारे देश के भविष्य को नुकसान पहुँचा रहा है। लेकिन वोट चोरी के जरिए सत्ता में आई सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है, न ही वह इस संकट को हल करने का प्रयास कर रही है। हमें स्वच्छ हवा की मांग कर रहे नागरिकों पर हमला करने के बजाय, अभी वायु प्रदूषण पर निर्णायक कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में मुख्यमंत्री, पुलिस अधिकारी और उग्रवादी संगठन आपसी गठजोड़ बनाकर बनारस की मंडियों में कोयला तस्करी करा रहे हैं। कोयला का काला खेल अब सिर्फ धनबाद, बोकारो और रामगढ़ तक में सीमित नहीं, बल्कि पलामू और लातेहार जैसे जिलों में भी अपने पांव पसार चुका है।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

बेहतर शिक्षा और जागरूकता की आवश्यकता

बिहार में विधानसभा कि दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को है। नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। चुनाव में महागठबंधन ने राजद के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है। विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) के संस्थापक मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाया गया है। सहनी समुदाय बिहार की आबादी का लगभग 2.5 प्रतिशत है। इसकी तुलना में बिहार में आज मुस्लिम समुदाय 18 प्रतिशत है, जिनमें से अधिकांश महागठबंधन के मतदाता हैं। लालू यादव का राजनीतिक आधार हमेशा से मुस्लिम और यादव रहा, लेकिन जब उपमुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की बात आई तो राजद, कांग्रेस एवं उनके सहयोगियों ने किसी मुस्लिम को अपना उम्मीदवार नहीं चुना, क्योंकि उन्हें पता था कि वे किसी भी हाल में मुस्लिम वोट तो हासिल कर ही लेंगे। मुसलमान देश में कई चुनावी क्षेत्रों पर अच्छा प्रभाव डालने की स्थिति में हैं, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में होने के बाद भी वे आज राजनीति में हाशिए पर खड़े दिखते हैं। वे चाहें तो देश की राजनीति में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। व्यक्तिगत रूप से कुछ मुसलमानों ने समाज की इस खालीपन का फायदा उठाया और वे स्वयं के लिए कुछ बड़े राजनीतिक पदों को हासिल करने में कामयाब भी रहे, लेकिन समाज को इसका कभी कोई लाभ नहीं पहुंचा। वर्षों से मुस्लिम समुदाय की दुर्दशा के लिए भिन्न सरकारों को दोषी ठहराया जाता रहा, लेकिन सच्चाई यह है कि मुस्लिम नेताओं की अक्षमता ने ही यह स्थिति पैदा की। उनकी अक्षमता ने समुदाय के सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दी। ऐसे समय में जब समुदाय को एक संतुलित राजनीतिक समझ की आवश्यकता थी, तब इन राजनीतिक नेताओं ने उन्हें खोखले आंदोलनों के लिए उकसाया। आज जब चुनाव आते हैं तब मुस्लिम इलाकों में अलग व्यग्रता दिखती है। यह एक प्रतीकात्मक संकेत है कि गलती कहां हुई है। नेताओं की गलत अगुवाई में उन्हें यह समझ नहीं आ पाया कि राजनीति में हिस्सा लेने का मतलब है देश की राजनीतिक प्रक्रिया में पूरा योगदान देना। मात्र व्यग्रता को दशार्ने से काम नहीं बनता, बल्कि पूरे समाज को राष्ट्र निर्माण से जुड़े काम में अपने को लगाना पड़ता है। आज मुस्लिम समाज में सबसे ज्यादा जरूरत है ऐसे शिक्षा संस्थानों को स्थापित करने की, जो कि पंथनिरपेक्ष हों। पिछले 150 वर्षों में मुसलमानों ने कई शिक्षा संस्थानों की स्थापना की, लेकिन इनमें से ज्यादातर संस्थानों ने समाज में संकीर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का ही काम किया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी और जापान ने अपने नजरिए में बहुत बड़ा परिवर्तन किया। उनके नेतृत्व को यह समझ आ चुका था कि वरिष्ठता की लड़ाई में वे सबकुछ खो देंगे। इन देशों के नेतृत्व ने अपने नागरिकों की ऊर्जा को शिक्षा की तरफ केंद्रित किया, न कि किसी को हराने-जिताने की तरफ। उसका परिणाम यह निकला कि आज से मात्र 60 वर्ष पहले जिन्हें देख कर लगता था कि वे कभी खड़े भी नहीं हो पाएंगे, आज टेक्नोलॉजी के मामले में शक्तिशाली देश माने जाते हैं। यह देखना दुखद है कि देश में आज मुस्लिम समुदाय का वोट सिर्फ जीत या हार तक सीमित रह गया है। जब वे वोट देने जाते हैं तो उनका एजेंडा सिर्फ किसी पार्टी या उसके उम्मीदवार को हराना या जिताना होता है। उस समय शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी सुविधाएं और राष्ट्र निर्माण जैसे मुद्दे उनके लिए पीछे छूट जाते हैं। नतीजा बेरोजगारी और अपने बच्चों को अच्छी जगह पढ़ाने की चुनौती के रूप में सामने आता है। आज किसी भी मुस्लिम बहुल इलाके में एक भी अच्छा अस्पताल, स्कूल या कॉलेज नहीं देखने को मिलता। इस सोच का बखूबी फायदा कुछ राजनीतिक दलों को मिलता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुंदरता यही है कि उसमें एक पक्ष जीतने वाला होता है और दूसरा हारने वाला, पर यह जीत और हार सिर्फ चुनाव तक रहनी चाहिए। एक बार एक पक्ष जीत जाए तो सबको साथ मिल कर देशहित में काम करना चाहिए। निरंतर विरोध करने से उसका दुष्प्रभाव अपने ही जीवन पर पड़ता है।

रजामंदी की जरूरत

कभी-कभी सबसे स्वाभाविक चीजें सबसे कठिन लड़ाई के बाद हासिल होती हैं। बिना रजामंदी के जबरदस्ती करके चोट पहुंचाने, बलात्कार करने, डराने या तंग करने को आपराधिक कृत्य स्थापित करने के लिए, फ्रांस को यह स्थापित करने में वर्षों लग गए कि जबरदस्ती अपराध है। एक महिला ने असाधारण साहस दिखाया और एक विद्रोह उभरा जिसमें अन्य महिलाएं उसके साथ एकजुटता में खड़ी हुईं। फ्रांस ने एक कानून बनाया है, जो बलात्कार को किसी भी गैर-रजामंदी वाली यौन क्रिया के रूप में परिभाषित करता है। यह देश की महिलाओं के लिए मील का पत्थर है, लेकिन कुल मिलाकर, यौन हिंसा के खिलाफ प्रहार है। यह कानून समाज की इस फौरी मांग की प्रतिक्रिया में पारित किया गया कि कानून में रजामंदी को शामिल किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कानून यौन स्वायत्तता की हिफाजत करे, खासकर महिलाओं के संदर्भ में। पिछले साल, जीजेल पेलीको ने अपनी सबसे कठिन लड़ाई लड़ी, जब वह एक मामले में अदालत में खड़ी हुईं, जिसमें उन्होंने अपने पति पर नशीली दवाएं देने और कुछ बिल्कुल अजनबियों सहित कई पुरुषों को उनका बलात्कार करने देने का आरोप लगाया। पिछले साल दिसंबर में अदालत ने इस मामले में 51 लोगों को दोषी ठहराया। लेकिन, इससे भी महत्वपूर्ण यह था कि किस प्रकार यह मामला रजामंदी को कानून के स्तंभ के रूप में स्थापित करने के लिए परिवर्तनकारी क्षण बन गया। यह भलीभांति स्थापित है कि यौन हिंसा के पीड़ितों को अपना मामला अदालत तक लाने के लिए एक मुश्किल सफर से गुजरना पड़ता है और कमजोर सामाजिक व आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाली कई महिलाओं के पास वास्तव में यह अधिकार भी नहीं होता। बलात्कार के मामलों में बहुत ज्यादा कलंक जुड़ा है और उससे भी बुरा यह कि पीड़ितों को आंका जाता है, जैसा कि भारत में नेताओं द्वारा महिलाओं को दोषी ठहराने वाले हालिया बयानों ने तकलीफदेह ढंग से बार-बार इस तथ्य को रेखांकित किया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Seven sins of pseudo-spirituality

When police entered the Peoples Temple settlement in Jonestown, Guyana, on November 19, 1978, a chilling sight awaited them— 909 dead bodies lay scattered across the compound. They all drank cyanide-laced Kool-Aid at the command of their leader, Jim Jones.

These were not the bodies of 'gullible fools,' but of people like us seeking meaning in life and a connection to something greater. The Jonestown tragedy illustrates how blind faith can kill hundreds in minutes, not just by cyanide, but due to their unexamined certainty.Though extreme, the Jonestown tragedy mirrors pseudo-spiritual sins that still mislead many today. Interestingly, the word sin originally meant not evil, but simply 'missing the mark'. Pseudo-spiritual sins work the same way—not evil in themselves, but misguided efforts that erode freedom, clarity, and purpose.Here are seven such sins and the red flags to recognise them before they derail your journey.

1. Outsourcing Spiritual Growth

Just as no one can lift weights to build your muscles, no one can meditate, evolve, or transform for you. Your life is a garden only you can tend—sowing the seeds and clearing the weeds. True teachers foster independence; false ones breed dependence.

Red flag: Beware of look-at-me gurus who draw attention to their self-advertised greatness and promise to do your spiritual work. Authentic look-at-yourself teachers redirect your focus to your own attitudes, choices, and responsibilities.

2. Failing to Discern Noise from Signal

Our growth falters when we confuse noise with signal. Signals are practices that genuinely transform us—daily meditation, quiet reflection, small acts of kindness. Noise is what distracts—selfies with gurus, endless debates, or back-to-back retreats without application. If it doesn't foster health, character, or purpose, it is gossip, not growth.

Red Flag: Beware fads and gurus who rely on catchy slogans, rituals, emotionally charged stories, or clever metaphors instead of offering evidence-based tools for growth.

3. Seeking Shields Against Misfortunes

No spiritual leader, however revered, can shield you from life's storms. Tragedies strike gurus, their families, and followers alike. The universe won't bend to our beliefs or wishful thinking. True spirituality doesn't erase pain; it builds resilience to face it. The Buddha said, "Pain is inevitable; suffering is optional."

Red flag: Be wary of teachers who peddle fear of hell, doomsday, and miserable rebirths, or promise immunity from misfortune. These are traps.

4. Confusing Popularity with Truth

Popularity doesn't equate to factual or moral truth; millions once believed the sun orbited a flat earth and endorsed slavery. Test someone's teachings and practices with reason and evidence, and the visible transformation in followers' lives, not crowd size or hype.Red flag: Question your belief in gurus flaunting celebrity endorsements or massive following to prove their legitimacy. Truth needs no spotlight.

5. Expecting Omniscience, Grace, or Miracles

If anyone were truly all-knowing, pandemics would be prevented, diseases cured, and crimes solved—and we wouldn't need scientists, doctors or detectives. Yet, suffering persists. Why would an omniscient person allow it, unless the claim is hollow or the claimant indifferent? Imagine a doctor saying, "I can cure you, but I won't interfere with your karma." Excuses such as "non-interference with cosmic law" only admit that such powers are of no practical use.

Singing our souls awake

Looking at upbeat faith trends like 'bhajan clubbing', I mourn that I belong to the cheated urban generation that was denied Sanskrit. Swamped by proud atheists, my low-maintenance faith became "the love that dare not speak its name" with time

A new trend is reportedly rocking young India called 'bhajan clubbing', in which Gen Z gathers in various spaces for sessions of singing and dancing to remixed devotional songs. Chai and buttermilk are to hand, not the liquor served in Western-style pubs and clubs. There are diyas, candles, incense sticks, and flowers to create a pleasant atmosphere. The young dress up, or don't, depending on the occasion, clap along, and sing to guitars and drums. The music is modern, but the words are old, including mahamantras like 'Hare Rama, Hare Rama'.

If we look, we'll see that this movement was growing organically, with important contributions to the 'vibe' from singers like Shankar Mahadevan, Kailash Kher, Jubin Nautiyal, and a score more. The happy-clappy satsang and naamkirtan culture already in place was made more modern. The electric atmosphere during festivals like Navratri, Mahashivratri, and Janmashtami at temples, garba grounds, and in popular ashrams also fostered this development. Purists may cavil, but doesn't it sound perfectly natural for a singing, dancing nation? The young have found their own, blessedly free expression of belief, blending fun and faith.I welcome this trend with all my heart and wish it had happened in my youth. It would have been grounding, energising, and expressive of the Ananda or joy, which is the driving principle of this upbeat faith. I would not have been conditioned to be a 'coconut'—brown outside and white inside. I mourn that I belong to the cheated urban generation that was denied Sanskrit. I was taught French instead. No learning is wasted, true, but our access to and understanding of our heritage should not have been removed either. I am very thankful that the two terrible fault lines in our culture—caste and gender—are being repaired. I regret that along the way, they 'threw the baby out with the bathwater'.

This brings back a question I was pointedly asked when I began writing about religion over twenty-five years ago, thanks to the newspaper editors who took a wild chance on me. Prior to that, growing up had been complicated. My mother, the believer, was long dead, my father was basically irreligious, and I was swamped by proud atheists. They were decent people, bright and well-spoken, whose one blind spot was faith. My friends included the 'Khan Market gang' and 'Lutyens gang' that ridiculed Indian religion. I was taken aback by the underlying self-hate when people breezily said things like, "Ram was a wimp". My authentic self—a low-maintenance Hindu, maybe, but a Hindu nevertheless—was hidden from them. My faith became "the love that dare not speak its name". But my cover was blown when I began writing about religion. I couldn't lie there, though I openly shared my doubts, queries, and critiques, drawing flak from traditionalists. All hell broke loose in my little world when I tried to explain the Hindu's visceral need for temples, headlined 'A House for Mr Vishwas'. 'Left-lib' friends told me sternly, "Renuka, you've become embarrassing," and scornfully demanded, "What's a column on religion doing in a newspaper?"

Wait, my peer group found me ridiculous, and was pressuring me to stop? It was a stark moment of choice. I chose God. A response came to me. "I think a newspaper could be compared to a farm," I said slowly. "The news pages bear staple crops like wheat and rice. The sports and feature pages grow spice and vegetable crops. The business pages are the mandi, the crop market. The editorial pages are orchards, with the fruit of thought."

"So, what's a faith column?" my friends repeated. Their tone had subtly shifted, as though processing the comparison. An answer lit up in my head. "A faith column is the kesar bagh," I said. "The 'saffron garden', as a garden of precious herbs is called. Its space may be smaller than that of the big crops. But if honestly tended, perhaps its scent may be able to enhance the quality of life." There was a long moment of silence, and I looked back steadily, for, in having to explain myself, I found I had clarified my own thoughts. Perhaps it was what we'd call "the Upanishadic reflex"—to respond with a plausible analogy. I wondered if, unrecognised by both parties, this pattern was so culturally entrenched over the millennia that even Macaulay could not fully uproot it. For they accepted the analogy, though they stuck to their disregard for faith.

We continued as friends, with the uncomfortable understanding that I walked a different path. I heard them tell others that I was "not really like that". Once, when I showed up for lunch at the Delhi Gymkhana Club with a tilak on my forehead because I'd stopped by the Yogmaya temple, my smart friends were horrified and icily asked why I'd turned into a sadhvi. By then, I'd grown past explaining and merely raised a 'So, sue me' eyebrow. Then one of them said, "She's not a sadhvi," and the moment passed.

I'd thought about life without the approval of the people I knew. It was fine, I'd realised, with growing excitement, for I was on a valid, if lone, personal journey in dialogue with the public. I had somehow arrived, stumbling, at the golden shore of a vast ocean, a fathomless treasure trove. It's me, the almost-outcast, who loves how Gen Z is making faith its own, combining music, devotion, and community. Sing and dance, dear people. Hari bol, with rightful joy.

A bypoll to redefine shape of Telangana politics

If the Congress wins the Jubilee Hills byelection in Hyderabad, Revanth Reddy earns stripes. A BRS triumph would revive the pink camp's confidence

The Jubilee Hills byelection in Hyderabad has turned into a litmus test for all the political parties in Telangana—the ruling Congress, the main opposition BRS, and the ambitious BJP. The outcome of the November 11 vote will do more than deciding one urban seat—it could reset the power equations that shape the state's political landscape.

The contest pits the Congress bid to prove its staying power against the BRS's attempt at resurrection and the BJP's hunger for urban entrenchment. For the Congress, the stakes could not be higher. Chief Minister A Revanth Reddy has made it a prestige issue. A win would burnish his image and silence critics who claim his administration is wobbling under factional pulls. A loss, however, would deepen the cracks, leaving him gasping for breath amid cabinet indiscipline and a restless cadre. The Congress machinery is in overdrive—rolling out welfare testimonials, aggressive booth management, and door-to-door persuasion. A victory would give the party swagger. It would show that Hyderabad's urban, aspirational voters reward the Congress, too, and blow the myth of BRS invincibility in the capital. After all, the Congress has not made a dent in Hyderabad in a decade.

For the BRS, the bypoll is a battle for revival. Having lost ground in 2023 and then all 17 Lok Sabha seats a few months later, it is desperate for a comeback. By fielding the late MLA Maganti Gopinath's widow, it is banking on sympathy and legacy. A victory would signal that the pink flag still flies high in the city. The BJP, meanwhile, is likely to play the spoiler. It is pitching itself as the Hindu voice of the urban middle class, hoping to slice into both Congress and BRS votes. A strong showing would underline its expanding footprint and could nudge the BRS toward tactical cooperation in future contests. For the saffron party, Jubilee Hills is less about today's seat and more about tomorrow's momentum.

But urban byelections have a mind of their own. Turnout swings, candidate sympathy, and micro-level booth work often upend grand strategies. If the Congress wins, Revanth Reddy earns stripes. A BRS triumph would revive the pink camp's confidence. A strong BJP performance could rewrite the script altogether. When the dust settles, the result will echo far beyond Hyderabad's skyline—shaping alliances, ambitions, and agendas in Telangana's next big political battle.

Vande Mataram: A mantra to stir the nation's soul

Bankim Chandra Chattopadhyay's poem should not be seen through narrow parochial or religious eyes. It harkens to a higher ideal of nationhood that's relevant even today

Prime Minister Narendra Modi must be congratulated for making the 150th anniversary of 'Vande mataram', the song that stirred the soul of a fallen nation, into a State celebration. For what is a State—any State—which has no statement to make? Respect, even reverence, for one's motherland is the least, some would even say the utmost, Indian statement.For Ma Bharati is not just a country, a political union, a nation, or even a state of mind. She is nothing short of a force of consciousness. In invoking her, Bankim Chandra Chattopadhyay, unified and activated the dormant soul of a defeated people, so enwrapped in darkness that it needed nothing less than a new mantra, almost magical in its incantatory power, to agitate it into awakening.

If I sound so enthusiastic, even laudatory to the point of being reverential, it is because I have just re-read and inwardly recited Bankim's poem, India's national song. Yes, it was so affirmed by India's Constituent Assembly in 1950, the same body that gave us our Constitution. Let me confess that I have never sung or listened to 'Vande mataram' without being deeply moved, even to tears. And today is no exception.

But here's a slight problem. The full song, for various political and historical reasons, is not easily available, especially in Devanagari. I actually had to source the full original from sanskritdocuments.org. This leads me to offer an aside to the powers that be. In our efforts to promote our many national languages, in addition to the two official ones, namely Hindi and English, we must try to make important texts available not only in translation, but in transliteration. That is, from Punjab to Kerala, Gujarat to Assam, original texts should be in both Devanagari and Roman transliteration so that we can try to read them in original.

When it comes to 'Vande mataram', most educated Indians will find it easy to grasp, its mixture of Sanskrit and Bangla heavily weighted in favour of the former, rendering it truly a national text in much of the country. Which leads me to some slightly more chauvinistic Bengali friends, mostly Hindus. They are quick to point out that Bankim spoke of seven crore voices (saptakoti kantha), slightly in excess of the population of Bengal Presidency in his time. The teeming masses of undivided India, even in the late 19th century, numbered some 285 million souls. Ergo, they argue, Bande (with a b), not Vande (with a v) mataram, was for Bengalis, not Indians.Thank you, but why be so literal, I ask. Why can't Bengal stand for India? After all, most important ideas in the colonial period, including Hindutva, coined before V D Savarkar by Chandranath Bose, came from Bengal. What Bengal thinks today, India thinks tomorrow, they used to say. Why should it be the other way round today—what India thinks today, Bengal thinks tomorrow? If we cry for national unity, even Hindu unity, why should Hindu Bengalis carp and cavil so much?

My apologies if I offend anyone. Given how much a Bongophile I am, my Kolkata friends long ago, albeit grudgingly, called me an 'honorary Bengali'. I found that one of the most honourable, in addition to flattering, compliment I have ever received.

From the regional to the 'secularist' national objection. I think it was K D Sethna, better known as Amal Kiran in Aurobindonian circles, who answered it best and most politely: "That Vande mataram should ever have been challenged on the ground that it was too Hindu and not secular enough for a country where there were millions of Muslims, is a sad symptom of national decadence. Perhaps a still sadder one is the lukewarm apologia put up for it at times—namely, that the goddess invoked should not worry anybody since nobody now believes in the reality of such a being and she can be taken as a harmless poetic metaphor for the motherland. Heaven save us from this kind of secularism!"It was indeed Aurobindo who not only hailed Bankim as a 'rishi' but Vande mataram as a mantra: "Among the rishis of the later age we have at last realised that we must include the name of the man who gave us the reviving mantra which is creating a new India, the mantra Bande mataram." In an article reproduced in The Standard Bearer in 1920, Aurobindo even went so far as to say, "A greater mantra than Bande mataram has to come."

I think that is because Bankim hails Mother India as a combination of Durga, Lakshmi, and Saraswati—the three powers we need at the practical and psychic levels—to turn earthly existence into a successful and cooperative enterprise. Understood in this light, there is nothing parochial, narrowly religious, or even rigidly nationalistic about Vande mataram.

Rather, especially when understood as a mantra, it signifies the energising feminine or active force in any transformative endeavour, whether physical, vital, intellectual, psychic, or spiritual. Writing on Bande mataram, Aurobindo explained that a nation, like an individual, has three bodies—the physical (annamaya kosha), the vital energy of its citizens (pranamaya kosha), and, "Within the gross body is a subtler body, the thoughts, the literature, the philosophy, the mental and emotional activities, the sum of hopes, pleasures, aspirations, fulfilments, the civilisation and culture, which make up the sukshma sharir of the nation.… but within them all is the source of her life, immortal and unchanging, of which every nation is merely one manifestation, the universal Narayan, One in the many of whom we are all the children."

Overcapacity in solar module manufacturing to moderate profitability

MUMBAI.(Agency)

The solar photovoltaic (PV) module manufacturing capacity is set to top 165 gw by March 2027 from 109 gw now, buoyed by the slew of incentives and policy measures in the form of the approved list of models and manufacturers (ALMM) that effectively bars direct import of modules, along with the imposition of basic customs duty on imported cells and modules, and the production-linked incentive (PLI) scheme, leading to an overcapacity build-up which may force industry-wide consolidation.The implementation of ALMM list-II for solar PV cells from June 2026 has spurred the ongoing expansion of cell manufacturing capacity by module original equipment manufacturers (OEMs), which is likely to increase to about 100 gw by December 2027 from 17.9 gw currently under ALMM, Icra Ratings said in a report.

But this is likely to lead a overcapacity scenario as the annual solar capacity installation is expected at 45-50 gw direct current against an annual solar module production of 60-65 gw. Further, the recent imposition of US tariffs has adversely impacted export volumes, posing new challenges for the industry as modules have been redirected from the export market to the domestic market.

Thus, the overcapacity is likely to result in a consolidation of the smaller/pureplay module players, said the report based on the seven top players which contribute 50 percent of the volume. The report however did not name these seven companies.According to Ankit Jain, a vice-president at the agency, the operating profitability for of the top seven solar OEMs, which remained elevated at 25% in FY25, is likely to moderate due to competitive pressures and overcapacity build-up. The recent imposition of tariffs by US and the growing regulatory uncertainty in the US are likely to further dampen exports, potentially exerting pricing pressures.

Given that the ALMM requirement for solar cells is effective from next June, a significant scale-up in the cell manufacturing capacity along with its stabilisation in a timely manner remains critical in the near-term. Further, the cost of modules using domestic cells is expected to be higher by 3-4 cents/watt compared to the cost of the domestic modules using imported cells.

The agency also notes that all projects wherein the last date of bid submission is prior to September 2025, translating into a solar project pipeline of 45-50 gw, will be exempted from the requirement of using solar PV cells under ALMM list-II even if their date of commissioning is after June 2026. This will support the order book without additional capacity ramp up in the near term.The solar PV manufacturing supply chain is dominated by China, with over 90 percent share in the global manufacturing capacity across polysilicon and wafer, over 85 percent share in cells and around 80 percent share in modules. Given the dependence on China for the sourcing of wafers and ingots, any potential geopolitical curbs on the supply of technology/machinery in setting up backward integration facilities for domestic OEMs remains a key monitorable. Moreover, each successive stage in the value chain demands higher technological complexity.

What is 'Digital Gold' and why has Sebi issued a warning?

New Delhi.(Agency)

The Securities and Exchange Board of India (Sebi) has issued a strong warning to investors about the rising popularity of digital gold, a product that lets users buy small amounts of gold online through apps.Millions of Indians have been investing in digital gold, assuming it is as safe as physical gold or gold exchange-traded funds (ETFs). But Sebi has clarified that these online gold products are not regulated under any of its frameworks and therefore carry significant risks.

WHAT EXACTLY IS DIGITAL GOLD?

Digital gold allows users to buy and sell gold through fintech apps and online platforms, often in very small amounts starting from Rs 10 or Rs 100. The platform claims to store the equivalent physical gold in a secure vault on behalf of the buyer.

Later, investors can sell it digitally or request delivery of physical gold.The idea became popular because it offered easy access to gold ownership without visiting a jeweller or buying large quantities. Apps like Paytm, Google Pay and PhonePe have offered digital gold through partnerships with companies such as MMTC-PAMP and Augmont.However, Sebi has pointed out a key difference between these digital gold products and regulated gold instruments like Gold ETFs or Electronic Gold Receipts (EGRs), which are traded on stock exchanges and fall under Sebi's supervision.

WHY HAS SEBI ISSUED A WARNING?

Sebi's warning is based on one clear concern: digital gold is not regulated by any financial authority. It does not qualify as a security, deposit or derivative, which means Sebi has no control over how these platforms operate or store investors' gold.

Noida's retail boom: These 2 mega infra projects are driving mall growth

New Delhi.(Agency)

Noida's retail market is undergoing a significant transformation as two major infrastructure projects, the Noida-Greater Noida Expressway and the Yamuna Expressway, leading to the new Noida International Airport in Jewar, are the main drivers of this change.They are clearing the way for malls and retail developments, which are going to change the way shopping and fun are done in the National Capital Region (NCR).

INFRASTRUCTURE ACTING AS A CATALYST

The Noida Expressway, which connects Noida and Greater Noida, has become a corridor of the future that is both attracting and accommodating residential as well as commercial investments. This six-lane road, which is surrounded by IT parks, office buildings, and modern residential areas, has become a favourite among real estate investors in the NCR.

The Yamuna Expressway, which leads further to the airport at Jewar, makes a connection between Noida and the new international travel hub. The airport's infrastructure development, such as the building of elevated corridors, service lanes, and metro extensions, is bringing about the opening up of many new areas for commercial and retail investment.

THE EMERGENCE OF RETAIL POWERHOUSES

The Noida area has become a preferred place for retail investors and mall developers due to the proximity of expressway connectivity and the airport's vicinity. The real estate professionals are saying that these corridors are quickly turning into retail empires, with many big projects that will include retail, dining, and entertainment all under one roof coming up.

Groww IPO allotment out: Here's how to check on BSE, NSE

New Delhi.(Agency)

If you applied for the Groww IPO, the wait is finally over. The allotment status is being finalised today. Investors can now check whether they have received shares in one of India's most talked-about public issues of the year.The parent company of Groww, Billionbrains Garage Ventures Ltd, saw massive investor interest during the subscription window, as the online investment platform continues to ride the boom in retail participation and digital finance.With the allotment now underway, here's how you can find out if you've secured a piece of the company before its market debut.

On the BSE portal, select "Equity," choose "Billionbrains Garage Ventures Ltd" from the dropdown menu, and enter your PAN number or application details before submitting.The page will display your status as either "Allotted" or "Not Allotted."

On the NSE platform, go to the IPO section, pick the company name, and use your PAN number or application ID to check.If the allotment hasn't been processed yet, it may show as "Approved" or "Pending," so checking again later in the day can help.

You can also verify the status through the registrar's website—details are available on the Groww IPO page. You'll need your PAN number and application number handy to confirm whether shares have been allocated to your demat account.

IPO LISTING DETAILS

If you've been allotted shares, they will be credited to your demat account before the listing date. Those who didn't receive an allotment don't need to worry—the blocked funds will be automatically released to their bank accounts within a few days.

Credit card spends up 23% in Sept to Rs 2.17 trillion, highest since 2020

MUMBAI.(Agency)

Indicating the rising indebtedness of households and individuals or their spendthrift nature expecting better earnings going ahead, credit card spends soared 23 percent on-year and 13 percent sequentially to Rs 2.17 trillion in September--the highest since 2020.According to an analysis by Care Ratings, however, the total outstanding credit card balances stood at Rs 2.82 trillion in the reporting month marginally down from Rs 2.89 trillion in August 2025 and up from Rs 2.72 trillion in September 2024, indicating a moderate annual growth of 3.7 percent and a sequential decline of 2.38 percent.

Accordingly, the share of credit card outstanding balances in total retail loans has also fallen marginally by 40 bps to 4.5 percent in the reporting moth from 4.9 percent a year earlier. The

agency attributed the spike to bank-led festive offers in the run-up to the festive month, increasing consumer demand driven by the festive spending induced by GST rate cuts, along with increased card issuances in the month.

While the growth rate for the reporting month remained robust, it was slightly lower than the 24 percent expansion seen a year ago. Private sector banks maintained their dominance in the credit card spends market with a 74.2 percent share in September, although this was a 130-basis point lower annually, while public sector banks increased their share to 21.2 percent from 18.4 percent.

The total number of outstanding credit cards grew from 10.6 crore in September 2024 to 11.3 crore in September 2025, reflecting a steady increase in card penetration, indicating an annual increasing of 7 percent and an on-month growth of 1%, attributed to an expansion in credit card adoption and usage. Private banks' average spending per card in September was Rs 20,011, up 3 percent, while that of their state-run peers saw a more significant increase of 30 percent, with per-card spending rising to Rs 16,927, primarily due to enhanced digital and rewards offerings, apart from their.

Selling less, earning more: Why India's real estate is earning more from less

New Delhi. (Agency)

India's housing market is breaking its own rules. Fewer homes are being sold, yet the total value of sales is rising faster than ever. According to new data from ANAROCK Group, the country's top seven cities could see home sales value jump nearly 20% in FY26 to cross Rs 6.65 lakh crore, even though the number of units sold is expected to remain flat.The report, titled "Home Sales Value in FY26 May Grow ~20% Y-o-Y, Sale Volume to Stagnate," reveals that India's housing story has entered a new phase, one where luxury and premium homes are driving the market, while affordable housing demand slows down.

In FY25, around 4.22 lakh homes were sold across the top seven cities, with a total sales value of Rs 5.59 lakh crore. In FY26, ANAROCK projects this number to rise to Rs 6.65 lakh crore, driven mainly by higher prices and demand for bigger, more expensive homes.

During the first half of FY26 (April–September 2025), more than 1.93 lakh homes worth Rs 2.98 lakh crore were sold — already 53% of FY25's total sales value.Explaining this shift, Anuj Puri, Chairman of ANAROCK Group, said, "India's housing market is seeing a clear value-led growth. Demand in the premium and luxury segments continues to remain strong even as affordable housing slows due to high property prices and borrowing costs. Developers are aligning their launches to this new demand reality."

Puri added that housing sales value is being driven by a combination of rising home prices, a surge in high-ticket purchases, and steady domestic demand. "Luxury and upper mid-segment homes now account for a much larger share of overall sales. Buyers today prefer bigger homes, better amenities, and quality living spaces,"he said.

LUXURY HOMES DRIVE THE TREND

Data from ANAROCK shows that 42% of all new housing supply in H1 FY26 came from luxury and ultra-luxury projects. Even though the overall sales volume fell 14% in FY25, the total sales value rose 6% — the highest since Fy22.

Dr Prashant Thakur, Executive Director and Head of Research at ANAROCK, said, "After reaching a peak in overall absorption in FY2024, housing sales have tapered down amid various headwinds. However, the sales value of total homes sold is growing. The current trends indicate potential double-digit value growth by the end of this fiscal, even as volumes stagnate."The demand for premium homes is being fuelled by affluent homebuyers, NRIs, and professionals seeking larger living spaces after the pandemic. Developers are responding by focusing on high-margin projects in prime urban areas, supported by strong domestic liquidity and a shift in lifestyle preferences.

Markets steady in mid-morning trade amid global optimism and earnings support

CHENNAI.(Agency)

Indian equity benchmarks traded higher through mid-morning on Monday, supported by positive global cues and upbeat domestic earnings. The Nifty 50 was up around 0.3 percent, while the Sensex gained a similar margin, extending early gains on broad-based buying across sectors.Investor sentiment improved after reports suggested progress toward resolving the US government shutdown, lifting risk appetite across Asian markets. Back home, strong corporate earnings continued to provide support, particularly in select mid-cap and pharma counters.

Out of 16 major sectoral indices, 14 were in the green, with mid-cap and small-cap stocks rising about 0.5 percent. Among notable movers, Nykaa gained over 4 percent after posting robust second-quarter results, while Lupin advanced more than 2 percent following a 73 percent year-on-year jump in quarterly profit. In contrast, Ola Electric slipped nearly 2 percent after a credit-rating downgrade.

Market breadth remained positive, indicating sustained buying interest beyond frontline stocks. However, analysts noted that the gains were modest and pointed to a "wait-and-watch" approach among investors ahead of key global economic updates.

While optimism over US fiscal developments and resilient domestic earnings have boosted near-term sentiment, traders remain cautious about potential volatility linked to foreign institutional flows, inflation data, and policy signals from global central banks.

Market strategists say the near-term outlook remains cautiously constructive, with investors advised to focus on quality large-cap names while selectively adding exposure in sectors showing earnings momentum.

In summary, Indian equities were trading firm by mid-morning, reflecting steady optimism from global and domestic factors, though with a measured tone as investors look for fresh triggers to sustain the uptrend.

Lenskart makes a muted market debut, crashes 11% in initial trade

New Delhi.(Agency)

Eyewear major Lenskart Solutions shares made a weak stock market debut on Monday, despite its IPO receiving a thunderous response in the primary market. Shares of Lenskart were listed at Rs 395 percent share on the NSE, a 1.74 percent discount to its IPO price.

On the BSE, the stock was listed at Rs 390 apiece, a discount of nearly 3 percent. The company's market capitalisation post listing of shares stood at Rs 67,660 crore. The stock declined as much as 11% in the first few minutes to hit a low of Rs 356. However, it made a recovery from the lows and hit a high of Rs 404 as of 10.30 am. Ahead of its listing, the grey market premium (GMP) of Lenskart fell sharply on Friday. The unlisted shares of the company were trading with just 2.5% GMP over the IPO price, according to data on Investorgain. This is a steep decline from the 24% GMP the IPO was commanding on October 31.

Meanwhile, domestic brokerage Ambit Capital initiated coverage on Lenskart with a 'sell' rating. It warned that the company's valuation appears stretched and offers limited potential for short-term gains. Ambit has set a target price of around Rs 337 per share, about 16% below the issue price of Rs 402, implying that the stock could see pressure upon debut if sentiment weakens.

The initial Rs 7,278 crore public offer (IPO) of Lenskart was booked 28.26 times, highlighting confidence investors have in the Indian primary market and in the company despite valuation concerns. The Rs 7,278-crore IPO received bids for over 281 crore shares as against 9.97 crore shares on offer, as per BSE data.

The portion for Retail Individual Investors (RIIs) part for Lenskart's IPO fetched 7.54 times subscription, while the non-institutional investor category got subscribed 18.23 times. The quota set aside for Qualified Institutional Buyers (QIBs) received 40.35 times the subscription.

Lenskart's valuation concerns stem from its high P/E. The Gurugram-based company turned profitable in FY25,

posting a net profit of Rs 297 crore and its Rs 70,000 crore valuation at the upper end of the IPO price band translates to a steep 237 times price-to-earnings multiple.

This, according to many, makes the IPO a highly 'expensive' affair. Harshal Dasani, Business Head, INVasset PMS said that Lenskart's forward valuation implies over 200 times current earnings, making it one of the most expensive listings in India's digital retail space.Shivani Nyati, Head of Wealth at Swastika Investmart said that while concerns around high valuation, recent losses, and competitive intensity weighed on short-term sentiment, the IPO received solid institutional interest backed by expectations of strong growth in international markets and improving margins.

"Investors allotted shares may consider holding for the medium to long term, supported by earnings visibility and expanding store footprint, with a stop loss around Rs 350 and Short-term traders may exit the position and look for better opportunities elsewhere," added Nyati.

Ajit Doval office to probe possible GPS spoofing at Delhi airport: Sources

➤GPS spoofing is a type of cyberattack where fake satellite signals are transmitted to deceive navigation systems about their actual location. In the Delhi airport case, pilots reported receiving false navigation data, including incorrect aircraft positions and misleading terrain warnings.

Agency New Delhi.

The office of National Security Advisor (NSA) Ajit Doval has launched an investigation into possible GPS spoofing incidents that were reported early last week. The possible GPS spoofing took place a couple of days before massive flight disruptions at the Delhi airport last week due to an ATC systems glitch that affected over 800 flights, causing major delays and diversions.

GPS spoofing is a type of cyberattack where fake satellite signals are transmitted to deceive navigation systems about their actual location.In the Delhi airport case, pilots reported receiving false navigation data, including incorrect aircraft positions and misleading terrain warnings, particularly within a 60-nautical-mile radius of the national capital.

The National Cybersecurity Coordinator (NCSC) at the NSA's office is responsible for national-level coordination on cybersecurity matters. The sitting NCSC is Navin Kumar Singh, who was appointed in August this year.The NCSC works under the National Security Council Secretariat (NSCS) and coordinates with various agencies, including the Indian Computer Emergency Response Team (CERT-In) and the Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), to ensure a cohesive national response to cyber threats.The NCSC is also responsible for directing the country's cyber threat response and coordinating across government bodies.

Meanwhile, the investigation aims to determine the cause and scope of the alleged GPS spoofing incident. Authorities are also examining whether the airport disruption incident was a result of a technical glitch, cyberattack, or intentional interference.The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) and the Airports Authority of India (AAI) are also involved in the investigation.On Friday, Delhi Airport, which handles over 1,500 flight movements daily, had witnessed widespread disruptions after the glitch caused delays to more than 800 flights and led to the cancellation of at least 20.Several flights were also diverted to nearby airports, including Jaipur and Lucknow.The incident caused significant air traffic congestion, with pilots relying on manual navigation and air traffic controllers switching to ground-based systems.The spoofing incident raised concerns about aviation safety, as pilots faced challenges navigating through Delhi's busy airspace.

Bomb scare in Bengal after live explosives found in Murshidabad field

New Delhi. (Agency)

A bag containing live crude bombs was recovered from an agricultural field in West Bengal's Murshidabad on Monday morning, triggering a security scare and raising concerns over law and order situation in the state.Police said the bag was found near a culvert in the area following a tip-off late Sunday night. The area was cordoned off, and a Bomb Disposal Squad has been called in to defuse the explosives.

The discovery has put the area on high alert. An investigation is underway to identify those who stashed the bombs and determine their motive.According to officials, Murshidabad has a history of similar recoveries during election seasons. In 2021, about 60 crude bombs were found in the district ahead of the Assembly elections. Ahead of the 2023 Panchayat polls, live bombs were recovered near a Congress candidate's residence, prompting allegations of political intimidation.

The district has also witnessed several incidents of violence linked to elections. Over 40 people were killed in clashes across West Bengal during the 2023 Panchayat elections, with Murshidabad among the worst affected.

In 2016, a CPI(M) polling agent was killed after being attacked with crude bombs in Domkal.Police said the district's proximity to the India-Bangladesh border makes it vulnerable to illegal arms and explosives smuggling. Crude bombs are often used as weapons in political rivalries at the local level.Senior officials said security measures have been stepped up across the district, and patrolling has been intensified to prevent any untoward incidents ahead of the polls.

"We have increased surveillance and are investigating the source of the explosives," a police officer said.The bombs were to be defused by the Bomb Disposal Squad later in the day.

Madhya Pradesh man on Delhi visit shoots himself dead at Jantar Mantar

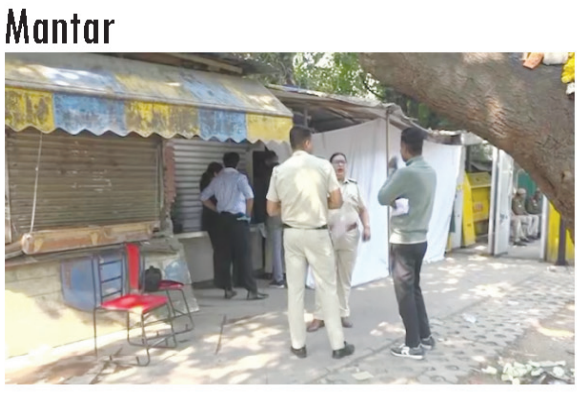

Agency New Delhi.

A man died by suicide after allegedly shooting himself with a country-made pistol at the protest site in Jantar Mantar on Monday morning, triggering panic among protesters and bystanders.

The incident took place around 9 am near a tea stall close to the metal detector gate installed by Delhi Police at the venue. Police officials said the man arrived at the protest site carrying a firearm and shot himself before any intervention could be made.

According to police sources, the deceased had reportedly come to participate in a protest for which permission had been granted earlier. However, before the demonstration could begin, he allegedly took out the weapon and shot himself.Eyewitnesses said the man was seen standing quietly moments before the gunshot was heard. The area was immediately cordoned off, and police teams rushed to the spot.

Preliminary reports suggest the man may have been a resident of Madhya Pradesh, though officials said his identity is still being verified. His body has been sent for post-mortem examination.A senior police officer said a case has been registered and forensic teams are examining the scene. The firearm has been recovered.

Rs 50 Lakh Money Trail Found In Adulterated Ghee In Tirupati Laddu Row

Agency New Delhi.

A Rs 50 lakh money trail has been unearthed in connection with adulterated ghee supplied to the Tirumala Tirupati Devasthanam to make the Srivari laddu, the devotional offering distributed to the lakhs of pilgrims, worshippers, and tourists who visit the famous temple every year.

Sources said K Chinnappanna, the personal assistant to YV Subba Reddy, a Lok Sabha MP from Andhra Pradesh's ruling YSR Congress Party and a former TTD Chairman, allegedly received that sum – in cash – from hawala agents linked to Uttar Pradesh-based Premier Agri Foods Pvt Ltd.Specifically, Chinnappanna allegedly received Rs 20 lakh from Aman Gupta, a Delhi-based agent, and the rest from Premier Agri Foods senior executive Vijay Gupta.

Both transactions were made near Delhi's Patel Nagar Metro Station, sources said.Last year a massive political (and legal and socio-cultural) row erupted after allegations the world-famous Tirupati laddus were made with 'impure' ghee, i.e., ghee made with animal fats.

The matter reached the Supreme Court, which downplayed politicians expressing 'anguish' over the controversy – the reference was to Chief Minister N Chandrababu Naidu's public statements – stating firmly that politics and religion should not be mixed. The court, however, ordered a joint investigation – with officers drawn from the CBI, the state police force, and food safety officials.The team's report outlined several instances in which the four dairies supplying the ghee manipulated documents and prices to win tenders. Investigators found that 60.37 lakh kg of adulterated ghee, i.e., mixed with foreign particles, worth Rs 240.8 crore, reached the TTD.

Specifically, Bhole Baba Organic Dairy Milk Pvt Ltd allegedly mixed palm oils and chemicals to make adulterated ghee at their plant in Roorke, some of which was routed to the temple via three others - Sri Vyshnavi Dairy Specialities suppled tainted ghee worth Rs 133.12 crore, Malganga Milk & Agro Products Rs 73.18 crore,a nd AR Dairy Foods Rs 1.61 crore.

4 doctors arrested in 4 days with chemicals, rifles: Face of white-collar terror

Agency New Delhi.

In a worrying string of arrests over the past week, authorities have arrested four doctors and several other associates linked to terror activities in two separate incidents, exposing a growing white-collar terror ecosystem operating from within professional circles.One of the set of arrests, which took place in Uttar Pradesh, Haryana, and Jammu & Kashmir, was accompanied by a seizure of over 2,500 kgs of bomb-making material, rifles, pistols, and other suspicious material. The other arrests, made in Gujarat, carried recoveries of poison-formulating material and pistols.

Both sets of arrests took place within a day of each other, but authorities haven't said whether they are linked, so far.

Investigations revealed that these radicalised doctors were in contact with foreign handlers operating from Pakistan and other countries and even banned outfits like ISIS, Jaish-e-Mohammad (JeM), and Ansar Ghazwat-ul-Hind (AGUH).

These arrests of four doctors within four days point to a disturbing trend -- highly educated professionals leveraging their positions to further terror agendas. Officials have warned that these professionals had contact with international handlers and were actively preparing both chemical and firearms-based attacks in different parts of the country.

DR ADEEL RATHER ARRESTED FROM UP

The first arrest came last week when an AK-47 rifle was recovered from the personal locker of a senior resident doctor at Government Medical College (GMC) Anantnag, Jammu and Kashmir. Adeel Ahmad Rather, 27, a resident of Qazigund, Anantnag, had been working at GMC Anantnag.

"Seen Our Morphed Pics Too": Chief Justice Says "Judges Aware" Of AI Misuse

Agency New Delhi.

Chief Justice BR Gavai on Monday acknowledged the growing misuse of Artificial Intelligence (AI) tools and other digital tools against the judiciary, noting that he has seen the morphed pictures.

- "Yes, yes, we have seen our morphed pictures too," the Chief Justice said while hearing a public interest litigation (PIL) seeking directions for framing guidelines or a policy to regulate the use of Generative AI (GenAI) in judicial and quasi-judicial bodies.

According to the petition - filed by advocate Kartikeya Rawal - there is a difference between AI and GenAI, with the latter capable of creating ambiguity in the legal system by generating new data and non-existent case laws. It also warned that GenAI may replicate, perpetuate, and even aggravate pre-existing biases, discrimination, and stereotypical practices, thereby presenting profound ethical and legal challenges.

"The characteristic of GenAI being a black box and having opaqueness has the possibility of creating an ambiguity in the legal system followed in India.

In other words, the skill of GenAI to leverage advanced neural networks and unsupervised learning to generate new data, uncover hidden patterns, and automate complex processes can lead to 'hallucinations', resulting in fake case laws, AI bias, and lengthy observations.

This process of hallucinations would mean that the GenAI would not be based on precedents but on a law that might not even exist. Such arbitrariness is a clear violation of Article 14," it claimed.

60% Rise In Stubble Burning In 6 States In 24 Hours: Delhi Gasps For Air

Agency New Delhi.

The rising air pollution in the national capital Delhi continues to draw attention to stubble burning -- one of the causes of pollution -- in neighbouring states, including Punjab and Haryana. In just 24 hours, six states reported a 60 per cent collective rise in incidents of stubble burning on November 8, according to data collected by the Indian Council of Agricultural Research-Indian Agriculture Research Institute's CREAMS laboratory.

The six states and union territories being studied include Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Delhi, Rajasthan and Madhya Pradesh. The number of stubble burning incidents increased from 568 on November 7 to 911 a day later, as per the satellite remote sensing data.

The data has been collected following the "Standard Protocol for Estimation of Crop Residue Burning Fire Events using Satellite Data", said the CREAMS laboratory.

On November 8, Madhya Pradesh reported a whopping 353 cases of stubble burning. This was followed by 238 in Punjab, 158 in Haryana, 120 in Rajasthan and 42 in Haryana.

Punjab At Centre Of Rising Stubble Burning Incidents

A total of 8,365 crop burning events have been detected this season in six states between September 15 and November 8, with Punjab recording the highest at 3,622. Within Punjab, Sangrur, one of the rice producing districts, reported the maximum number of stubble burning incidents at 602 during the same time.

A microscopic view of the data suggests that even on November 8, Sangrur recorded the highest number of stubble burning incidents in Punjab. Sangrur is closely followed by Firozpur and Mansa reporting 33 and 27 cases respectively.

Upgrade by Jan 1 or shut shop: Drugmakers put on notice after cough syrup deaths

The government has set a firm deadline for all drug manufacturers to comply with global Good Manufacturing Practices by January 1, 2026, following international concerns over toxic cough syrups linked to child deaths.

Agency New Delhi.

After a string of global scandals over toxic Indian cough syrups linked to child deaths abroad, the Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO) has drawn a hard line, all drug manufacturers must comply with global Good Manufacturing Practices (GMP) by January 1, 2026, or face closure.No further extensions will be granted.

FINAL DEADLINE FOR NON-COMPLIANT UNITS

The CDSCO's latest order targets 1,470 pharmaceutical manufacturing units with an annual turnover below Rs 250 crore that had been granted extra time to meet revised Schedule M GMP standards.

These smaller facilities were earlier given until January 1, 2026, provided they applied for an extension before May 2025. The regulator has now made it clear that no more leeway will be allowed beyond that date.Out of India's 5,308 drug manufacturing units, around 3,838 micro, small and medium enterprises (MSMEs) have already complied with the upgraded norms. The remaining 1,470 companies, which had sought more time, now face a firm ultimatum - upgrade operations or shut down.

GLOBAL STANDARDS, DOMESTIC SCRUTINY

The move comes after mounting international pressure following multiple incidents of contaminated

cough syrups exported from India, which were linked to the deaths of children in Gambia, Uzbekistan and Cameroon. The government has faced criticism over lax enforcement and outdated manufacturing standards.Under the revised Schedule M, all drugmakers must ensure stricter quality control, traceability of raw materials, and better documentation to align with World Health Organisation (WHO) standards.

The revised GMP norms have already been in effect since 28 June 2024 for companies with turnover exceeding Rs 250 crore.

'NO MORE EXTENSIONS'

Senior CDSCO officials said the industry had been given enough time and assistance to upgrade their facilities."The deadline of 1 January 2026 stands final. No further extensions will be considered," the regulator's order said.The decision effectively means that non-compliant units will have to suspend operations until they meet the upgraded GMP criteria, a significant push .

NEWS BOX

Texas man kills 3 co-workers at workplace, then shoots himself

World. (Agency)

A 21-year-old man shot and killed three co-workers at a San Antonio, Texas, landscape supply company and then died after shooting himself, authorities said Sunday.Two men and a woman died in the shooting Saturday at the business on the city's north side, according to the San Antonio Police Department.

Other employees ran from the scene when the gunfire erupted around 8 am, KSAT-TV reported.

Police responded and secured the area, and hours later they found the gunman with a self-inflicted gunshot wound, officials said.He was identified by police as Jose Hernandez Galo.While the motive for the shooting wasn't immediately known, Police Chief William McManus said during a Saturday news conference that it was not random.Detectives continued to investigate on Sunday.

7 dead, 13 rescued after boat carrying migrants from Myanmar capsizes off Malaysia

World.(Agency)

Rescuers in Malaysia recovered the bodies of seven migrants from Myanmar and found 13 alive from a boat that capsized with dozens aboard, officials said Sunday.The vessel had departed from the town of Buthidaung, in Myanmar's Rakhine state, carrying some 300 people, said First Adm. Romli Mustafa from the Malaysian Maritime Enforcement Agency, citing a preliminary investigation.Police and the maritime agency said the passengers were believed to have been split into three smaller boats once the vessel neared Malaysia. One of the boats was believed to have sank near Tarutao island in southern Thailand on Thursday, and some of the victims drifted into Malaysia's northern resort island of Langkawi, the authorities said.

The timing and exact location of the incident is not known. The fate of the other two boats is also unclear, officials said.Local media quoted the Kedah state police chief in northern Malaysia, Adzli Abu Shah, as saying that some of those rescued were Rohingya Muslims, from Myanmar, where they have faced persecution for decades. Romli warned in a statement that cross-border syndicates are becoming increasingly active in exploiting migrants using perilous sea routes.

The maritime agency said rescuers found 10 migrants and recovered the body of a woman from the sea on Saturday. Another six bodies were discovered Sunday as well as three survivors, it said, adding it has expanded the area of the search that will continue on Monday.The UN High Commissioner for Refugees urged regional governments to step up search and rescue efforts and take action to prevent such tragedies.So far this year, some 5,200 Rohingya refugees have embarked on dangerous maritime journeys, with nearly 600 reported to be missing or dead, said UNHCR spokesman Diogo Alcantara.

Trump doubles down on Obamacare as federal shutdown drags into 40th day

World .(Agency)

US President Donald Trump doubled down on Sunday on his push to gut Obamacare healthcare subsidies, which his Democratic opponents have insisted on preserving as a condition for ending the 40-day government shutdown.Trump on Saturday urged Republican senators to take federal money used to subsidise health insurance bought on Affordable Care Act marketplaces, and instead send payments to individuals buying coverage.

The federal government has been shut down since October 1, making it the longest federal shutdown ever, because of a congressional impasse over healthcare.

The ACA subsidies, which helped double Obamacare enrolment to 24 million since they were put in place in 2021, are at the heart of the shutdown. Democrats want to extend them before reopening the government, while Republicans say they are open to addressing the issue only after government funding is restored.Trump took to his Truth Social platform on Sunday to blast the subsidies as a "windfall for Health Insurance Companies, and a DISASTER for the American people," while repeating his call for funds to be sent directly to individuals to buy coverage on their own. "I stand ready to work with both Parties to solve this problem once the Government is open," Trump wrote.

This weekend's posts from Trump came as senators were deep in talks over ways to end the shutdown. But Treasury Secretary Scott Bessent and Senator Lindsey Graham, a staunch Trump ally, said in separate interviews that Trump's healthcare idea will not be introduced before lawmakers pass a federal funding measure."We're not proposing it to the Senate right now," Bessent said in an interview with ABC's "This Week," referring to Trump's proposed direct payments. "We are not going to negotiate with the Democrats until they reopen the government."

US Senate advances bill to end 40-day shutdown, Democrats call it betrayal

On Sunday night, the Senate voted 60-40 on the key procedural measure following an agreement between a group of moderate Democrats, Republican leaders, and the White House to advance the plan, even without a guaranteed extension of health care subsidies -- a decision that has sparked a rift among some Democrats.

World . (Agency)

The US Senate has moved to advance a crucial measure aimed at ending the 40-day government shutdown, the longest in the country's history, that has sidelined workers, delayed food aid, and disrupted air travel.On Sunday night, the Senate voted 60-40 on the key procedural measure following an agreement between a group of moderate Democrats, Republican leaders, and the White House to advance the plan, even without a guaranteed extension of health care subsidies -- a decision that has sparked a rift among some Democrats.

The deal was negotiated by New Hampshire Democrats Senators Maggie Hassan and Jeanne Shaheen, along with Maine Independent Angus King. Senate Minority Leader Chuck Schumer, the top Democrat in the chamber, voted against the measure.

The key measure will prevent federal agencies from laying off employees until January 30, 2026, and would halt President Donald Trump's effort to reduce the federal workforce.At the start of Trump's second term, about 2.2 million civilians worked for the federal government, with at least 300,000 expected to leave by year-end due to his downsizing plan.

The measure would also provide back pay for all federal employees, including military personnel, Border Patrol agents, and air-traffic controllers.The measure will now go through additional procedural steps before being sent to the President for approval. Republican leaders have planned to amend the bill to include a full-year funding package, agreed upon with moderate Democrats, while offering temporary government funding through January 2026.The Senate will hold more procedural votes, which could be delayed by members opposing the deal. Once these are cleared, the bill will move to the House for approval before reaching the President for final signing.

HEALTHCARE SUBSIDIES' DISCONTENT

After more than two hours of discussions, Senate Minority Leader Chuck Schumer said he could not "in good faith" support the proposal. Schumer, who faced criticism from Democrats in March for voting to keep the government open, said the party has now "sounded the alarm" on healthcare. "We will not give up the fight," he added.Independent Senator Bernie Sanders called giving up the fight a "horrific mistake," while Democrat Chris Murphy noted that last week's elections showed voters want Democrats to hold firm.The debate in Congress comes as President Trump again pushed to replace Affordable Care Act (ACA) subsidies with direct payments to individuals. These subsidies, credited with doubling ACA enrolment to 24 million since 2021, are a key point.

US air travel meltdown: 2,700 flights cancelled, 10,000 delayed; here's why

World . (Agency)

Thousands of passengers were left stranded across the United States on Sunday as airlines cancelled more than 2,700 flights and delayed over 10,000, the worst day of air travel disruption since the federal government shutdown began.The chaos has laid bare why America's aviation network is faltering, as unpaid air traffic controllers call in sick, radar centres run thin on staff, and major airlines struggle under government-mandated flight cuts.

WHERE AND WHEN THE CHAOS HIT HARDEST

The cancellations swept through the nation's biggest air hubs, Atlanta, Chicago, Charlotte and Newark, snarling travel plans coast to coast.

Flight-tracking site FlightAware reported over 1,000 cancellations on Friday, 1,500 on Saturday, and Sunday's record-breaking figures have already forced airlines to pre-emptively axe flights for the coming week.Delta Air Lines was hit the hardest, with disruptions affecting more than half its mainline flights on Sunday.

"It's the worst I've seen in years," a traveller stranded in Miami en route to the Dominican Republic, Emmy Holguin, was quoted as saying by AP. "We all have somewhere to be. I'm just hoping the government fixes this soon."

WHY ARE FLIGHTS BEING GROUNDED?

The Federal Aviation Administration (FAA) has ordered airlines to reduce commercial flights by 4% across 40 major airports, with cuts expected to deepen to 10% by Friday if the shutdown continues.

Transportation Secretary Sean Duffy warned more drastic measures could follow as air traffic controllers, now working six-day weeks without pay, increasingly call in sick or look for other jobs.The National Air Traffic Controllers Association said it has delivered 1,600 handwritten letters to Congress urging an end to the shutdown, citing "unsustainable pressure" on exhausted staff who are keeping the skies safe on borrowed time.

Russian helicopter snaps in two before crashing in Dagestan, 5 killed

World . (Agency)

At least five people were killed when a Russian Ka-226 helicopter carrying senior staff from a defence-linked aviation company crashed near the village of Achi-Su in the Republic of Dagestan on Friday, according to officials and state media reports. The aircraft was operated by the Kizlyar Electromechanical Plant (KEMZ), a key supplier of systems used in Russian military aircraft.The helicopter was flying from Kizlyar to Izberbash when it caught fire mid-flight and attempted an emergency landing, the Russian media reported. Witnesses told local media that the pilot tried to bring the aircraft down on a nearby beach along the Caspian Sea, but it crashed into the yard of a private house in the Karabudakhkent district.

Footage shared on social media showed the helicopter's tail breaking off before it plunged into the ground. The pilot briefly managed to lift the aircraft over shallow waters before losing control completely.

The impact triggered a fire that spread over roughly 80 square metres before being extinguished by emergency responders. The residential building was unoccupied at the time."All three passengers and the pilot were pulled from the wreckage but later died from their injuries," Dagestan's Health Minister Yaroslav Glazov confirmed. Two other individuals were hospitalised, one of them in critical condition.

VICTIMS WERE DEFENCE INDUSTRY OFFICIALS

The victims included senior personnel from KEMZ -- among them the company's deputy general director, chief engineer, and chief designer, along with the helicopter's flight mechanic, according to Russian media reports.

Initial reports from state outlets suggested the helicopter was carrying tourists, but KEMZ later confirmed that its employees were on board. The helicopter, registered as RA-19307, has been classified as a "disaster" by Russia's Federal Air Transport Agency (Rosaviatsia), which has launched a formal investigation into the cause of the crash.KEMZ, based in Dagestan, plays a crucial role in Russia's defence production. The plant manufactures ground control, diagnostic, and suspension systems for Sukhoi and MiG fighter jets, including units used to deploy precision-guided missiles such as the Kh-29 and X-31.The company has been under US sanctions for supplying components and technologies used in Russia's military operations against Ukraine.

Watch: Trump booed by NFL fans during historic appearance at Commanders-Lions game

World . (Agency)

Lound boos rang out across Washington's Northwest Stadium after US President Donald Trump appeared on the giant screen during Sunday's NFL game between the Commanders and the Detroit Lions -- marking the first time in nearly half a century that a sitting president has attended a regular-season fixture.Trump, standing in a private suite alongside House Speaker Mike Johnson, was shown on the stadium's big screen late in the first half. The crowd erupted into a mix of cheers and jeers, though the boos appeared to dominate. The reaction grew louder when the announcer formally introduced the US President at halftime.

During the break, Trump participated in an enlistment ceremony for new military recruits, reading aloud the oath of service as the audience noise continued."I'm a little bit late," Trump told reporters earlier after landing at Joint Base Andrews, referring to his delayed arrival following a brief flyover above the stadium. "We're gonna have a good game. Things are going along very well. The country's doing well. The Democrats have to open it up," he added.

Before Trump's arrival, Lions receiver Amon-Ra St. Brown celebrated a touchdown by mimicking the "Trump dance." Later, during the third quarter, Trump joined Fox Sports commentators Kenny Albert and Jonathan Vilma for a casual eight-minute on-air conversation.

When asked about his high school football days at the New York Military Academy, Trump replied, "I played tight end, but it was not quite football like this. It was a little bit easier. It wasn't so tough."

Why President Murmu's Angola visit matters for India's Africa policy

World . (Agency)

India's diplomatic engagement with Africa received a significant boost as President Droupadi Murmu embarked on a four-day state visit to Angola, marking the first-ever visit by an Indian President to the country. The trip comes at an important moment, with Angola celebrating 50 years of independence and India and Angola set to complete 40 years of formal diplomatic ties in 2025. The visit highlights New Delhi's renewed focus on Africa as a strategic partner, particularly in energy, defence, technology, agriculture, and skills development.

During the talks between President Murmu and Angolan President Joo Loureno, the emphasis was on expanding cooperation across key sectors. India sees Angola as a vital partner for its energy security, with Angola already supplying a substantial share of India's crude oil imports. President Murmu underlined this relationship and conveyed India's interest in securing a long-term energy purchase agreement with Angola. In addition, Indian companies are exploring opportunities to invest in onshore and offshore oil exploration and refinery modernisation projects within Angola.

The discussions also touched upon the expanding global focus on critical minerals. Angola possesses reserves of minerals that are central to manufacturing renewable energy technologies, electric vehicles, and electronics, areas that are integral to India's energy transition goals. President Murmu emphasised that Indian companies were also interested in collaborating on exploration, processing, and value addition of such minerals, along with investment in fertiliser production and diamond processing. Given Angola's place as one of the world's major producers of diamonds and India's global leadership in diamond cutting and polishing, both countries see a clear opportunity for mutually beneficial cooperation.

A number of Memorandums of Understanding (MoUs) were exchanged during the visit, including those related to fisheries, aquaculture, and marine resources. The two leaders also discussed intensifying collaboration in technology, agriculture, healthcare, defence, infrastructure, and people-to-people exchanges. President Murmu welcomed Angola's decision to join the International Big Cat Alliance (IBCA) and the Global Biofuel Alliance (GBA), signalling shared commitment to environmental sustainability and conservation.President Murmu also highlighted India's advancements in rail technology, pointing to the Vande Bharat high-speed trains as an example. She conveyed India's willingness to collaborate with Angola in modern railway development and skill-building initiatives for the youth. Both India and Angola have young populations, and skill development was recognised as a crucial area for future cooperation.Defence cooperation also featured prominently in the discussions. India is in the process of finalising a $200 million Line of Credit to support Angola in strengthening its defence capacity. This follows Prime Minister Narendra Modi's announcement earlier this year. India has also been providing military training support to African countries, including Angola and Botswana, and expressed willingness to deepen capacity-building programmes further.

NEWS BOX

Manchester City boss Pep Guardiola sends Premier League title warning to rivals

New Delhi. (Agency)

Manchester City boss Pep Guardiola sent a warning to his Premier League rivals, saying that his side is ready to have a go for the title as they beat Liverpool 3-0 on Sunday, November 9. Goals from Erling Haaland, Nico Gonzalez and Jeremy Doku secured all three points for City as they cut the gap to Arsenal to four.The result for Guardiola's side came after Arsenal were held to a 2-2 draw by Sunderland. Speaking to the reporters, the Spanish tactician said that his message to the players before the game was to prove they can go up against the Champions of England while not looking at the Arsenal result.

"I think Liverpool and us said 'oh wow Arsenal dropped points finally and conceded two goals'," said Guardiola.

"But at the end we have to do it and I said to the players 'don't do it because yesterday Arsenal didn't win. Do it because we believe in ourselves that we can play against the champions of England and show them we are ready to be there with them this season'."Today we proved it. We did it."

Doku was the star of the show for City as he was a constant menace down the left and gave Connor Bradley a rough time. Guardiola said that the Belgian demands himself to get better and handled Bradley well, especially after the Liverpool right-back's performance against Real Madrid mid-week.

"He [Doku] is demanding himself to be better, he listens, and he has special attributes with dribbles," said Guardiola."Today, Conor [Bradley] -- the right-back of Liverpool -- I'm really, really impressed"Pep Lijnders told me a thousand incredibly good things about that guy, he can do everything. I know the game against [Real] Madrid how good [he was] against Vincius."And he [Doku] handled it. He was aggressive, quick without the ball, and we tried to help him. He played an outstanding game."

Renuka Singh overwhelmed by villagers' tribute after India's World Cup triumph

New Delhi. (Agency)

Indian pacer Renuka Singh Thakur received a hero's welcome on Sunday as she returned to her ancestral village, Parsa, in the Rohru subdivision of Shimla district, following India's historic triumph at the 2025 ICC Women's World Cup.

Renuka, who played a key role in India's campaign by taking three wickets in the tournament, was felicitated by villagers and local authorities in a heartwarming ceremony that celebrated her contribution to the nation's maiden Women's World Cup win. During the felicitation, she was surprised with a documentary made by her villagers chronicling her journey from the hills of Himachal Pradesh to the world stage, a gesture that moved her deeply.

"I feel really happy to be here, especially because of the documentary they made for me. I think this is the best gift I could have received," Renuka told news agency ANI during the event.

Earlier in the day, the 28-year-old fast bowler visited the Hateshwari Mata Temple in Hatkoti to offer prayers and express gratitude for India's triumph. "My hard work is yielding results, but the credit goes to my mother and Bhupinder uncle, who spotted my talent and supported me," she said, reflecting on her journey.Renuka's story is one of perseverance and quiet strength. She lost her father, Kehar Singh Thakur, at the age of three, and it was her mother, Sunita Thakur, who single-handedly raised her and her brother. Her father's dream of seeing his children succeed in sports continues to inspire her—a sentiment she carries permanently, with a tattoo of her father's name etched on her arm as a reminder of his wish.

"I do not have any words for my mother's struggle. No amount of words can be enough to describe what she went through. I would like to give credit for this to everyone—my coaches, my uncle, and all the people who helped me right from my childhood," Renuka said.She particularly credited her uncle, Bhupinder Singh Thakur, who recognised her potential early and ensured she received the right training at the Dharamshala Cricket Academy under coach Pawan Sen and trainer Veena Pandey.

"My mother played a big role in my success. I also worked very hard, and my uncle supported me a lot. Had he not seen me and sent me to an academy at the right time, I would not be here," she added.

Bhupinder Singh, proud of his niece's success, described it as the result of over a decade of dedication and sacrifice. "Her success is the result of 13-14 years of sheer hard work," he said.Reflecting on India's campaign, Renuka admitted that the pressure was immense when the team lost three consecutive matches midway through the tournament. "There was a lot of pressure as we had lost three matches back-to-back and the last three were crucial. But we were hopeful of winning the World Cup," she recalled.

MS Dhoni will play IPL 2026: Raina picks CSK retentions, makes big Jadeja call

Former Chennai Super Kings batter Suresh Raina has laid out his retention and release plans for CSK ahead of IPL 2026, insisting that MS Dhoni and Ravindra Jadeja remain untouchable while pushing for fresh changes to the squad.

New Delhi. (Agency)

Former Chennai Super Kings batter Suresh Raina has weighed in on Chennai's potential retentions ahead of IPL 2026, putting his full support behind some of the franchise's biggest names while urging the management to refresh parts of the squad through the mini-auction. His comments arrive at a time when the five-time champions are believed to be exploring one of the most dramatic trade negotiations in recent IPL history — a possible swap that could see Rajasthan Royals captain Sanju Samson arrive in Chennai, while CSK fan favourite Ravindra Jadeja heads the other way.

Suresh Raina left no ambiguity when asked who he believed Chennai should hold on to ahead of the 2026 season. Raina threw his weight behind MS Dhoni, saying he is sure that the 44-year-old will return to play next year in the IPL.Speculation around Dhoni's future crops up before every retention deadline, but CSK CEO Kasi Viswanathan told that they are hopeful of having their 'Thala' playing in 2026.

Raina also backed Ruturaj Gaikwad to continue leading CSK in IPL 2026."MS Dhoni should definitely be retained; he is playing this year, so he should remain with the team. Ruturaj Gaikwad should continue as captain," Raina told JioStar."Ravindra Jadeja should be retained again. He is a gun player for CSK. He has done really, really well for the team over the years, so 'Sir Ravindra Jadeja' has to be there."

All 10 teams will announce their list of

retained and released players on the retention deadline day – November 15.

THE JADEJA-SAMSON SWAP SPECULATION

Raina's words carry significance, particularly in the middle of speculation that Jadeja may be part of a potential trade deal with Rajasthan Royals. Chennai are reportedly in talks to acquire Sanju Samson, a move that would not only hand them a long-term wicketkeeping option but also a solid middle-order presence for the years to come.

Samson has been with Rajasthan Royals for 11 seasons and has captained the side since 2021, but with CSK seeking a successor to MS Dhoni and a reliable Indian batting core, the Royals skipper has emerged as a major target.A senior CSK official, speaking to PTI, confirmed ongoing interest in the Royals captain, saying the franchise has formally expressed its intention during the trading window. "Everyone knows we are interested in getting Sanju. We have expressed our interest in procuring him in this trading window. RR is yet to confirm as their management said they are weighing the options. We are hopeful Sanju will play for CSK," the official said.If the move goes through, it could become one of the biggest trades in league history. For Rajasthan, Jadeja's return would be symbolic — he last played for them in 2009 before becoming one of CSK's most iconic all-rounders, a player who has been instrumental in title runs, spin chokes, and unforgettable lower-order finishes. Adding another twist, England all-rounder Sam Curran is also reportedly part of the same package, potentially heading to Rajasthan in the reshuffle.

Can BCCI help Indian football recover from its ISL fiasco?

New Delhi. (Agency)

For a country that hums football chants in its lanes but beats to the sound of cricket bats in its stadiums, Indian football once again finds itself teetering between hope and heartbreak. The All India Football Federation's (AIFF) latest tender for the Indian Super League (ISL) — launched on October 16 — ended in stunning silence. Not a single bid arrived.

And as the nation's top division slipped deeper into limbo, defending champions Mohun Bagan Super Giant dropped a bombshell — suspending all first-team operations until clarity returns. Across the city, their eternal rivals East Bengal continue to operate as usual, albeit with nervous optimism.But in Kolkata's football cauldron, where emotions often mix with wisdom, East Bengal's senior official Debabrata Sarkar made a rather interesting appeal: he asked the Board of

Control for Cricket in India (BCCI) to "sponsor Indian football" for a few years and help the sport stand on its own feet again.

"If BCCI steps in, football can move forward"

Speaking to PTI, Sarkar didn't mince words. "Indian football cannot stop like this," he said. "If the BCCI sponsors the sport for at least four-five years, it would make a huge difference. For them, Rs 100–150 crore is not a big amount. If they take responsibility, Indian football can move forward in a better way."

A plea like this may sound emotional — even desperate, but it reflects a growing truth: Indian football's glitzy experiment may finally be running out of luck.

Cracks beneath the glamour

When the ISL was launched in 2014, it promised a revolution. Bollywood owners, international stars, cheer squads, fireworks — it had the swagger to rival cricket's IPL.

But as the lights dimmed over time, the realities became clear: football can't survive on glitter alone.Behind the showbiz, clubs were struggling. Most continued to bleed money year after year. Youth academies existed only on paper. Long-term development plans were rare, while the chase for instant success drained both investors and enthusiasm.The result? When the AIFF opened the doors for new ISL bidders, no one walked in.

Robert Lewandowski hat-trick powers Barcelona to thumping win over Celta Vigo

New Delhi. (Agency)

Barcelona defeated Celta Vigo 4–2 away in LaLiga to bolster their position in the title race. Robert Lewandowski delivered a standout performance, notching a hat-trick to lead the visitors, while Lamine Yamal added another goal before halftime. This result lifts Barcelona to 28 points, narrowing the gap to Real Madrid at the top to just three points. Celta Vigo remain in 13th place with 13 points, trailing European qualification spots by five.Lewandowski was the match's key performer, scoring in the 10th, 37th, and 73rd minutes. His clinical finishing ensured Barcelona maintained control, and his third goal, coming from a corner, exemplified his impact.Celta Vigo struck back through Sergio Carreira, who equalised in the 11th minute after Lewandowski's opener, and Borja Iglesias, who scored in the 43rd minute. However, Barcelona's attacking efficiency kept them ahead for most of the match.

Marcus Rashford played a crucial supporting role, providing assists for two of Lewandowski's goals. His involvement, particularly from set pieces, proved effective in unlocking the Celta defence.Barcelona managed the match tempo well, capitalising on early pressure and set-piece opportunities. Celta Vigo responded with two timely goals but struggled to contain Barcelona's attacking threats.The result leaves Barcelona two points clear of Villarreal in third place.

There was late drama as Frenkie de Jong was sent off in stoppage time after receiving a second yellow card. This incident did not affect the result, but could impact Barcelona's squad options after the international break.

WHAT FLICK SAID

Barca manager Hansi Flick was thrilled with Lewandowski's performance, saying that he has seen a different version of the Polish striker after his return from injury."After his injury, I've seen a different Lewandowski, a positive one," Barcelona coach Hansi Flick told reporters."He came back ahead of schedule. It's great that he's scored three goals to boost his confidence. Last season he was very important for us."

Ravindra Jadeja's Instagram profile disappears as Sanju Samson swap deal picks up steam

New Delhi. (Agency)

As the news of his exit from the Chennai Super Kings is growing stronger day by day, Ravindra Jadeja's official Instagram account has vanished. Jadeja has been vital to CSK's recent success, having won titles with them in 2018, 2021 and 2023 and even captaining them during the 2022 season for a few games.

However, CSK are reportedly in the midst of planning one of the biggest transfer moves ahead of IPL 2026, with Rajasthan Royals skipper Sanju Samson likely to make the switch from Jaipur to Chennai in a blockbuster trade that could see Ravindra Jadeja move the other way. To add further intrigue, England all-rounder Sam Curran is also said to be part of the proposed deal, potentially joining Rajasthan.

As CSK begin to shape their squad for life after MS Dhoni, Samson has surfaced as their top target to bolster the batting unit and provide leadership for the future. However, the possible departure of Jadeja — a long-time fan favourite in Chennai — is expected to stir strong emotions among supporters.

A senior CSK official, speaking to PTI,

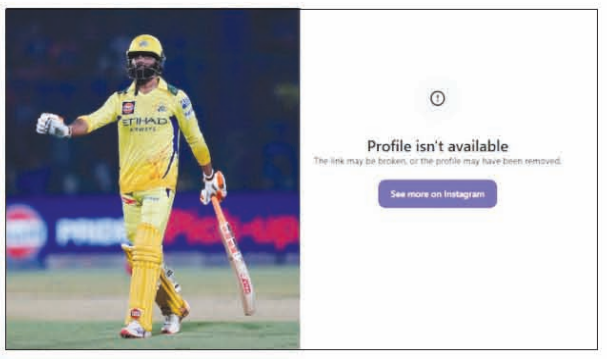

reportedly confirmed that the franchise is in active negotiations for Samson, while Rajasthan Royals are currently assessing the proposal before making a final decision. The recent rumours have unsettled a set of CSK fans for whom Jadeja has been a favourite.However, some of them noted on Monday morning that his official Instagram account, under the name of royalnavghan, had been deactivated.

Jadeja is active on the social media platform, where he gives a sneak peak into his life. During the time of the IPL, Jadeja often posts about his love for CSK and his connection with the fans.

DHONI TO ALLOW JADEJA TRADE?

Former cricketer Mohammed Kaif feels that MS Dhoni will allow the Samson-Jadeja trade to go through as he will be aiming to make CSK champions again.

"If Jadeja has to be sacrificed for the team's good, Dhoni will do it. People say how Dhoni operates based on friendships and does it, giving them a couple of extra chances. But it doesn't mean his focus goes away from winning. The goal is to make CSK a champion. That's why he will let go of Jadeja if it has to be done. If Dhoni feels he can get a better option for the team, he will take the decision," remarked Kaif.Jadeja played for RR 16 years ago and was part of the side that won the inaugural IPL title.

IND vs SA: Temba Bavuma joins South Africa squad in Kolkata ahead of 1st Test

South Africa captain Temba Bavuma was the final player to join the senior squad on Monday morning as the visitors assembled in full strength in Kolkata ahead of the opening Test against India, scheduled to begin at Eden Gardens on Friday.

New Delhi. (Agency)

South Africa captain Temba Bavuma joined the national team in Kolkata on Monday morning, completing the visitors' full-strength squad ahead of the opening Test against India, scheduled to begin at Eden Gardens on Friday.Bavuma, who recently led the South Africa 'A' side in their unofficial Test series against India A in Bengaluru, was the final member to check in with the senior squad. "Bavuma, along with another player and a few officials, arrived this morning from Bengaluru. Most of the squad, including the head coach, had already checked in on Sunday," the team's local manager told PTI.

The first batch of South African players, including head coach Shukri Conrad, pacers Kagiso Rabada and Marco Jansen, and those returning from the white-ball series in Pakistan, had landed in Kolkata on Sunday morning. "South Africa now have their full contingent in. There's no activity scheduled at the Eden today Most likely, both teams will have their first training session on Tuesday," the manager added.

Bavuma, who missed the start of South Africa's

World Test Championship (WTC) campaign in Pakistan due to a calf strain, returned to competitive action for the 'A' team. The right-hander, playing under Marques Ackerman's captaincy, scored a gritty 59 off 101 balls in the second innings of the second unofficial Test in Bengaluru to help his team secure a five-wicket win and level the series 1-1.

Middle-order batter Zubayr Hamza, another member of the 'A' squad, has also joined the main team. Known for his ability to handle spin, Hamza made valuable contributions in both matches, including a 77 in the second innings of the final game at the Centre of Excellence.

On the Indian side, the first group of players—including skipper Shubman Gill, head coach Gautam Gambhir, pacer Jasprit Bumrah, all-rounders Washington Sundar and Axar Patel—arrived in Kolkata late on Sunday after completing the limited-overs tour of Australia. The remaining members of the squad, including Rishabh Pant, KL Rahul, and Dhruv Jurel, are expected to check in throughout the day.Both India and South Africa will hold their first training sessions at Eden Gardens on Tuesday in preparation for the first of the two Tests.

Neha Kakkar's

Name Misused In Trading Scam, Mumbai Lawyer Duped Of Rs 5 Lakh

In yet another shocking case of online fraud, scammers allegedly used Bollywood singer Neha Kakkar's name to promote a fake international trading platform called FXOnet, duping a Mumbai-based lawyer of over ₹5 lakh. The cybercrime, which relied on forged promotional videos and fake social media content, is now under investigation by the Worli Police.

Fake Trading Platform Posing as 'Neha Kakkar-Endorsed'

According to the FIR filed at Worli police station, the victim, Advocate Shabnam Mohammad Hussain Syed (45), a resident of BDD Chawl in Worli, came across deceptive articles and videos in June 2025 falsely portraying Neha Kakkar as an ambassador for FXOnet — described in the content as a "trusted and legal trading platform."Lured by the celebrity association, Syed contacted individuals posing as FXOnet representatives, identified as Vijay and Jimmy D'Souza, who communicated with her through international phone numbers, Telegram (user ID: @fxonetlbot), Zoom meetings, and emails that appeared professional and legitimate.

How the Fraud Unfolded

The scammers convinced Syed to open a trading account under her name, promising high returns and sending her "expert investment tips" over Telegram. Believing the scheme to be genuine, she transferred ₹5,02,025 between June 18 and October 9, 2025, from her HDFC Bank account to multiple accounts under names such as Rajesh Kannan (PONNURAKU@SUPERYES), VPI ProMedia Kigali, India Impex Trading Company, and VPI 3 6 1 VPECOM.However, when no profits or refunds arrived, Syed realized she had been scammed and filed a complaint.

Police Launch Digital Investigation

The Worli Police have registered a case under relevant sections of the Bharatiya Nyay Sanhita (BNS) and the Information Technology Act (IT Act). Investigators are now analyzing Telegram chats, Zoom meeting records, and UPI transaction trails to trace the culprits.Authorities said the fraudsters' modus operandi mirrors a growing trend where cybercriminals use celebrity names to gain public trust and lure victims into bogus investment platforms.

Not the First Celebrity Fraud Case

This is not an isolated case. Earlier, the Mumbai Police filed an FIR against an unidentified person impersonating Hollywood star Keanu Reeves, who cheated a 69-year-old Versova woman of ₹65,000 by pretending to raise money for a flight ticket to India. The victim's daughter later reported the scam, saying the imposter had built emotional trust by posing as the actor online.Cyber experts have warned that the misuse of celebrity identities for financial fraud is on the rise, urging citizens to verify any endorsements or investment opportunities through official channels.

Bhavya Gandhi

To Return To Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah As Tapu? Actor Breaks Silence

Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah is one of the longest-running sitcoms and has often caught headlines for casting changes. In recent times, several actors have left the show, but it looks like this time the show is making headlines for a possible comeback. Yes, you read it right, it's none other than Bhavya Gandhi who has shown interest in returning to the show.In an interview with Hindi Rush, Bhavya Gandhi shared that he would love to return to the show if given a chance and said, "Yes, why not? I would definitely like to return to the show. If I return, it would be closure in my life."

He further talked about how he never left the show for money reasons and revealed, "I never worked for money, nor did I leave the show for money. I don't even know how much I was paid per episode because I was young at that time, and my parents handled all the transactions."

About Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah

Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah (TMKOC), one of Indian television's most popular and longest-running sitcoms, has recently brought about a new transformation in Gokuldham Society. Following the show's 17th anniversary in July, the creators introduced a new family to the show. A Rajasthani family joined the Gokuldham Society. The new family's head is a businessman, and fans are eager to find out if he will compete with Jethalal, who heads Gada Electronics.Asit Kumar Modi created and produced Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah, which premiered on Sony SAB in 2008. Since then, several new faces have appeared on the show, while some have left.

About the Show's Cast

Dilip Joshi as Jethalal, Amit Bhatt as Champaklal Jayantilal Gada, Tanuj Mahashabde as Krishnan Subramaniam Iyer, Munmun Dutta as Babita Krishnan Iyer, Mandar Chandwadkar as Aatmaram Tukaram Bhide, Sonalika Joshi as Madhavi Aatmaram Bhide, and Ambika Ranjankar as Komal Hansraj Hathi are among the actors who have continued to play their roles in TMKOC. Others include Nitish Bhaluni, Sachin Shroff, Sunayana Fozdar, and Khushi Mali.

Sunita Ahuja Says She Doesn't Want Govinda In Next Life; Rashmika Mandanna's Comment On Vijay Deverakonda

Bollywood actor Govinda's wife, Sunita Ahuja, always makes headlines for her unfiltered conversations and bold takes. Recently, in a conversation, she opened up about her marriage with Govinda and confessed that he isn't the best husband and that she doesn't want him in her next life.Looks like South cinema's favourite duo is ready to make it official. After months of buzz and subtle hints, reports now claim Rashmika Mandanna and Vijay Deverakonda are secretly engaged and planning a royal February 2026 wedding in Udaipur. Neither star has confirmed it yet, but fans are convinced their on-screen magic has finally turned into a real-life fairy-tale romance.

Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah is one of the longest-running sitcoms and has often caught headlines for casting changes. In recent times, several actors have left the show, but it looks like this time the show is making headlines for a possible comeback. Yes, you read it right, it's none other than Bhavya Gandhi who has shown interest in returning to the show.

Travis Scott's Tokyo concert became a heartwarming father-daughter moment when his 7-year-old daughter, Stormi Webster, joined him on stage during his performance of "Thank God." The concert, held on November 8 at Tokorozawa's Belluna Dome, saw the crowd erupt in cheers as the rapper introduced his little girl to thousands of fans.

Huma Qureshi is on a roll! The actress has been part of several intriguing projects recently, and has an exciting lineup ahead. She was recently seen in the series 'Maharani season 4', and will next be seen in 'Delhi Crime season 3'. Now, ahead of the release of Delhi Crime 3, her friend and actor Rajkummar Rao gave her a shoutout on social media. He expressed his admiration for Huma's talent, and applauded her amazing work. He wrote that he is a 'proud' friend, and also shared his excitement for her upcoming series Delhi Crime 3 in which she plays the ruthless 'Badi Didi'.

Ahaan Panday's Latest Video Leaves Fans Gushing: 'He's Getting Younger Everyday'

Ahaan Panday shot to fame with Mohit Suri directorial Saiyaara, co-starring Aneet Padda. The two newcomers have since gained a massive following on social media, with fans eagerly tracking every update about the actors. A fan recently spotted Ahaan in Mumbai, and captured a video with him. The video has now gone viral on Ahaan's fan pages, with fans gushing over his youthful charm. The actor is seen rocking a fresh look, with shorter, wavy hair, and fans noticed that he looks much younger than his age. Many social media users expressed their wish to see him in a college romance with Aneet Padda.

Ahaan Panday's New Look Wows Fans

A recent video that is going viral on Ahaan Panday's fan pages shows the Saiyaara star interacting with his fan. When praised for his performance in the film, Aahaan humbly thanked the fan and expressed gratitude to all his supporters for their love. In the video, Ahaan is seen rocking a blue jersey. The fresh haircut adds a youthful charm to his look, and fans couldn't stop gushing over him. One fan wrote, "yrf, i have a vision. Ahaan x Aneet. College romance. That's it," while another one commented, "Ahaan spotted omgg he looks like a teenager hello?!?! He's so cutee omggsggs." A third comment read, "He's getting younger everyday," while another fan wrote, "Hear me out....college romance, fake dating, he's a sunshine and she's grumpy." Check out some more fan reactions below!

Ahaan Panday's Next Project After Saiyaara

After the massive success of his debut film Saiyaara, Ahaan Panday will be working with Aditya Chopra once again on a film, which will be directed by Ali Abbas Zafar. Sharvari will reportedly star opposite Ahaan in the upcoming yet-untitled action romance.

While fans are eager to know more about the project, a Mid Day report has claimed that the director will be heading to the UK in December for a month-long recce before the shoot kicks off in February 2026.

They will be shooting the film in London, Birmingham, Manchester and Leeds. Reportedly, Ali and Aditya are 'confident' about the movie, especially after the success of Saiyaara.

"His debut film presented him as a devoted romantic hero. With the second venture, Aditya sir wants to project him as an action-romance star. He has been undergoing hand-to-hand combat training and weapon training," a source told Mid Day.